THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 335 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.13 2081 बुधवार, 26 फरवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कर्नाटक-महाराष्ट्र के बीच बस सर्विस विवाद बढा

बेंगुलुरु, 25 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक-महाराष्ट्र के बीच बस विवाद तूल पकड़ रहा है। राजनीतिक बयानबाजी हो रही है। मंगलवार को महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री ने प्रताप सरनाईक राज्य परिवहन निगम में मार्शल तैनात करने की बात कही।

उन्होंने कहा, 'मराठी हमारा गौरव है और हमें अपने यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए। महाराष्ट्र को अपना गर्व है। अगर पड़ोसी राज्य के लोग हमारे लोगों को धमकाते हैं तो बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा- इस मुद्दे पर राज्य कैबिनेट की बैठक में भी चर्चा की जाएगी। दोनों राज्यों के बीच बस सेवा टर्मिनेट होने से यात्रियों को परेशानी हो रही है। परिवहन विभाग के अधिकारी कर्नाटक के अधिकारियों से बात कर रहे हैं।

भारत ने दुनिया की उम्मीदें जगाईं : मोदी

गुवाहाटी, 25 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 समिट का उद्घाटन किया। यह दो दिन की इंफ्रास्ट्रक्चर और इन्वेस्टमेंट समिट है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा- आज दुनिया का भरोसा भारत के 140 करोड़ जनता पर है। जो पॉलिटिकल स्टेबिलिटी और पॉलिटिकल कंट्यूनिटी को सपोर्ट कर रही है।

पीएम ने कहा- आज भारत लोकल सप्लाई चैन को मजबूत कर रहा है। आज भारत दुनिया के अलग-अलग रीजन के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट कर रहा है। ईस्ट एशिया के साथ हमारी कनेक्टिविटी और बेहतर हो रही है। बना रहा नया इंडिया मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर भी अनेक नई संभावना लेकर आ रहा है। भारत पर मजबूत होते ग्लोबल ट्रस्ट के बीच हम सभी असम में जुटे हैं।

पीएम मोदी ने कहा- 2018 में असम की इकोनॉमी 2.75 लाख करोड़ की थी। अब यह 6 लाख करोड़ रुपए की हो गई है। इसका मतलब है राज्य के भाजपा की सरकार बनाने के बाद इकोनॉमी 6 गुणा बढ़ी है। असम को 2009 से 2014 के बीच रेल बजट के लिए औसतन 2,100 करोड़ रुपये मिले थे ।

उन्होंने कहा- हमारी सरकार ने असम के रेलवे बजट को चार गुना ज्यादा बढ़ा कर 10 हजार करोड़ रुपये पहुंचा दिया है। असम ने 2030 तक 12.44 लाख करोड़ रुपए का GDP हासिल करने का लक्ष्य रखा है। मुझे विश्वास है कि असम यह लक्ष्य जरूर पूरा करेगा। मुझे राज्य के लोगों की क्षमताओं और राज्य सरकार पर भरोसा है।

सेमीकंडक्टर को लेकर पीएम ने कहा कि असम सेमिकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक इमोर्टेंट हब बनकर उभरेगा। हाल ही में टाटा ने असम में सेमीकंडक्टर की असेंबलिंग शुरू की है, जो पूरे उत्तर पूर्वी राज्यों में टेक्नोलॉजी विकास को बढ़ावा देगा।

पीएम मोदी बोल- नॉर्थ ईस्ट की भूमि नए भविष्य की शुरुआत करने जा रही है। एडवांटेज असम पूरी दुनिया को असम से जोड़ने का अभियान है। आज जब भारत विकसित होने के कगार पर बढ़ रहा है तो एक बार फिर हमारा यह नॉर्थ इस्ट अपना ये सामर्थ्य दिखाने जा रहा है। एडवांटेज असम को मैं इसी स्पिरिट के रूप में देख रहा हूं।

दिल्ली विधानसभा में कैग रिपोर्ट पेश

आप की शराब नीति से 2000 करोड़ का घाटा
हंगामा कर रहे 21 आप विधायक सस्पेंड

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा के दूसरे दिन मंगलवार को सीएम रेखा गुप्ता ने सदन में शराब नीति पर कैग रिपोर्ट पेश की गई।

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि नई शराब नीति से दिल्ली सरकार को 2002 करोड़ रुपए का घाटा हुआ।

पॉलिसी कमजोर थी और लाइसेंस प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई। एक्सपर्ट पैनल ने पॉलिसी में कुछ बदलाव के सुझाव दिए थे, जिन्हें तत्कालीन डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने नजरअंदाज कर दिया।

इससे पहले सदन में विपक्षी पार्टी आप ने सीएम हाउस में भगत सिंह और अंबेडकर की तस्वीरों के मुद्दे पर हंगामा किया। एलजी वीके सक्सेना जब भाषण दे रहे थे, तब आप विधायकों ने मोदी-मोदी की नारेबाजी की। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष आतिशी समेत 21 आप विधायकों को 3 मार्च तक के लिए सस्पेंड कर दिया गया। सदन से बाहर आने के बाद आतिशी ने कहा कि सीएम हाउस से भगत सिंह और अंबेडकर की तस्वीरें क्यों हटाई गईं। उन्होंने कहा कि आप सरकार के समय हर सरकारी दफ्तर में भगत सिंह और अंबेडकर की फोटो लगाई गई थी।

आतिशी ने कहा कि विधानसभा में आबकारी ऑडिट रिपोर्ट पेश की गई। इसके सात अध्याय 2017-21 की आबकारी नीति पर हैं। एक अध्याय नई आबकारी नीति पर है।

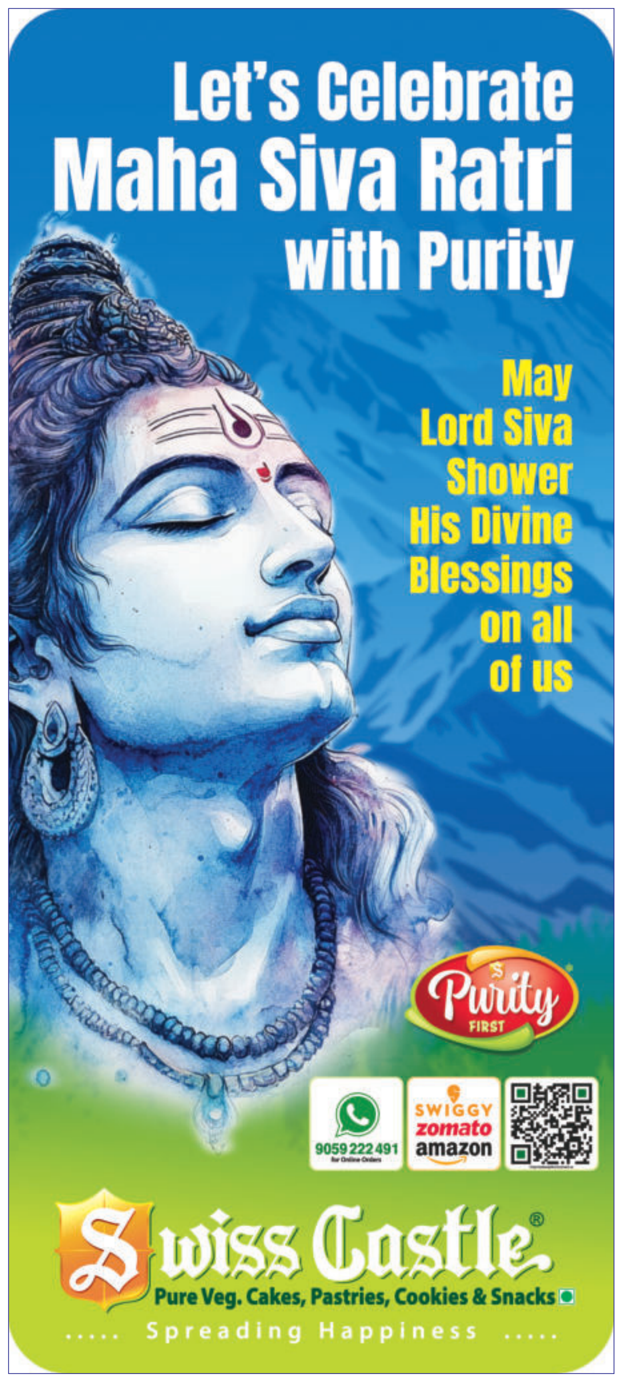

सरकार ने छात्रों की छात्रवृत्तियां छीनीं: खरगे

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा लिखा कि सरकार ने दलित, आदिवासी, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्तियां छीनने का काम किया है। खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार में लाभार्थियों की संख्या में साल-दर-साल भारी कटौती की गई, साथ ही इस मद में फंड भी कम खर्च किया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को संबोधित करते हुए पोस्ट में लिखा कि 'देश के एससी, एसटी और ओबीसी और अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं की छात्रवृत्तियों को आपकी सरकार ने हथियाने का काम किया है। सरकारी आंकड़े बातते हैं कि सभी वजीफों में मोदी सरकार ने लाभार्थियों की भारी कटौती तो की है, साथ ही साल-दर-साल फंड में औसतन 25 फीसदी कम खर्च किया है।' खरगे ने लिखा कि 'जब तक देश के कमजोर वर्ग के छात्रों को अवसर नहीं मिलेगा, उनके हुनर को प्रोत्साहन नहीं मिलेगा, तब तक हम अपने देश के युवाओं के लिए नौकरियां कैसे बढ़ा पाएंगे? आपका सबका साथ, सबका विकास का नारा, रोजाना कमजोर वर्गों के अरमानों का मजाक उड़ाता है।' इसके साथ ही खरगे ने कमजोर और अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति का डाटा भी साझा किया।

सिख विरोधी दंगा में सज्जन कुमार को दूसरे केस में भी उम्रकैद

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में 1984 के सिख विरोधी दंगा केस में मंगलवार को कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष जज कावेरी बावेजा ने दोपहर 2 बजे के बाद यह फैसला सुनाया।

यह मामला दंगों के दौरान दिल्ली के सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या से जुड़ा है। तब सज्जन बाहरी दिल्ली लोकसभा सीट से सांसद थे। पीड़ित पक्ष ने उन्हें मौत की सजा देने की मांग की थी।

सज्जन कुमार को 12 फरवरी को दोषी ठहराया गया था। कोर्ट ने 21 फरवरी को सजा पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। वे इस समय दंगों से जुड़े एक अन्य मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं और उम्रकैद की सजा काट रहे हैं।

सिख नेता गुरलाद सिंह ने कहा- हमें मौत की सजा से कम कुछ भी मंजूर नहीं है। हम अदालत के फैसले से खुश नहीं हैं। हम सरकार से अपील करेंगे कि वह हाईकोर्ट जाए और सज्जन कुमार के लिए मौत की सजा की घोषणा करे। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने कहा, सज्जन कुमार जैसे व्यक्ति को मौत की सजा नहीं दी गई

एडवोकेट एच.एस. फूल्का ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाए जाने पर कहा, आजीवन कारावास भी बहुत बड़ी बात है। जज ने अपने फैसले में लिखा है कि हमारी और सरकार की मांग थी कि सज्जन कुमार को फांसी की सजा सुनाई जाए मगर वह नहीं दी गई क्योंकि उनकी उम्र 80 साल है। वे बीमार हैं और खुद को संभाल भी नहीं सकते हैं... यह कानून है कि 80 साल के ऊपर और बीमार व्यक्ति को फांसी की सजा नहीं सुनाई जाती। दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, हम मृत्युदंड की उम्मीद कर रहे थे। अब जगदीश टाइटलर और कमल नाथ की बारी है।

जन्म देकर छीन ली जान, मां ने की बेटी की हत्या, दो और महिलाओं की मदद से शव को लगाया ठिकाने

मुंबई, 25 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक 17 वर्षीय दिव्यांग लड़की की कथित तौर पर उसकी मां ने हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने बताया कि लड़की की मां ने अपनी मां और एक अन्य महिला की मदद से शव को ठिकाने लगा दिया। पुलिस ने तीनों महिलाओं के खिलाफ हत्या, साक्ष्य मिटाने और आपराधिक कृत्य के लिए शिकायत दर्ज की है। पीड़िता के पिता ने हालांकि दावा किया है कि उनकी बेटी अभी भी जीवित है और उसे इलाज के लिए कहीं और ले जाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विजिलेंस विभाग ने अन्नाद्रमुक विधायक अम्मान अर्जुनन के घर और कार्यालय पर की छापेमारी

आय से अधिक संपत्ति का है मामला

चेन्नई, 25 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) ने मंगलवार को विपक्षी अन्नाद्रमुक के कोयंबटूर उत्तर विधायक अम्मान के। अर्जुनन के आवास और कार्यालय पर छापा मारा। सुबह शुरू हुई छापेमारी उनके पिछले कार्यकाल के दौरान आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में उनके खिलाफ दर्ज मामले पर आधारित है। सुरक्षा के लिए सशस्त्र पुलिस कर्मियों के साथ आठ डीवीएसी अधिकारियों की एक टीम उनके घर और कार्यालय का निरीक्षण करने पहुंची थी। 2021 में डीएमके के सत्ता संभालने के बाद पहली बार डीवीएसी ने एआईएडीएमके नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की है। इससे पहले, भ्रष्टाचार के अलग-अलग मामलों में राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सी। विजयभास्कर और पूर्व स्थानीय प्रशासन मंत्री एसपी वेलुमणि के आवास पर छापेमारी की गई थी।

भ्रष्टाचार का है मामला

भ्रष्टाचार से संबंधित एक शिकायत के बाद जांचकर्ताओं ने विजयभास्कर से जुड़े 13 स्थानों पर छापेमारी की। डीवीएसी ने 2018 में ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन (जीसीसी) द्वारा स्टॉर्मवॉटर ड्रेन (एसडब्ल्यूडी) और सड़क निर्माण निविदाएं देने में कथित भ्रष्टाचार के लिए पूर्व मंत्री और एआईएडीएमके विधायक एसपी वेलुमणि के खिलाफ मामला दर्ज किया है। 2021 में द्रमुक सरकार के सत्ता में आने के बाद से राज्य की भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसी द्वारा वेलुमणि के खिलाफ यह चौथी एफआईआर दर्ज की गई है। वेलुमणि, वर्तमान में अन्नाद्रमुक के संगठन सचिव हैं, उन्होंने 2014 से 2021 तक स्थानीय प्रशासन मंत्री के रूप में कार्य किया है।

एफआईआर एनजीओ अरप्पोर इयक्कम के संयोजक जयराम वेंकटेशन द्वारा दायर शिकायतों पर आधारित है। डीवीएसी ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में भी आरोप पत्र दायर किया है।

पूर्व मंत्री और उनकी पत्नी पर आरोप

आरोप के अनुसार, विजयभास्कर और उनकी पत्नी ने अपने और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर चल और अचल संपत्तियों के रूप में 35.79 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की, जो उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक पाई गई। डीवीएसी ने पहले भी छापेमारी की थी और इस संबंध में अन्नाद्रमुक नेता और पूर्व टी। नगर विधायक बी। सत्यनारायणन के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि सत्यनारायणन ने 2.64 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की, जो उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक पाई गई है।

योगी की राह पर मान सरकार, ड्रग्स के खिलाफ अब बुलडोजर बना सीएम भगवंत का नया हथियार

चंडीगढ़, 25 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी और हरियाणा के बाद अब पंजाब में भी बुलडोजर को नया हथियार बनाया गया है। पंजाब की मान सरकार ने ड्रग्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई में बुलडोजर का इस्तेमाल किया है। नशे की चपेट से पंजाब को मुक्त कराने के लिए मान सरकार ने प्रदेशभर में बड़े पैमाने पर अभियान चलाने का फैसला किया है। इसी सिलसिले में बीती रात सरकार ने वॉर ऑन ड्रग्स के तहत बड़ी कार्रवाई की गई है। ड्रग्स के खिलाफ वॉर ऑन ड्रग्स के तहत पंजाब पुलिस ने लुधियाना के एक ड्रग माफिया के घर देर रात बुलडोजर चलाया है। पंजाब सरकार ने यह कार्रवाई तलवंडी गांव में बने एक अवैध निर्माण पर किया है। कल देर रात तलवंडी गाँव के ड्रग माफिया सोनू के अवैध निर्माण के तहत बने घर पर बुलडोजर चलाया है। पंजाब पुलिस ने मिली जानकारी के मुताबिक, सोनू तीन साल से ड्रग तस्करी में शामिल है और उस पर 6 एफआईआर रजिस्टर्ड है। पंजाब सरकार के आदेश पर सभी मुख्य सचिव ने सभी जिलों के डीसी को पत्र लिखकर कहा कि सरकार आने वाले दिनों में नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी मुहीम चलाएगी। मुहीम की वजह से नशे के आदी हो चुके लोगों को दिक्कत हो सकती है, इसलिए, पहले ही पुनर्वास केंद्र और तमाम इंतजाम कर लिए जाएं। इन केंद्रों पर हर तरह की दवा, टेस्ट किट और इक्विपमेंट होने चाहिए। लुधियाना में ड्रग तस्कर की संपत्तियों पर हुई कार्रवाई को लेकर लुधियाना के पुलिस कमिश्नर कुलदीप चहल ने बताया कि इस नशा तस्कर की कुछ अवैध संपत्तियां जोकि ड्रग मनी से बनाई गई थी वो आईडेंटिफाई हुई थी

टीवी पर भड़काऊ बयान देने वाले बीजेपी नेता की बढ़ी मुश्किलें

सलाखों की बजाय पहुंच गए अस्पताल

तिरुवनंतपुरम, 25 फरवरी (एजेंसियां)। भड़काऊ भाषण देने के आरोप में केरल के बीजेपी नेता और पूर्व विधायक पीसी जॉर्ज की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। उन्हें पुलिस हिरासत में भेजा गया है। इस बीच उनकी तबीयत बिगड़ गई है, जिसके बाद उन्हें कोट्टायम मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। जॉर्ज को पाला सब-जेल में ट्रांसफर करने से पहले आयोजित एक नियमित मेडिकल जांच के दौरान उनकी ईसीजी में असामान्यता पाई गई। इससे पहले एराटुपेट्टा कोर्ट ने जॉर्ज की जमानत याचिका खारिज कर दी थी और 10 मार्च तक उन्हें रिमांड पर रखने का आदेश दिया, यानी कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की रिमांड पर भेजा। कोर्ट ने शुरू में जॉर्ज को शाम 6 बजे तक पुलिस हिरासत में रखा था, जबकि अभियोजन पक्ष ने दो दिन की हिरासत अवधि मांगी थी। हालांकि, कोर्ट ने केवल चार घंटे की हिरासत को मंजूरी दी और निर्देश दिया कि यह अवधि समाप्त होने के बाद जॉर्ज को फिर से मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाए। जॉर्ज ने जनवरी में एक टेलीविजन बहस के दौरान मुसलमानों के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी की थी, जिसके बाद मुस्लिम यूथ लीग के एक नेता ने शिकायत दर्ज कराई थी। चैनल पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा था, 'मैं एराटुपेट्टा में बैठकर यह कह रहा हूं। यहां की 40,000 की आबादी में से 38600 मुसलमान हैं। इस दुनिया में कहीं भी आप जैसी (मुस्लिम) विवेकहीन सांप्रदायिक ताकतें नहीं हैं। क्या आपके पास विवेक है? क्या आप दूसरे धार्मिक समूहों के लोगों के प्रति नरम रुख रखते हैं? आपको हमारे द्वारा दिखाई जाने वाली विविधता से बारे में सीखना चाहिए।'

उन्होंने आगे कहा, 'क्या हम यह कह रहे हैं कि किसी भी मुसलमान को मार दिया जाना चाहिए? अगर आप मुसलमान हैं, तो आप सांप्रदायिक हैं। यह ऐसा ही हो गया है। आपको भारत नहीं बल्कि पाकिस्तान चाहिए। पाकिस्तान चले जाओ।' एराटुपेट्टा पुलिस ने बाद में उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और केरल पुलिस अधिनियम की विभिन्न धाराओं बीएनएस 196 (1) ए, 299 और 120 (ओ) के तहत मामला दर्ज किया गया। वहीं, जब पीसी जॉर्ज को पुलिस गिरफ्तार करने करने उनके घर पहुंची तो वह मजूद नहीं थे। पुलिस ने पहले भी उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की थी, लेकिन उन्होंने कोर्ट में पेश होने के लिए दो दिन का समय मांगा था। जॉर्ज ने पहले एक फेसबुक पोस्ट के जरिए अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे बिना शर्त अपने उस जवाब को वापस लेते हैं।

हाशिम बाबा की पत्नी जोया खान की बढ़ीं मुश्किलें, नादिर शाह मर्डर केस में पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने नादिर शाह की हत्या के मामले में हाशिम बाबा की पत्नी जोया खान को गिरफ्तार किया। स्पेशल सेल ने नादिर शाह की हत्या के मामले में पूछताछ के लिए रिमांड की मांग की थी। वहीं अब पुलिस को तीन दिन की रिमांड मिली है। इससे पहले बुधवार को स्पेशल सेल की टीम ड्रग्स के मामले में जोया खान की गिरफ्तारी की थी। दरअसल दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 19 फरवरी को जोया खान को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया था। अब नादिर शाह मर्डर केस में भी जोया की मुश्किलें बढ़ गई हैं। स्पेशल सेल ने 2024 नादिर शाह हत्याकांड केस में भी जोया खान को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दावा किया कि उन्हें नादिर शाह मर्डर केस में बड़ी साजिश का पर्दाफाश करना है और अपराध में जोया खान की भूमिका स्थापित करनी है। वहीं हत्या में शामिल आरोपी सद्दाम और सलमान को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। साथ ही पुलिस का लक्ष्य अपराध में इस्तेमाल हथियारों को भी बरामद करना है। सभी आरोपी ऐप-आधारित एन्क्रिप्टेड कॉल के माध्यम से बातचीत कर रहे थे। वहीं जोया खान के वकील की दलील है कि गिरफ्तार किए गए किसी भी आरोपी के खुलासे में उसका नाम नहीं बताया गया। उन्होंने यह भी बताया कि जांच एजेंसी द्वारा बुलाए जाने पर जोया दो बार जांच में शामिल हुई थीं। जोया खान ने कहा कि मेरा एकमात्र अपराध यह है कि मैं हाशिम बाबा की पत्नी हूं। मैं उनके खिलाफ पिछले किसी भी मामले में शामिल नहीं हूं।

लैंड फॉर जॉब स्कैम में लालू परिवार को बड़ा झटका

तेजस्वी और बाकी नामजद आरोपियों को कोर्ट ने भेजा समन

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। लैंड फॉर जॉब स्कैम में लालू यादव के परिवार को बड़ा झटका लगा है। लालू, तेजस्वी और बाकी नामजद आरोपियों को कोर्ट ने समन भेजा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेज प्रताप यादव, तेजस्वी यादव और बेटी हेमा यादव को जमीन के बदले नौकरी घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में तलब किया है।

30 सरकारी अधिकारियों समेत 78 लोग नामजद

कोर्ट ने लालू के छोटे बेटे और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को भी नया समन जारी किया और उन्हें 11 मार्च को पेश होने को कहा है। भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई की अंतिम चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने समन जारी किया है। एजेंसी ने इस मामले में 30 सरकारी अधिकारियों समेत 78 लोगों को नामजद किया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच किए जा रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू यादव और उनके दो बेटों को पहले ही जमानत मिल चुकी है।

क्या है लैंड फॉर जॉब स्कैम?

लैंड फॉर जॉब स्कैम 2004 से 2009 के बीच लालू प्रसाद के केंद्रीय रेल मंत्री के कार्यकाल से जुड़ा है। सीबीआई का मामला केंद्रीय रेलवे में ग्रुप डी की नौकरियों में नियुक्ति के बदले में राजद प्रमुख और उनके परिवार के सदस्यों को सस्ते दरों पर जमीन के हस्तांतरण से संबंधित है।

सीबीआई ने मई 2022 में दर्ज किया था मामला

सीबीआई ने मई 2022 में लालू प्रसाद यादव, उनके बेटों और बेटियों और पत्नी एवं पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। तब से ही लालू प्रसाद यादव के परिवार के खिलाफ लैंड फॉर जॉब स्कैम मामले में कोर्ट में सुनवाई और सीबीआई पूछताछ कर रही है।

कोलकाता ही नहीं, देश के इन राज्यों में भी लगे भूकंप के झटके, घरों से निकले लोग

कोलकाता, 25 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में आज सुबह सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। इसके साथ ही ओडिशा और झारखंड के भी कुछ जिलों में आज सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का प्रभाव समुद्र के अंदर था जिसकी वजह से जमीनी सतह पर इसका प्रभाव कम देखा गया। जानकारी के मुताबिक भूकंप की तीव्रता 5.1 बताई गई है। भूकंप से किसी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है लेकिन भूकंप की दहशत से लोग घरों से बाहर निकलकर भागे। भूकंप समुद्र के अंदर आने से समुद्र के किनारे रहने वाले लोगों में भय का माहौल है। कोलकाता में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, लेकिन भूकंप कुछ पलों तक महसूस किया गया। भूकंप के झटके विशेष रूप से ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर, पुरी, पारादीप, बारीपदा, संबलपुर, अनुगुल, केंद्रापड़ा, जगतसिंहपुर और बालेश्वर में महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई है। भूकंप का केंद्र बंगाल की खाड़ी में बताया गया है। कहा जा रहा है कि भूकंप के झटके आज सुबह भारत समेत बांग्लादेश के कई हिस्सों में महसूस किए गए। ओडिशा में भूकंप का केंद्र पुरी से 286 किमी और बरहमपुर से 394 किमी दूर बताया गया है। झारखंड की राजधानी रांची में सुबह 6 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि यहां की भूकंप की तीव्रता का रिकॉर्ड अभी सामने नहीं आया है और ना ही इस भूकंप से अभी तक किसी तरह के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। भूकंप का झटका महसूस होते ही लोग घरों से बाहर निकल आए। आईएमडी के अधिकारी ने बताया कि भूकंप का केंद्र अक्षांश 19.52 उत्तर और 88.55 पूर्वी देशांतर पर महसूस किया गया। भूकंप से फिलहाल लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है लेकिन सावधान रहने की जरूरत है।

यूनियन कार्बाइड मामले में कल होगी अगली सुनवाई

इसी दिन से पीथमपुर में जलना है कचरा अब पहले क्रम में होगी एससी में सुनवाई

इंदौर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। मंगलवार को यूनियन कार्बाइड के कचरे को जलाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई एक बार फिर आगे बढ़ गई। अब 27 फरवरी को पहले क्रम में इस मामले की सुनवाई होगी। इससे पहले, राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट में यह बताना था कि यदि पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड का कचरा जलाने के दौरान कोई घटना होती है तो उसके पास क्या इंतजाम हैं और उसने इसके लिए क्या तैयारी की है। हालांकि, न्यायमूर्ति के अवकाश पर होने के कारण सुनवाई स्थगित कर दी गई।

इसके बाद, याचिकाकर्ता ने तुरंत ही शीघ्र सुनवाई के लिए आवेदन दे दिया। 17 फरवरी को हुई सुनवाई में कोर्ट ने सरकार से इस संबंध में विस्तृत जवाब मांगा था। याचिकाकर्ता चिन्मय मिश्र ने बताया कि सोमवार को सरकार को अपना जवाब पेश करना था, लेकिन न्यायमूर्ति बी।आर। गवई के अवकाश पर होने के कारण सुनवाई टल गई। हमने तत्काल ही शीघ्र सुनवाई का आवेदन प्रस्तुत कर दिया था। जस्टिस बी।आर। गवई और जस्टिस आगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के 3 दिसंबर 2024 और 6 जनवरी 2025 के आदेशों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गई थी। याचिकाकर्ता चिन्मय मिश्र ने एडवोकेट सर्वम ऋतम खरे के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा कि वह पीथमपुर में 337 टन खतरनाक रासायनिक कचरे के निस्तारण को लेकर चिंतित हैं। निस्तारण स्थल से एक किलोमीटर के दायरे में कम से कम चार-पांच गांव स्थित हैं। इन गांवों के निवासियों का जीवन और स्वास्थ्य अत्यधिक जोखिम में है। यह उल्लेखनीय है कि 'गंभीर नदी' औद्योगिक क्षेत्र के बगल से बहती है और 'यशवंत सागर बांध' को पानी उपलब्ध कराती है।

पीथमपुर पहुंचे पटवारी और हरीश चौधरी

मंगलवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नवनियुक्त कांग्रेस कमेटी प्रभारी हरीश चौधरी पीथमपुर पहुंचे। मीडिया से बातचीत में पटवारी ने यूनियन कार्बाइड के कचरे को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। पटवारी ने मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वे कंपनी के आसपास के इलाकों में पानी की सैंपलिंग करवाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा न्यायालय की आड़ में भोपाल गैस त्रासदी का कचरा पीथमपुर में जलाना चाहती है।

उन्होंने दावा किया कि जांच में गंभीर बीमारियों के कीटाणु मिलेंगे। पटवारी ने कहा कि पीथमपुर और इंदौर के लोगों ने भाजपा को वोट दिया, लेकिन भाजपा उन्हें यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा दे रही है।

पढ़ाई के दौरान चला रही थी मोबाइल, मां ने छीना तो घर से भागी

रीवा, 25 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है, यहां की एक दसवीं की छात्रा ने अपनी मां की डांट के बाद घर छोड़ दिया। वह घर से भागकर अपने एक सहपाठी के साथ ट्रेन में बैठ गई, जिन्हें बाद में दोनों को खंडवा स्टेशन पर रेलवे पुलिस ने पकड़ लिया। इसके बाद उनसे पूछताछ की और फिर दोनों नाबालिग को पैरेंट्स को सुपुर्द कर दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, छात्रा परीक्षा की तैयारी के दौरान मोबाइल फोन पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रही थी। उसकी मां ने उसे मोबाइल इस्तेमाल करते देख डांट लगाई और फोन छीन लिया। इससे नाराज होकर छात्रा घर से भाग गई। छात्रा करीबन 12-13 किलोमीटर दूर पैदल चली और फिर अपने एक दोस्त को कॉल किया। इसके बाद छात्रा अपने दोस्त को फोन कर उसके साथ ट्रेन में बैठ गई। दोनों के पास पैसे कम थे तो दोनों बिना टिकट यात्रा कर रहे थे, तभी टीटीई ने उन्हें खंडवा स्टेशन पर पकड़ लिया।

मुंबई में अगले 2 दिन हीटवेव की चेतावनी: तापमान 38 तक जाएगा

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र और गुजरात में गर्मी का यलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक मुंबई और आसपास के इलाकों में मंगलवार और बुधवार को हीटवेव यानी भारी गर्मी पड़ सकती है। तापमान 37 से 38 डिग्री तक जाएगा। यह सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस अधिक है। लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 4 दिनों में 11 राज्यों में गर्मी बढ़ेगी। इनमें महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, दादरा नगर हवेली, दमन एवं दीव के अलावा जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड शामिल हैं। दिल्ली का तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ है। बीते दिन शहर का अधिकतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा है। इसके अलावा कोंकण, गोवा और तटीय कर्नाटक के अलग-अलग इलाकों में 28 फरवरी तक गर्म और उमस भरी स्थिति बनी रह सकती है। श्रीनगर में मौसम विज्ञान केंद्र ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में 26 से 28 फरवरी के बीच कई स्थानों पर बारिश या बर्फबारी की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के अनुसार, श्रीनगर शहर में तापमान 4.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 1 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों में पिछले 24 घंटों से लगातार बर्फबारी हो रही है। पर्यटकों का पसंदीदा हिल रिसॉर्ट कुफरी में भी हल्की बर्फबारी हुई है। पर्यटन के दावा बागवानी से जुड़े लोग इससे खुश हैं। उधर, मध्यप्रदेश में हल्की ठंड ने फिर से दस्तक दी है। पिछले 3 दिन से दिन और रात के पारे में 2 से 5 डिग्री तक की गिरावट हुई है। भोपाल में सोमवार को बादल छाए रहे, जबकि पचमढ़ी की रात सबसे ठंडी रही। इसके बाद भी पारे में 2 से 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

2030 तक 143 अरब डॉलर होगी असम की इकोनॉमी

इस साल 15.2% होगी राज्य की जीडीपी ग्रोथ: हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी, 25 फरवरी (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि 2030 तक असम की अर्थव्यवस्था 143 अरब डॉलर की हो जाएगी। उन्होंने निवेशकों से राज्य की विकास यात्रा हिस्सा बनने का आग्रह भी किया। गुवाहाटी दो दिनों तक चलने वाले 'एडवांटेज असम 2.0 इंवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर समिट 2025' के उद्घाटन समारोह में शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य अब ''सबसे अशांत'' से ''सबसे शांत'' राज्य बन गया है। उन्होंने दावा किया, '' इस साल राज्य की जीडीपी ग्रोथ 15.2 प्रतिशत होगी। ये 2030 तक 143 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।'' शर्मा ने 60 से ज्यादा देशों के मिशन प्रमुखों और राजदूतों, विदेशी व्यापार प्रतिनिधिमंडलों और देश के उद्योग जगत के नेताओं की मौजूदगी में कहा, '' मैं आज आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि हम असम में इंडस्ट्री की स्थापना के लिए सबसे अच्छा काम और अनुकूल माहौल सुनिश्चित करेंगे। कृपया यहां आएं और निवेश करें।'' उन्होंने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के केंद्र की सत्ता में आने के बाद से राज्य में पुनरुत्थान देखा गया है। उन्होंने कहा, '' आजादी के बाद असम की अर्थव्यवस्था में गिरावट शुरू हो गई क्योंकि व्यापार संबंध बाधित हो गए। असम ने दशकों तक आंदोलन और उग्रवाद देखा। 2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में असम का पुनर्जन्म हुआ। एक समय सबसे अशांत राज्य, असम आज सबसे शांत राज्यों में से एक बन गया।'' शर्मा ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार सभी राज्यों को निवेश आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

लुधियाना में पति ने पहले अपनी पत्नी को खिलाया खाना, फिर साथ डांस किया, बाद में कर दिया कांड!

लुधियाना, 25 फरवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने महिला की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए महिला के पति समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। 1 आरोपी की गिरफ्तारी अभी बाकी है। पुलिस कमिश्नर ने इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए बताया कि पति अल्लोक मित्तल ने ही यह साजिश रची थी। उन्होंने बताया कि आरोपी की प्रेमिका को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि कल मृतक के शव को डीएमसी में रखकर जिस तरह से कुछ लोगों ने पूरा माहौल बनाया। उन्होंने कहा कि हमारी टीम ने बड़ी मेहनत से इस रहस्य को सुलझाया है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि आरोपी ने अपनी पत्नी को ढाई लाख रुपये में सुपारी दी थी।

'फिक्सर मंजूर नहीं, कोई नाराज होता है तो हो जाए' आखिर अपने ही मंत्री पर क्यों भड़के फडणवीस?

मुंबई, 25 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत में पिछले कई सालों से उठा-पटक चल रही है। पक्ष-विपक्ष तो एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करते रहते हैं लेकिन कई बार मंत्री व सरकार में शामिल पार्टियों के नेता भी एक-दूसरे से नाराजगी जाहिर करते रहते हैं। ऐसे ही एक बार फिर महाराष्ट्र के सीएम व उनकी सरकार के मंत्री एक-दूसरे से नाराज दिख रहे हैं। जी हम कर रहे हैं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे की। महायुती सरकार में मंत्रियों के ओएसडी और पीएस का विवाद उस समय खड़ा हो गया, जब कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे ने कहा कि महायुती सरकार में हमें कोई अधिकार प्राप्त नहीं है, हमारे निजी सचिव और ओएसडी भी मुख्यमंत्री तय करते हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में सियासत ने जोर पकड़ लिया और फिर इसका जवाब देने के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस खुद आगे आए और जवाब देते हुए कहा कि पीएस और ओएसडी की नियुक्तियां मुख्यमंत्री ही करते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि किसी भी कीमत पर वह किसी फिक्सर की नियुक्ति नहीं होने देंगे।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कृषि मंत्री कोकाटे नसीहत देते हुए कहा कि संभवतः उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि मंत्रियों के पीएस ,ओएसडी की नियुक्ति का अधिकार मुख्यमंत्री का है, मंत्रियों को अपनी ओर से प्रस्ताव भेजने का काम है, पर अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री करते हैं। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई नाराज हुआ तो चलेगा, लेकिन फिक्सर की नियुक्ति नहीं की जाएगी। हाल ही में उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान भी कहा था कि मंत्री अपने पसंद के अनुसार पीएस और ओएसडी की नियुक्ति के लिए नाम उनके पास भेज सकते हैं, लेकिन जिनके नाम फिक्सर और गलत कामों में लिप्त है, वह ऐसे नाम को किसी हालत में मंजूरी नहीं दे सकते।

16 नाम है दागी

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उनके पास अब तक ओएसडी और पीएस की नियुक्ति के लिए 125 नाम का प्रस्ताव आया था, जिनमें से उन्होंने 109 नाम को मंजूरी दे दी है, बाकी 16 नाम को उन्होंने मंजूरी नहीं दी, क्योंकि इन लोगों के खिलाफ कोई न कोई आरोप है। उनके खिलाफ जांच चल रही है, अथवा मंत्रालय में ऐसे लोगों की पहचान फिक्सर के रूप में है, इसलिए कोई नाराज होगा तब भी ऐसे नाम को मंजूरी नहीं देंगे।

सुविचार
"जीवन में हम कितने सही और कितने गलत हैं ये केवल दो ही लोग जानते हैं, परमात्मा और अपनी अंतरात्मा"

तेलंगाना टनल हादसा : 584 लोगों की रेस्क्यू टीम

इनमें सिल्क्यारा टनल में 41 को बचाने वाले 12 रैट माइनर्स भी

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद से 132 किमी दूर नागरकुर्नूल में बन रही 42 किमी की दुनिया की सबसे लंबी पानी की टनल में 8 कर्मचारियों को फंसे लगभग 80 घंटे से ज्यादा बीत चुके हैं। 584 लोगों की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी है। इसमें सेना, नौसेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईआईटी चेन्नई और लार्सन एंड टूब्रो कंपनी के एक्सपर्ट्स शामिल हैं। लेकिन अब तक फंसे हुए कर्मचारियों से कोई संपर्क नहीं हो पाया है।

इसके बाद अब यह काम 12 रैट माइनर्स (चूहों की तरह खदान खोदने वाले मजदूर) को सौंपा गया है।

इन्होंने ही 2023 में उत्तराखंड की सिल्क्यारा टनल में फंसे 41 मजदूरों को सही-सलामत बाहर निकाला था। 6 रैट माइनर्स की एक टीम सोमवार दोपहर को पहुंच चुकी है। 6 लोगों की बाकी टीम कल (बुधवार) पहुंचेगी। अभी यह टीम अंदर जाकर सिर्फ हालात का जायजा लेगी।

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के साथ रैट माइनर्स टीम की मीटिंग के बाद रेस्क्यू शुरू होगा। पानी की वजह से रेस्क्यू में ज्यादा वक्त लग सकता है। सिलक्यारा टनल में सूखे मलबे की वजह से ज्यादा दिक्कत नहीं हुई थी।

नौसेना के जवान इस काम में रैट माइनर्स टीम की मदद करेंगे। ये आईआईटी चेन्नई के स्पेशल पुश कैमरे और रोबोट की मदद से खुदाई का सही रास्ता बताएंगे। श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल टनल का एक हिस्सा 22 फरवरी को ढह गया था।

बचाव दल ने रविवार को ही रेस्क्यू की कोशिशें शुरू कर दी थीं। रेस्क्यू टीम ने टनल में हादसे की जगह का निरीक्षण किया था। अंदर जाने का कोई रास्ता न होने पर वह लौट आई थी।

सोमवार को एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के जवानों ने 50-50 हॉर्स पावर के 5 पंपों से पानी निकालकर ट्रेन ट्रैक बिछाया। साथ ही टनल में रोशनी की व्यवस्था भी की। टीम मलबे के करीब पहुंच चुकी है। रेस्क्यू टीम ने सोमवार सुबह मलबे के पास पहुंचकर करीब आधे घंटे तक कर्मचारियों का नाम लेकर आवाज लगाई, लेकिन दूसरी तरफ से कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला था। तेलंगाना सरकार के मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा था कि हमारी कोशिशें जारी हैं लेकिन कर्मचारियों के बचने की संभावना कम है।

हैदराबाद शिवरात्रि के लिए तैयार

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को शिवरात्रि उत्सव के लिए सिर्फ एक दिन शेष रहने के साथ , हैदराबाद और जिलों के शिव मंदिरों को सजाया जा रहा है, क्योंकि मंदिर समितियां भक्तों की आमद को प्रबंधित करने के लिए अंतिम समय की व्यवस्थाओं को पूरा करने के लिए समय पर काम कर रही हैं। स्थानीय बाजारों में चहल-पहल है और खुदरा विक्रेता बुधवार की बिक्री के लिए बड़ी मात्रा में फल और फूल जमा कर रहे हैं। हैदराबाद में कॉलोनियों के पास स्थित लगभग सभी प्रमुख चौराहों पर तरबूज, सेब, संतरे, अमरूद, अंगूर और विभिन्न प्रकार के फूलों सहित फलों की भरमार है, जिनकी बुधवार को भारी मांग रहेगी।

केसरगुट्टा के प्रमुख शिव मंदिरों और यहां तक कि वेमुलावाड़ा के श्री राज राजेश्वर स्वामी मंदिर में भी पंडालों के निर्माण और भक्तों के लिए पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने सहित व्यवस्थाओं को पूरा करने के लिए तीव्र गतिविधि चल रही है।

बाल तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ 4 बचाए गए, 11 गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने मंगलवार को एक अंतरराज्यीय बाल तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 11 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने चार शिशुओं को बचाया। गिरफ्तार किए गए लोगों में कोला कृष्णावेनी, बट्टू दीप्ति, गौतम सवित्री, बट्टू श्रवण कुमार, अमगोथ शारदा, बुदिधि संपत कुमार, ओगुति नागा वेंकट पवन भगवान, ओगुती रामा श्रावणी, तेप्पाला विनय कुमार, तेप्पाला स्वाति और लिंगाला रमेश शामिल हैं।

राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने कहा कि मामले की मुख्य संदिग्ध कृष्णावेणी गुजरात की वंदना नामक महिला से शिशुओं का प्रबंध कर रही थी और एजेंटों की एक श्रृंखला के माध्यम से उन्हें दोनों तेलुगू राज्यों में निःसंतान दम्पतियों को बेच रही थी।

राचकोंडा के सीपी सी सुधीर बाबू ने बताया कि कृष्णवेनी वंदना को लड़की के लिए 1.5 लाख रुपये और लड़के के लिए 2.5 लाख रुपये देती थी और दीप्ति और सावित्री के माध्यम से बच्चों को शहर में भेजती थी। बाद में वे आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लोगों को ऊंचे दामों पर शिशुओं को बेच रहे थे। हाल ही में, कृष्णवेनी ने दो लड़कियों और दो लड़कों का इंतजाम किया और उन्हें अलग-अलग परिवारों को बेच दिया।

एक गुप्त सूचना के आधार पर राचकोंडा पुलिस के विशेष अभियान दल ने चैतन्यपुरी में गिरोह के कुछ सदस्यों को पकड़ लिया और उनसे प्राप्त जानकारी के आधार पर शेष सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अहमदाबाद की वंदना की तलाश कर रही है। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त ने कहा कि वंदना के पकड़े जाने के बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि शिशुओं को चुराकर हैदराबाद लाया गया था या उनके माता-पिता ने उन्हें जानबूझकर बेचा था। कृष्णवेणी को पहले भी इसी तरह के अपराधों के लिए पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

उस्मानिया विश्वविद्यालय ने जारी की अधिसूचना

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय ने मंगलवार को शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए तीन वर्षीय और पांच वर्षीय लॉ डिग्री कार्यक्रमों और एलएलएम पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तेलंगाना लॉ कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी एलएडब्ल्यूसीईटी) और पीजी लॉ कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (पीजीएलसीईटी) 2025 की अधिसूचना जारी की। बिना विलम्ब शुल्क के ऑनलाइन आवेदन 1 मार्च से 15 अप्रैल के बीच किये जा सकेंगे।

500 रुपये और 1,000 रुपये की विलम्ब फीस के साथ पंजीकरण की अंतिम तिथि क्रमशः 25 अप्रैल और 5 मई है। 2,000 रुपये और 4,000 रुपये की विलम्ब फीस के साथ आवेदन क्रमशः 15 और 25 मई तक स्वीकार किए जाएंगे। अभ्यर्थी 20 से 25 मई के बीच अपने पहले से जमा किए गए आवेदन पत्र में संशोधन कर सकते हैं। हॉल टिकट 30 मई से डाउनलोड के लिए उपलब्ध होंगे। प्रवेश परीक्षा 6 जून को आयोजित की जाएगी और प्रारंभिक कुंजी 10 जून को जारी की जाएगी।

ड्रग तस्करी करने वाला गिरोह गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स (उत्तर) की टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर मंगलवार को सिकंदराबाद के जेम्स स्ट्रीट रेलवे स्टेशन पर ड्रग तस्करी के आरोप में सात लोगों को पकड़ा। दो ड्रग उपभोक्ताओं को भी पकड़ा गया। अधिकारियों ने 2.4 लाख रुपये की कीमत का 8 किलोग्राम गांजा जब्त किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में मर्रेडपल्ली निवासी मुख्य ड्रग तस्कर और राउडीशीटर टी संजय, मर्रेडपल्ली निवासी राउडीशीटर और ड्रग तस्कर टी पवन, यप्रल निवासी जे दीपांशु कुमार, शमीरपेट निवासी डी किरण कुमार, शमीरपेट निवासी के नवीन कुमार, अलवाल निवासी एम कृष्णा रोहित कुमार और बालाजी नगर निवासी एम जोएल वंशिका शामिल हैं।

ड्रग उपभोक्ताओं में नेरेडमेट के टी हर्षवर्धन और तुकारामगेट के डी दीक्षित साई कुमार शामिल हैं। फरार संदिग्ध सुब्बा राव है, जो आंध्र प्रदेश के अराकू का मुख्य ड्रग सप्लायर है। पुलिस के अनुसार, संजय और पवन चचेरे भाई हैं और मर्रेदपल्ली के बदमाश हैं तथा पहले भी आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। पवन के खिलाफ एक गैर-जमानती वारंट लंबित है। संजय ने अराकू में ज्ञात स्रोतों से गांजा खरीदने और इसे हैदराबाद में उपभोक्ताओं को उच्च दर पर बेचने और पैसा कमाने की योजना बनाई थी।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि संजय ने अपनी योजना पवन और अन्य संदिग्धों के साथ साझा की, जिन्होंने प्रत्येक ड्रग तस्करी खेप के लिए कमीशन के रूप में कुछ राशि प्राप्त करके उसका समर्थन करने पर सहमति व्यक्त की। अपनी योजना के अनुसार, गिरोह ने आंध्र प्रदेश से गांजा खरीदा और उसे हैदराबाद में तस्करी करके उपभोक्ताओं, खासकर युवाओं और छात्रों को ऊंचे दामों पर बेचा। एक गुप्त सूचना के बाद गिरोह का भंडाफोड़ किया गया और उसे पकड़ लिया गया। तस्करी का सामान जब्त कर लिया गया।

पब में पूर्व प्रेमी ने किया महिला पर हमला

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स के एक पब में 30 वर्षीय महिला पर उसके प्रेमी ने हमला किया। पुराने शहर की रहने वाली महिला अपने पुरुष मित्र के साथ जुबली हिल्स रोड नंबर 10 स्थित इल्यूजन पब में आई थी, जहां संदिग्ध और उसके पूर्व साथी मोहम्मद आसिफ जानी ने उससे और उसके दोस्त से बहस की। जानी, जो महिला से दुश्मनी रखता था, ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और मारपीट की। उसे मामूली चोटें आईं और उसके पुरुष मित्र, जो उसे बचाने आया था, पर भी हमला किया गया। पब में मौजूद निजी सुरक्षा कर्मियों और अन्य मेहमानों ने घटना को देखा और उसे बचाने के लिए दौड़े। उन्होंने उसे काबू में किया और पुलिस को सूचित किया। जुबली हिल्स पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मेडिकल दुकानों पर दवा छूट नियमों का उल्लंघन

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में पंजीकृत मेडिकल फार्मेसियां और दवा दुकानें ग्राहकों को दवाओं पर 20 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक की छूट देने वाले साइन बोर्ड और विज्ञापन प्रदर्शित करके खुलेआम नियमों का उल्लंघन कर रही हैं। अक्सर, ये छूट सभी दवाओं पर नहीं दी जाती, जिससे दवा की दुकानों में बचत की उम्मीद में आने वाले ग्राहक निराश और ठगे जाते हैं। मेडिकल दुकानों के सामने बोर्ड और बैनर के ज़रिए दवा छूट का ऐसा विज्ञापन फ़ार्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन (पीपीआर) 2015 का उल्लंघन है, जो इस प्रथा पर रोक लगाता है।

औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 भी भ्रामक विज्ञापनों पर रोक लगाता है तथा उल्लंघनकर्ताओं पर जुर्माना एवं संभावित लाइसेंस निलंबन सहित कठोर दंड लगाता है। इस तरह के साइन बोर्ड और विज्ञापन लगाने का मतलब है कि दवा की दुकानें, जो फार्मासिस्ट के प्रमाण पत्र के आधार पर पंजीकृत हैं, अनैतिक रूप से ग्राहकों को लुभाने का प्रयास कर रही हैं।

फार्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन में कहा गया है कि पंजीकृत फार्मासिस्ट को लाभ के उद्देश्य से मरीजों को लुभाने या उनका प्रचार करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। पंजीकृत फार्मासिस्टों को मेडिकल शॉप के बाहर बोर्ड और साइन के माध्यम से दवाओं पर छूट का विज्ञापन करने की अनुमति नहीं है क्योंकि ऐसी प्रथाओं से मरीज भ्रमित हो सकते हैं।

हैदराबाद के वरिष्ठ फार्माकोलॉजिस्ट डॉ. अकुला संजय रेड्डी कहते हैं कि हैदराबाद में मेडिकल दुकानों के सामने दवाओं पर 80 प्रतिशत तक की छूट का विज्ञापन देना आम बात हो गई है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई विनियमन नहीं है, क्योंकि मेडिकल दुकानें ग्राहकों को आकर्षित करने और दवाइयाँ बेचने के लिए अनैतिक तरीकों का इस्तेमाल करती हैं। ये कार्य अनुचित व्यापार प्रथाओं का गठन करते हैं, जिन पर डीसीए और फार्मेसी काउंसिल जैसे नियामक प्राधिकरणों द्वारा बारीकी से निगरानी की जानी चाहिए।

डॉ. संजय रेड्डी बताते हैं कि मेडिकल दुकानों द्वारा दवाओं पर भारी छूट देने की प्रथा पर रोक लगाने से हैदराबाद और तेलंगाना राज्य के जिलों में घटिया और नकली दवाओं के प्रवाह पर भी रोक लगेगी। पीपीआर के अध्याय % में कहा गया है कि पंजीकृत फार्मासिस्ट या पंजीकृत फार्मासिस्टों के समूह या संस्थाओं या संगठनों द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मरीजों की मांग करना अनैतिक है। पीपीआर में कहा गया है कि पंजीकृत फार्मासिस्ट को अकेले या दूसरों के साथ मिलकर किसी भी तरह से विज्ञापन या प्रचार के किसी भी रूप या तरीके के विषय के रूप में खुद या अपने नाम का उपयोग नहीं करना चाहिए।

नौकरी धोखाधड़ी के आरोप में यूपी का आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर अपराध अधिकारियों ने दुबई में नौकरी का वादा करके नौकरी चाहने वालों को धोखा देने के आरोप में उत्तर प्रदेश से धर्मेंद्र कुमार उर्फ रोहन (30) को गिरफ्तार किया। धर्मेंद्र ने नई दिल्ली में एक कॉल सेंटर खोला और अपने साथियों की मदद से लोगों को ठगा। जांच के दौरान पता चला कि वह हैदराबाद के एक मामले सहित पूरे भारत में पांच मामलों में शामिल था।

हाल ही में जालसाजों ने अंबरपेट के 49 वर्षीय एक व्यक्ति को 15.8 लाख रुपए का चूना लगाया। उन्होंने पीड़ित से फाइल को आंतरिक रूप से प्रोसेस करने के लिए पैसे मांगे। इस पर विश्वास करके उसने पैसे दे दिए और ठगी का शिकार हो गया।

पुलिस के अनुसार, धोखेबाजों ने नौकरी के इच्छुक लोगों को आकर्षित करने के लिए लोकप्रिय जॉब पोर्टल, सोशल मीडिया या कंपनी की वेबसाइट पर फर्जी जॉब पोस्टिंग पोस्ट की। पीड़ितों को प्रतिष्ठित कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले स्कैमर्स से अनचाहे कॉल, संदेश या ईमेल प्राप्त होते हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि ये घोटालेबाज पेशेवर भाषा और लहजे का इस्तेमाल करते हैं और पीड़ितों के साथ विश्वास बनाने के लिए फर्जी साक्षात्कार या मूल्यांकन भी करते हैं। वे वैध दिखने के लिए लिंक्डइन और अन्य जॉब पोर्टल पर फर्जी कर्मचारी प्रोफाइल बनाते हैं। इसके बाद घोटालेबाज पीड़ितों से बैंक खाता संख्या, क्रेडिट कार्ड विवरण और व्यक्तिगत दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पासपोर्ट या सामाजिक सुरक्षा नंबर मांगते हैं और उन्हें ठग लेते हैं।

नोएडा स्पोर्ट्स सिटी में 9000 करोड़ का घोटाला

हाईकोर्ट ने दिए सीबीआई और ईडी से जांच के आदेश, बड़े बिल्डरों को दी गई थी जमीन

नोएडा, 25 फरवरी (एजेंसियां)। नोएडा के स्पोर्ट्स सिटी में 9000 करोड़ के घोटाले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीबीआई और ईडी को जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही कहा कि बिल्डरों, कंसोर्टियम और नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के खिलाफ भी जांच किए जाएं। न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने नोएडा में 4 स्पोर्ट्स सिटी परियोजनाओं में से तीन को कवर करते हुए 10 अलग-अलग फैसले दिए। साथ ही उन्होंने फैसले पर पूरे स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट को भ्रष्टाचार की टेस्ट बुक का स्पेशल उदाहरण बताया। कोर्ट ने लैंड यूज वायलेशन, वित्तीय अनियमितता, दिवालिया कार्यवाही और स्पोर्ट सुविधाओं का पूरा न होने सहित कई अन्य पहलुओं की जांच करने के आदेश दिए। कोर्ट ने कहा- अब सीबीआई को जांच सौंपने के अलावा कोई रास्ता नहीं है।

चार सेक्टर में 3 डेवलपर्स पर सवाल

कोर्ट ने कहा- नोएडा प्राधिकरण से महत्वपूर्ण लाभ और रियायतें लेने के बाद भी डेवलपर्स ने अनिवार्य खेल सुविधाओं को बनाने की बजाए केवल व्यवसायिक विकास पर ध्यान केंद्रित किया। ये ऑर्डर सेक्टर 78, 79 और 101 में स्पोर्ट्स सिटी परियोजनाओं से संबंधित हैं। जहां जनाडु एस्टेट प्रमुख डेवलपर है। सेक्टर 150 में 2 स्पोर्ट्स सिटी परियोजनाएं जिसे लॉजिक्स इंफ्रा डेवलपर्स और लोटस ग्रीन्स कंस्ट्रक्शन की ओर से विकसित की गईं। वहीं सेक्टर 78-79 में परियोजनाओं के प्रमुख डेवलपर्स और लॉजिक्स की स्पोर्ट्स सिटी परियोजना वर्तमान में दिवालियेपन की कार्यवाही से गुजर रही है। जिसको कोर्ट ने वित्तीय और कानूनी दायित्वों से बचने के लिए एक जानबूझकर रणनीति करार दिया।

राज्य सरकार को वित्तीय अनियमितता की करें जांच

दरअसल, स्पोर्टस सिटी के प्रमुख डेवलपर्स ने याचिका के जरिए नोएडा प्राधिकरण की ओर से लिए जा रहे एक्शन से बचने की मांग कोर्ट से की थी। हाइकोर्ट ने उनके दावों को खारिज कर दिया। साथ ही कहा कि डेवलपर्स मूल योजना के अनुसार परियोजना का निर्माण नहीं कर सके। इन-साल्वेंसी को देनदारी से बचने के लिए ढाल बनाते रहे। इस मामले में नोएडा प्राधिकरण के पास लंबित बकाया वसूलने और कानूनी कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। साथ ही राज्य सरकार को वित्तीय कुप्रबंधन और धोखाधड़ी की आगे की जांच शुरू करनी चाहिए।

सीएजी ने 9000 करोड़ का बताया घोटाला

बता दें सीएजी ऑडिट में स्पोर्ट्स सिटी आवंटन में बड़ी वित्तीय अनियमितता का खुलासा किया था। इससे नोएडा प्राधिकरण और राज्य सरकार को 9000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। ऑडिट में पाया गया कि डेवलपर्स को जमीन कम कीमत पर दी गई। डेवलपर्स ने नोएडा प्राधिकरण को साइड लाइन करते हुए स्वामित्व का अनाधिकृत ट्रांसफर किया गया। लीज प्रीमियम, जुर्माना और ट्रांसफर चार्ज तक नहीं दिए गए। साथ ही खेल के बुनियादी ढांचे के पूरा न होने के बावजूद अधिभोग प्रमाण पत्र जारी किए गए थे।

सीएजी के रिपोर्ट के बाद भी नहीं लिया एक्शन

कोर्ट ने कहा- सीएजी रिपोर्ट 2021 में पब्लिश हुई थी। फिर भी न तो नोएडा प्राधिकरण और न ही राज्य सरकार ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने या बिल्डरों से बकाया वसूलने जैसी कोई कार्रवाई की। केवल डेवलपर्स को भुगतान की मांग के लिए नोटिस भेजा गया था। जिस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। कोर्ट ने नोएडा प्राधिकरण और राज्य के अधिकारियों को उनकी निष्क्रियता और मिलीभगत के लिए फटकार लगाते हुए कहा कि पिछले कुछ सालों में प्राधिकरण में कई बड़े अधिकारी आए और गए लेकिन किसी भी अधिकारी ने चिंता नहीं जताई या घाटे की भरपाई करने का प्रयास नहीं किया।

17 महीने बाद हरदोई जेल से बाहर आए अब्दुल्ला आजम

सामने आई उनकी पहली तस्वीर, अब सीधे रामपुर पहुंचे

हरदोई, 25 फरवरी (एजेंसियां)। करीब 17 महीने बाद 25 फरवरी को समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम हरदोई जेल से रिहा हो गए। बता दें कि पिछले दिनों ही रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने पूर्व सपा विधायक अब्दुल्ला आजम को जमानत दी थी। खबर मिली है कि जेल से रिहा होने बाद अब्दुल्ला हरदोई से रामपुर के लिए रवाना हो गए हैं। इस दौरान मौके पर समर्थकों की भारी भीड़ है। बता दें कि अब्दुल्ला आजम को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। मगर रामपुर कोर्ट में उनके खिलाफ शत्रु संपत्ति का केस चल रहा था। इसी वजह से उनकी जेल से रिहाई अटकी हुई थी। रामपुर पुलिस ने अब्दुल्ला आजम के खिलाफ 2 नई धाराएं जोड़ने की अपील भी की थी। मगर कोर्ट ने रामपुर पुलिस की अपील को खारिज कर दिया था। इसे अब्दुल्ला आजम के लिए बड़ी राहत माना गया था। बीते दिनों रामपुर एमपी-एमएलए कोर्ट के जज शोभित बंसल ने अब्दुल्ला आजम को जमानत दे दी थी, जिससे उनकी रिहाई का रास्ता पूरी तरह से साफ हो गया था।

महाशिवरात्रि पर यूपी पुलिस अलर्ट

सुरक्षा व्यवस्था होगी मजबूत, डीजीपी ने सभी आला अधिकारियों को दिए निर्देश

लखनऊ, 25 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने राज्य के सभी जोनल अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों (एडीजी), आयुक्तों, महानिरीक्षकों (आईजी), उप महानिरीक्षकों (डीआईजी) और जिला पुलिस प्रमुखों को निर्देश जारी किए। इस निर्देश में कहा गया है कि राज्य के सभी आला अधिकारी 26 फरवरी को महाशिवरात्रि और महाकुंभ के लिए प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। निर्देश में यह भी कहा गया है कि, शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए पैदल या विभिन्न वाहनों से जाने वाले कांवड़ियों वाले रास्तों पर विशेष सतर्कता बरती जानी चाहिए। डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा, उनकी सुरक्षा और सुचारू आवाजाही के लिए पर्याप्त पुलिस तैनाती सुनिश्चित की जानी चाहिए। धार्मिक स्थलों पर भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाना चाहिए, जिसमें तोड़फोड़ विरोधी जांच और उचित भीड़ प्रबंधन, लाउडस्पीकर का उपयोग और रणनीतिक बिंदुओं पर क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) की तैनाती शामिल है। एडीजी ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों, स्टेशन हाउस अधिकारियों (एसएचओ) और फील्ड कर्मियों को कांवड़ियों की सुरक्षा के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, कांवड़ मार्गों पर नियमित पुलिस पिकेट और गश्त की व्यवस्था की जानी चाहिए। डायवर्जन की सुविधा के लिए वैकल्पिक यातायात मार्गों को पहले से ही निर्धारित किया जाना चाहिए और किसी भी सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए विशेष पुलिस उपाय किए जाने चाहिए, खासकर रात में।

फिरोज खान ने सीएम योगी की फोटो के साथ लगा दिया नॉनवेज, ऐसा फंसा की जिंदगी भर पछताएगा

मुरादाबाद, 25 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में फिरोज खान नामक युवक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फोटो के साथ छेड़खानी कर दी। अब फिरोज खान की ये हरकत उसपर भारी पड़ गई है। बता दें कि फिरोज ने फोटो में सीएम योगी के मुंह पर नॉनवेज लगा दिया और उसका वीडियो स्टेटस अपने व्हाट्सप्प पर लगा दिया, जिसके बाद ये वायरल हो गया और आरोपी फंस गया। जैसे ही वीडियो वायरल हुई, भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारियों ने थाने पहुंच युवक के खिलाफ तहरीर दी।भाजपा युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष अभिषेक चौबे ने मुकदमा दर्ज कराते हुए आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस मामले में पुलिस ने आरोपी फिरोज खान के खिलाफ बीएनएस की धारा 196, 299, 352 एवं सूचना प्रोधोगिकी (संशोधन) अधिनियम 2008 की धारा-66 के तहत केस दर्ज किया है। भाजपा नेता का आरोप है कि उन्होंने आरोपी को फोन किया और कहा कि वह ये स्टेटस हटा दे। मगर आरोपी ने स्टेटस हटाने से साफ मना कर दिया और कहा कि चाहे तो पुलिस से शिकायत कर दो, उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई की है।

बिहार में बस से मिले 40 लाख के बंद हो चुके नोट, नोटों के मालिक तक पहुंचने में जुटी पुलिस

पटना, 25 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में शराब तस्करी पर शिकंजा कसने के लिए चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान उत्पाद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बलथरी चेकपोस्ट पर एक बस की तलाशी के दौरान पुलिस ने बैग में छिपाकर रखे गए 40 लाख रुपए के पुराने नोट बरामद किए हैं। जब्त किए गए नोटों में 1000 और 500 के प्रतिबंधित नोट शामिल हैं। जिन्हें सरकार पहले ही अमान्य घोषित कर चुकी है। होली के मद्देनजर उत्पाद विभाग और कुचायकोट थाना की टीम यूपी से बिहार आने वाले वाहनों की सख्त जांच कर रही है। इसी दौरान एक बस को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें यात्रियों के बैग की जांच के दौरान पुराने नोटों से भरा एक बैग मिला। सदर एसडीपीओ प्रांजल ने बताया कि बस के ड्राइवर और खलासी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पुराने नोटों की इतनी बड़ी खेप कहां से लाई गई और इसे कहां पहुंचाया जाना था। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि नोटबंदी के इतने साल बाद भी बड़ी मात्रा में पुराने नोट कहां से आ रहे हैं? क्या यह किसी अवैध नेटवर्क का हिस्सा है, या फिर इसे किसी खास मकसद से बिहार लाया जा रहा था। फिलहाल पुलिस जब्त किए गए नोटों की जांच कर रही है

दानिया खान ने सीएम योगी से लगाई बचाने की गुहार

बोलीं- सनातन धर्म अपनाकर मैं बहुत खुश; मुझे परेशान न करें पापा, इंस्ट्राग्राम पर वीडियो किया शेयर

बरेली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। मांग में सिंदूर, गले में मंगलसूत्र और पैरों में बिछिया किया पहने हुए यह दानिया खान है। दानिया ने हिंदू धर्म अपना लिया है और अपने बॉय फ्रेंड हर्षित यादव के साथ शादी कर ली है। दानिया ने इंस्ट्राग्राम पर वीडियो शेयर कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बरेली के एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई है कि हर्षित यादव के परिवार और रिश्तेदार को पुलिस बिल्कुल भी परेशान ना करें। मैं बहुत खुश हूं, मैने अपनी मर्जी से शादी की है। उसने अपने पापा से भी कहा है कि वो अपहरण का मुकदमा वापिस ले ले। बरेली के प्रेमनगर थाना क्षेत्र की दानिया खान का मामला इन दिनों मीडिया की सुर्खियों में है। दानिया खान ने धर्म परिवर्तन कर सनातन धर्म अपना लिया है। उसने हर्षित यादव नाम के लड़के से शादी कर ली है। लेकिन अब उसके परिवार वाले उसकी जान के दुश्मन बने हुए है। इसलिए वो घर से किसी अंजान जगह पर भागे हुए है। जिस वजह से दानिया ने इंस्ट्राग्राम पर वीडियो शेयर कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बरेली के एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई है। उसकी और हर्षित की जान को खतरा बना हुआ है। दानिया ने इंस्ट्राग्राम पर अपनी शादी का वीडियो भी वायरल किया है। जिसमें दानिया और हर्षित दोनों मंदिर के बाहर आते हुए और गले में वरमाला पहने हुए है। जिसमें हर्षित कह रहा है कि हम दोनों ने शादी कर ली है। दानिया ने एक के बाद एक कई वीडियो शेयर किए है। एक वीडियो में वो अपने पापा पर आरोप लगा रही है कि उसके पापा ने कई वीडियो शेयर करके बताया है कि उनकी बेटी पागल है। वही इस मामले में प्रेमनगर थाने के इंस्पेक्टर आशुतोष रघुवंशी का कहना है कि पुलिस की दो टीमें दानिया खान और हर्षित की तलाश कर रही है। दोनों का बरामद कर कोर्ट में पेश कर उनके बयान करवाए जाएंगे।

सहारनपुर में लड़की की संदिग्ध मौत पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

जांच के लिए डीजीपी को एसआईटी के गठन का दिया आदेश

सहारनपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) को एक लड़की की अप्राकृतिक मौत की जांच के लिए एक डीआईजी रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में एक एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया है। उनकी मौत तब हुई जब लड़की के परिवार ने उनके रिश्ते को लेकर दूसरे धर्म के एक लड़के पर हमला किया, जिससे उनकी मौत हो गई। सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने लड़की के परिवार के सदस्यों की शिकायत पर आत्महत्या के लिए उकसाने के अपराध के लिए दायर आरोप पत्र से उत्पन्न होने वाली अय्यूब और अन्य के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द करते हुए, यदि आवश्यक हो तो पुलिस को एफआईआर को फिर से दर्ज करने की स्वतंत्रता दी।

बेइज्जती से डरकर लड़की ने दी अपनी जान

गौरतलब है कि 3 नवंबर, 2022 को सहारनपुर के रामपुर मनिहारान पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के अनुसार अपीलकर्ता लड़की के घर आए और उससे कहा कि तुम्हारी वजह से हमारा लड़का मर गया, तुम क्यों नहीं मर जाती? कुछ ही घंटों बाद गाली-गलौज और बेइज्जती से डरकर लड़की ने कथित तौर पर अपनी जान दे दी।

कई सवालों के नहीं मिल रहे जवाब

इस मामले में सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि पुलिस अधिकारियों ने केवल शिकायतकर्ता और एक अन्य व्यक्ति के बयान दर्ज किए। जब हमने राज्य के वकील से बार-बार पूछा कि क्या किसी अन्य एंगल से जांच की गई थी, तो हमें केवल चुप्पी ही मिली। कोर्ट यह जानना चाहती थी कि क्या इसमें कुछ अधिक भयावह था। यदि यह आत्महत्या थी तो वास्तविक कारण क्या था? क्या मृतका अपने मित्र के साथ हुई घटना से व्यथित थी? पीठ ने कहा कि आज हमारे पास कोई जवाब नहीं है। आज हमारे पास शिकायतकर्ता का एकतरफा बयान ही बचा है। कोर्ट ने कहा कि केवल स्वतंत्र, गहन और व्यापक जांच से ही सच्ची कहानी सामने आ सकेगी।

7 फरवरी को अपने फैसले में कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) को लड़की की अप्राकृतिक मौत के मामले की जांच के लिए पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का निर्देश दिया। पीठ ने दो महीने के भीतर सीलबंद लिफाफे में फिर जांच रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने एसआईटी रिपोर्ट पर विचार के लिए मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल, 2025 तय की है।

बिहार सिपाही भर्ती में गड़बड़ी पर जवाब तलब हाईकोर्ट के आदेश से अब जगी उम्मीद

पटना, 25 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार पुलिस कांस्टेबल भर्ती प्रक्रिया को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। पटना हाईकोर्ट में दाखिल एक याचिका में आरोप लगाया गया है कि भर्ती प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। विशेष रूप से, ऐसे उम्मीदवारों को भी चयनित सूची में शामिल कर लिया गया, जिन्होंने निगेटिव अंक प्राप्त किए। न्यायाधीश हरीश कुमार की एकलपीठ ने विजय कुमार और अन्य द्वारा दायर मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को जवाब दायर करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता राजीव कुमार सिंह ने दलील दी कि 16 जनवरी, 2020 को प्रकाशित चयन सूची में कई विसंगतियां पाई गई हैं। एक संशोधित सूची जारी होने के बावजूद भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई। वहीं, राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता अजय कुमार और केंद्रीय चयन बोर्ड (कांस्टेबल भर्ती) के अधिवक्ता संजय पांडेय ने अदालत को बताया कि संशोधित सूची पूरी तरह से पटना हाईकोर्ट के आदेशों के अनुपालन में बनाई गई है। बोर्ड के अधिवक्ता ने अपने जवाब में कहा कि कुल 1308 चयनित उम्मीदवारों में सामान्य श्रेणी के पुरुष उम्मीदवारों के लिए कट-आफ अंक 110 था, जबकि सामान्य श्रेणी की महिला उम्मीदवारों के लिए कट-आफ (-23) अंक रहा। उनके अनुसार, केवल महिला वर्ग में ही निगेटिव अंक वाले उम्मीदवारों का चयन हुआ, अन्य किसी भी श्रेणी में ऐसा नहीं हुआ। मामले की अगली सुनवाई 27 मार्च को होगी। पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ताओं की समन्वय समिति की एक बैठक 24 फरवरी को आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य 21 फरवरी, 2025 को लिए गए पूर्व प्रस्ताव की समीक्षा करना था। बैठक में सर्वसम्मति से 21 फरवरी के प्रस्ताव को वापस लेने का निर्णय लिया गया, जिसके तहत 25 फरवरी को न्यायिक कार्यों से अलग रहने का फैसला किया गया था। अब पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि वे 25 फरवरी को अपने नियमित न्यायिक कार्यों का निर्वहन करें। समन्वय समिति ने इस निर्णय की जानकारी रजिस्ट्रार जनरल को देने का निर्देश दिया है, ताकि सभी संबंधित पक्षों को अवगत कराया जा सके।

आरजेडी के एमएलसी रहे सुनील सिंह की सदस्यता बहाल

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 'आचरण गलत था लेकिन बिहार विधान परिषद से निष्कासित कर दिया गया था'

पटना, 25 फरवरी (एजेंसियां)। सदन में अशोभनीय बर्ताव के लिए बिहार विधान परिषद से निष्कासित आरजेडी के पूर्व एमएलसी सुनील कुमार सिंह को बड़ी राहत मिली है। उनकी सदस्यता बहाल कर दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (25 फरवरी) को कहा कि सुनील कुमार सिंह का आचरण गलत था, लेकिन सजा उसकी तुलना में अधिक है। कोर्ट ने कहा कि 2026 में कार्यकाल खत्म होने वाला है। सुनील कुमार सिंह सात महीने से सदन से बाहर हैं। इसे ही सजा मान लिया जाए। दोबारा दुर्व्यवहार करें तो एथिक्स कमेटी और चेयरमैन फैसला लें। कोर्ट से आए इस फैसले के बाद उधर सुनील कुमार सिंह ने खुशी जताई है। उन्होंने फेसबुक पर पोस्ट कर लिखा है, सत्यमेव जयते! आखिरकार न्याय की जीत हुई!

क्या है पूरा मामला?

बता दें कि सुनील कुमार सिंह आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद के करीबी माने जाते हैं। वे लालू परिवार के भी करीबी हैं। राबड़ी देवी के मुंह बोले भाई हैं। सुनील कुमार सिंह पर 13 फरवरी को सदन में तीखी बहस के दौरान नीतीश कुमार को अपशब्द बोलने का आरोप लगा था। उन पर मुख्यमंत्री की नकल करके उनका अपमान करने और समिति के समक्ष पेश होने पर उसके सदस्यों की योग्यता पर सवाल खड़े करने का भी आरोप लगाया गया था। सुनील कुमार सिंह के निष्कासन के अलावा आरजेडी के विधान परिषद सदस्य मोहम्मद कारी सोहैब को भी दो दिन के लिए निलंबित कर दिया गया था।

26 जुलाई को किया गया था निष्कासित

पिछले साल 26 जुलाई को सुनील कुमार सिंह को सदन में अशोभनीय आचरण के लिए बिहार विधान परिषद से निष्कासित कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। अब सुप्रीम कोर्ट से फैसला आया है और सुनील कुमार सिंह की सदस्यता बहाल करने को कहा गया है।

पीएम मोदी ने नीतीश कुमार को बताया लाडला तो क्या बोले निशांत कुमार? तेज प्रताप यादव को भी दिया जवाब

पटना, 25 फरवरी (एजेंसियां)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीते सोमवार (24 फरवरी) को बिहार के भागलपुर आए तो उन्होंने नीतीश कुमार को लाडला मुख्यमंत्री कह दिया। लाडला कहे जाने पर नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की प्रतिक्रिया आई है। मंगलवार (25 फरवरी) को पटना में पत्रकारों से बातचीत में निशांत कुमार ने पीएम मोदी के बयान पर कहा कि हां गठबंधन है तो बोलेंगे ही। अच्छा है। निशांत कुमार ने आगे कहा, मीडिया के माध्यम से इस राज्य के सारे युवाओं को उम्र के हर तबके के लोगों से कहते हैं कि वोट करें। पिता जी ने विकास किया है। पिछली बार आप लोगों ने 43 सीट दी तब भी उन्होंने विकास का काम जारी रखा तो इस बार थोड़ा सीट बढ़ाएं ताकि आगे भी पिता जी विकास जारी रखें। इस सवाल पर कि चर्चा हो रही है कि आप राजनीति में आएंगे इस पर निशांत कुमार ने कोई जवाब नहीं दिया। वे अपनी बात कहने लगे। उन्होंने कहा, पार्टी के कार्यकर्ताओं से मैं आग्रह करता हूं कि जाइए और पिता जी ने जो विकास का काम किया है उसे जन-जन तक पहुंचाइए। जनता को मालूम होना चाहिए। उसमें कमी नहीं होनी चाहिए। उनके (नीतीश कुमार) नेतृत्व में हमारी सरकार बने और फिर से विकास का काम जारी रखें। बातचीत के क्रम में पत्रकारों ने सवाल किया कि तेज प्रताप यादव कह रहे हैं कि आप भी यंग हैं आपको आरजेडी ज्वाइन कर लेना चाहिए।

लखीसराय में मिड-डे मील खाने से 84 बच्चे बीमार

लखीसराय, 25 फरवरी (एजेंसियां)। लखीसराय के पिपरिया प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मुड़वरिया में सोमवार शाम मिड-डे मील खाने से 84 बच्चे बीमार हो गए। बच्चों ने बताया कि दाल में कीड़ा मिलने के बावजूद रसोई कर्मियों ने उसे निकालकर परोस दिया। जिलाधिकारी मिथिलेश मिश्र को जैसे ही सूचना मिली, उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। सदर अस्पताल और पिपरिया पीएचसी से एम्बुलेंस भेजकर 84 बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। आठवीं की छात्रा अंशु कुमारी ने बताया कि खाने में गिरगिट मिला। इसको खाने के बाद सभी बच्चे बीमार हो गए। शिक्षक अजय सर ने कहा कि किसी को मत बताना। तब मैंने कहा कि हम मर जाएंगे तो आप कुछ करेंगे क्या। फिर सर ने कहा कि घर चले जाओ, वहां जाकर खाना खा लेना। सदर अस्पताल में डॉ। राकेश कुमार, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ। ममता और डॉ। हरदीप बगेरिया ने बच्चों के सेहत की जांच की। जांच में 10 बच्चों में फूड प्वाइजनिंग के लक्षण मिले।

3 आतंकियों को ढेर करने के बाद पुलिस ने फर्जी आईलेट संचालकों को किया गिरफ्तार

पीलीभीत, 25 फरवरी (एजेंसियां)। एनकाउंटर में मारे गए खालिस्तानियों का आंतकियो को लेकर चल रही जांच में भारतीय आंतरिक सुरक्षा को लेकर पीलीभीत से एनआईए के वांछित इनामी अपराधी का कन्केशन सामने आया है। जिसको लेकर पुलिस ने सभी फर्जी आइलेट सेंटर संचालको के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले को लेकर एसपी अविनाश पांडे ने बताया विदेश में बैठा 10 लाख का एनआईए का इनामी आतंकी ने कोविड के दौरान पीलीभीत में लोगो के घर रुक कर उन्हें फर्जी तरीके से विदेश भेजने वाले गैंग को लेकर जोड़ा था, जो गलत डाक्यूमेंट लगाकर उन्हें डंकि रुट से विदेश भेजने के नाम पर ठगी कर उनके साथ खिलवाड़ कर विदेश में फंडिग कर रहे थे। जो देश की सुरक्षा को लेकर बड़ा खतरा था, मामले में कार्रवाई करते हुए 60 से अधिक आइलेट सेंटर को बंद करवा कर अन्य मामले में जुड़े पीड़ितों से बात कर कार्रवाई कर रहे हैं। मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय ने बताया कि बीते 23 दिसंबर 2024 को तीन खालिस्तानी आतंकियो का एनकाउंटर हुआ था। उसी को लेकर विवेचना में आश्चर्यजनक तथ्य सामने आए है। उसमे एक एनआईए का वांटेड वांछित अपराधी यहां आकर रुका था, जिस पर 10 लाख का इनाम भी है। वो कोविड के समय विदेश भेजने के नाम पर फर्जी दस्तावेज के आधार पर लोगों ने उसे अपने घरों में रोका। मामले में जांच के दौरान फर्जी धोखाधड़ी करके वीजा सेंटर या आइलेट सेंटर के नाम पर सेंटर संचालन करने वालो के नाम पर जांच का खुलासा हुआ है। ये एक बहुत बड़ा रैकेट जो डंकि रुट से यहां से विदेश भेजने का किया जा रहा था। जो आने वाले दिनों में भारत की आंतरिक सुरक्षा को लेकर भी खतरा बना हुआ था। जो भी लोग डिपोटेशन से भारत वापस आये हैं, इससे कई सारे तथ्य सामने आए।

'दारोगा ने मेरे साथ गलत व्यवहार किया' महिला कांस्टेबल ने एसएसपी को बताई आपबीती; एक झटके में अफसर हो गए थाने से बाहर

मुजफ्फरपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक थानेदार को सस्पेंड कर दिया गया। उस पर आरोप था कि उसने महिला कांस्टेबल को बैड टच किया था, जिसके चलते उसकी शिकायत की गई थी। शिकायत के आधार पर थानेदार पर एक्शन लिया गया और एसएसपी ने थानदार को निलंबित कर दिया। ये मामला मुजफ्फरपुर के हत्था थाने से सामने आया, जहां के थानेदार को सस्पेंड कर दिया गया। हत्था थाने के थानेदार शशि रंजन कुमार को एसएसपी सुशील कुमार ने सस्पेंड कर दिया। शशि रंजन पर थाने में पोस्टेड एक महिला कांस्टेबल ने बैड टच करने का आरोप लगाया था। इसकी जांच के लिए एसएसपी ने ग्रामीण एसपी विद्यासागर के नेतृत्व में टीम बनाई थी। टीम में उनके अलावा महिला डीएसपी सीमा देवी और एसडीपीओ पूर्वी टू मनोज कुमार को शामिल किया गया था।

इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 84 के दंगों की दास्तां

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। 31 अक्टूबर 1984 को दोपहर तक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स के आसपास भीड़ जमा होने लगी थी। भीड़ ने खून के बदले खून के नारे लगाने शुरू कर दिए। यह भीड़ बेकाबू हो उठी। शाम पांच बजे के आसपास तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह अस्पताल पहुंचे और भीड़ ने उनकी कार पर पथराव कर दिया। इसने सिखों के साथ मारपीट शुरू कर दी, कारों और बसों को रोककर सिखों को बाहर निकाला और उन्हें जिंदा जला दिया। कई सिख मारे गए। लेकिन उसी रात और 1 नवंबर की सुबह माहौल एकदम खूनी हो गया। हाल ही में दिल्ली की एक अदालत ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के एक मामले में कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को दोषी ठहराया था। सज्जन के लिए मौत की सजा की मांग की गई लेकिन उन्हें उम्रकैद की सजा मिली। सज्जन पर 1984 में दंगों के दौरान सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उसके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या का दोषी पाया गया है। वह पहले से ही दिल्ली कैंट मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है।

इंदिरा की हत्या के बाद भड़के थे सिख दंगे

प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी की हत्या 31 अक्टूबर, 1984 को नई दिल्ली के सफदरगंज रोड स्थित उनके आवास पर सुबह 9:30 बजे की गई थी। ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद उनके अंगरक्षकों बेअंत सिंह और सतवंत सिंह ने गोली मार कर उनकी हत्या की थी। इसके बाद ही दिल्ली समेत देशभर में सिख विरोधी दंगे भड़क उठे थे।

सज्जन कुमार के पाप कभी माफ नहीं करेंगे

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने स्थानीय समर्थकों के साथ पैसे और हथियार बांटे। उस समय के कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार और ट्रेड यूनियन नेता ललित माकन ने हमलावरों को 100-100 रुपए के नोट और शराब की बोतलें सौंपी। 1 नवंबर की सुबह सज्जन कुमार को पालम कॉलोनी (06:30 से 07:00 तक), किरण गार्डन (08:00 से 08:30 बजे) और सुल्तानपुरी (लगभग 08:30 बजे) के दिल्ली के मोहल्लों में रैलियां करते हुए देखा गया।

लोहे की छड़ें बांटीं और मारने-लूटने लगे

सुबह 9 बजे तक किरण गार्डन में सुबह 8:00 बजे सज्जन कुमार को एक ट्रक से 120 लोगों के समूह में लोहे की छड़ें बांटते हुए और उन्हें सिखों पर हमला करने, उन्हें मारने-लूटने और उनकी संपत्ति को जलाने को कहा गया। सुबह के दौरान उन्होंने पालम रेलवे रोड के साथ मंगोलपुरी में एक भीड़ का नेतृत्व किया, जहां भीड़ ने कहा-सरदारों को मार डालो और 'इंदिरा गांधी हमारी मां हैं और इन लोगों ने उन्हें मार डाला है।'

जो संपोलों को मारेगा, उन्हें इनाम दूंगा

लेखिका जसकरण कौर की सिख दंगों पर लिखी किताब में सिखों के खिलाफ क्रूर हिंसा की एक बानगी आप खुद देखिए। सुल्तानपुरी में मोती सिंह (20 साल से सिख कांग्रेस पार्टी के सदस्य) ने सज्जन कुमार के उस दिन के भाषण का जिक्र किया है-'जो भी संपोलों को मारेगा, मैं उन्हें इनाम दूंगा। जो कोई भी रोशन सिंह और बाघ सिंह को मारता है, उसे हर एक को 5,000 रुपए और किसी दूसरे सिख को मारने के लिए 1,000 रुपए मिलेंगे। आप तीन नवंबर को मेरे निजी सहायक जय चंद जमादार से ये पुरस्कार ले सकते हैं।

दंगों के दौरान दिल्ली पुलिस ने बंद कर ली थीं आंखें

किताब के अनुसार, केंद्रीय जांच ब्यूरो ने अदालत को बताया कि दंगे के दौरान सज्जन कुमार ने कहा कि 'एक भी सिख जीवित नहीं रहना चाहिए। सीबीआई ने दिल्ली पुलिस पर दंगे के दौरान अपनी 'आंखें बंद' रखने का आरोप लगाया, जिसे योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया था। शकरपुर मोहल्ले में कांग्रेस पार्टी के नेता श्याम त्यागी के घर को एक अनिर्दिष्ट लोगों की संख्या के लिए एक सभा स्थल के रूप में इस्तेमाल किया गया था। सूचना और प्रसारण मंत्री एच के एल भगत ने बोप त्यागी (त्यागी के भाई) को पैसे देते हुए कहा-ये दो हजार रुपए शराब के लिए रखो और जैसा मैंने तुम्हें बताया है ... तुम्हें इसकी बिल्कुल भी चिंता नहीं है। मैं सब कुछ देख लूंगा।'

राशन की दुकान पर जब जुटाई भीड़

31 अक्टूबर की रात के दौरान बलवान खोखर (हत्याकांड में फंसे एक स्थानीय कांग्रेस पार्टी के नेता) ने पालम में पंडित हरकेश की राशन की दुकान पर एक बैठक की। कांग्रेस पार्टी के समर्थक शंकर लाल शर्मा ने एक बैठक की, जहां उन्होंने 1 नवंबर को सुबह 08:30 बजे अपनी दुकान में सिखों को मारने के लिए एक भीड़ जुटाई।

भीड़ के हाथों में केरोसिन के डिब्बे

सिख विरोधी दंगों में जिस भीड़ को भड़काया गया, उसका मुख्य हथियार केरोसिन के डिब्बे ही थे। इन डिब्बों की आपूर्ति कांग्रेस के नेताओं के एक समूह ने की थी। सुल्तानपुरी में कांग्रेस पार्टी ए -4 ब्लॉक अध्यक्ष ब्रह्मानंद गुप्ता ने तेल बांटे। वहीं, सज्जन कुमार ने भीड़ को सिखों को मारने, और उनकी संपत्तियों को लूटने और जलाने का निर्देश दिया। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएट स्टूडेंट असीम श्रीवास्तव ने मिश्रा आयोग को सौंपे गए एक हलफनामे में मॉब के बारे में ब्यौरा दिया है।

केरोसिन तेल ऑटोरिक्शा में भर-भरकर जा रहे थे

मिश्रा आयोग के समक्ष दिए गए इस ब्यौरे के अनुसार-'हमारे इलाके में सिखों और उनकी संपत्ति पर हमला एक अत्यंत संगठित मामला है ... मोटरसाइकिल पर कुछ युवा लोग भी थे, जो मॉब्स को निर्देश दे रहे थे और समय-समय पर उन्हें मिट्टी के तेल की आपूर्ति कर रहे थे। कुछ मौकों पर हमने ऑटो-रिक्शा को केरोसिन तेल और अन्य ज्वलनशील पदार्थों जैसे जूट के बोरों के साथ पहुंचते देखा।'

250 मामलों में आरोपी बरी हो गए थे

सिख दंगों की जांच के लिए गठित नानावटी आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ दिल्ली में 587 मामले दर्ज हुए थे। जिनमें 2733 लोग मारे गए थे। कुल मामलों में से करीब 240 मामले बंद हो गए, जबकि 250 मामलों में आरोपी बरी हो गए थे। दिल्ली सरकार ने 17 फरवरी, 2025 को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह सिख दंगों के 6 मामलों में बरी आरोपियों के खिलाफ याचिका दायर करेगी।

अपने ही घर में चोरी, बेटे ने हीरा व्यापारी पिता की तिजोरी से निकाले 3.5 करोड़ रुपये, अब गिरफ्तार

मुंबई, 25 फरवरी (एजेंसियां)। दक्षिण मुंबई से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने अपने ही पिता की तिजोरी में सेंधमारी कर करोड़ों की संपत्ति चुरा ली। यह घटना डीबी मार्ग पुलिस स्टेशन के अंतर्गत ओपेरा हाउस स्थित पंचरत्न बिल्डिंग में हुई। मामले की जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता विपुल जोगानी जो कि एक प्रतिष्ठित हीरा व्यापारी हैं, उन्होंने और उनका कार्यालय पंचरत्न बिल्डिंग, ओपेरा हाउस में स्थित है। पुलिस ने बताया कि विपुल के बेटे, निर्मम जोगानी, ने पिता के कारोबार की तरक्की और तिजोरी में रखी करोड़ों की संपत्ति देखकर चोरी की साजिश रची।

डुप्लीकेट चाबी बनाकर उड़ाए करोड़ों

पुलिस अधिकारी ने बताया कि बेटे ने बड़ी चालाकी से अपने पिता की जानकारी के बिना तिजोरी की चाबी का साबुन पर छाप लिया और फिर उससे नकली चाबी बनवाई। 20 फरवरी की रात, इसी नकली चाबी का इस्तेमाल कर उसने तिजोरी से 3.5 करोड़ रुपये मूल्य के हीरे और नकदी चुरा लिए। जब विपुल जोगानी को तिजोरी में चोरी का पता लगा, तो उन्होंने तुरंत डीबी मार्ग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने जांच शुरू की और सीसीटीवी फुटेज और भी दूसरे सुरागों के आधार पर चोर का पता लगा लिया। लेकिन जब सच्चाई सामने आई, तो व्यापारी पिता को गहरा झटका लगा क्योंकि चोरी किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि उनके अपने बेटे ने ही की थी।

पुलिस ने किया गिरफ्तार

जांच में सबूत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी बेटे निर्मम जोगानी को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है कि उसने यह चोरी अकेले की या किसी और की मदद ली थी। यह घटना समाज के लिए एक बड़ी सीख है कि विश्वासघात कभी भी और कहीं से भी आ सकता है, यहां तक कि अपने ही परिवार के भीतर से।

कृषि मंडीकरण नीति विधानसभा में रद्द, 10 जिलों में खुलेंगे एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर

चंडीगढ़, 25 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन खेतीबाड़ी मंडीकरण नीति को रद्द कर दिया गया। इससे पहले कैबिनेट मंत्री रवजोत सिंह ने जानकारी दी कि पंजाब के 10 जिलों में एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर खोले जाएंगे। विधानसभा में लावारिस कुत्तों के बढ़ रहे आंतक का मामला उठने के बाद उन्होंने यह जानकारी दी। विधायकों ने मामला उठाया था कि पिछले कुछ महीनों से डॉग बाइट के केस बढ़ते जा रहे हैं। इस कारण संगरूर में तीन बच्चों की मौत भी हो गई है। प्रश्न काल के दौरान मंत्री तरुणप्रीत ने बताया कि पंजाब में ब्लॉक व पंचायत समिति में एक सीट पर 10 व 15 साल से बैठे मुलाजिमों का तबादला किया जाएगा।

वहीं स्पीकर ने कहा कि सरपंचों का मान सम्मान पंचायतों में बहाल किया जाना चाहिए। विधानसभा में उस समय हंगामा हो गया जब नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने बिजली विभाग द्वारा होशियारपुर के एक एसई से दिल्ली चुनाव के लिए पैसे मांगने का आरोप लगाया। इस पर बिजली मंत्री और बाजवा के बीच टकराव हो गया। बाजवा ने कहा कि पूर्व विजिलेंस ऑफिसर ने 48 अधिकारियों की सूची पकड़ाई थी जो भ्रष्टाचारी थे। उन्होंने ये चिट्ठी चीफ सेक्रेटरी को लिखी थी, उसके बाद उनको पद से हटा दिया गया। शिरोमणि अकाली दल के विधायक मनप्रीत सिंह अयाली ने अवैध कालोनियों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार अवैध कालोनियों के निर्माण पर रोक लगाने के लिए एक तरफ प्रयास कर रही है। दूसरी तरफ रेरा से रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट समय पर नहीं मिलता है।

रेरा से जल्दी सर्टिफिकेट मिल सके, इस तरफ ध्यान देने की जरूरत है, ताकि अवैध कालोनियों पर रोक लगाई जा सके। मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि कैप्टन सरकार में तरनतारन में 130 लोगों की जहरीली शराब पीने के कारण मौत हो गई थी, इसमें सरकार के कई मंत्री विधायक और सीएम के करीबी थे। अब इस पर ईडी के पूर्व डायरेक्टर निरंजन सिंह ने कहा कि उनके सीनियर ऑफिसर ने इस मामले में कार्रवाई नहीं करने दी।

कलेक्ट्रेट और सर्किट हाउस की संपत्ति होगी कुर्क, कोर्ट को क्यों देना पड़ा आदेश?

पटना, 25 फरवरी (एजेंसियां)। देश संविधान और कानून से चलता है और उसके लिए न्यायालय है। ऐसा ही एक मामले में न्यायालय ने संज्ञान लिया है। नवादा व्यवहार न्यायालय के सब जज प्रथम आशीष रंजन के कोर्ट ने नवादा कलेक्ट्रेट और सर्किट हाउस को कुर्क करने आदेश दिया है। बता दें फुलवरिया जलाशय परियोजना रजौली में अनेकों विस्थापितों की जमीन का मुआवजा अब तक नहीं दिया गया हैं। जिसको लेकर नवादा व्यवहार न्यायालय में कई वाद दर्ज है। नवादा व्यवहार न्यायालय सब जज प्रथम आशीष रंजन ने इजराइ वाद संख्या 3/2002 में शांति देवी वगैरह बनाम बिहार सरकार वगैरह जिला समाहर्ता नवादा,कार्यपालक अभियंता फुलवरिया जलाशय परियोजना रजौली नवादा ,जिला भू अर्जन पदाधिकारी सह विशेष भू अर्जन पदाधिकारी नवादा मामले में नवादा समाहरणालय और नवादा परिसदन भवन को कुर्क करने का आदेश दिया गया है। नवादा समाहरणालय और सर्किट हाउस में ढोल बजाकर नवादा व्यवहार न्यायालय कर्मी ने वादी के अधिवक्ता रंजीत पटेल के साथ कुर्क का इश्तेहार चिपकाया। वादी के पक्ष से अधिवक्ता रंजीत कुमार पटेल इस मामले को देख रहे हैं। बता दें कि बिहार सरकार की उदासीनता के कारण 2015 में इस मामले 10लाख 27हजार तीन सौ अठ्ठासी रुपए सत्ताइस पैसे का भुगतान किया जाना था ।जो भुगतान नहीं किए जाने कारण 15 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की राशि के साथ भुगतान करना होगा जो लगभग 25 लाख रुपए राशि भुगतान करना होगा। राशि की भुगतान नहीं किए जाने पर नवादा समाहरणालय और सर्किट हाउस की नीलामी का आदेश दिया जाएगा। विस्थापितों के परिजन हरदिया सेक्टर सी निवासी देवीलाल ने बताया कि हमारे परिवार के कई लोग इस राशि के भुगतान नहीं किए जाने के कारण स्वर्ग लोक चले गए।मुआवजा की राशि नहीं मिलने के कारण हमलोग सभी परिवार हालत दयनीय हो गई है।

अनुबंध काल को वरिष्ठता में शामिल नहीं करने को कोर्ट में चुनौती देंगे कर्मचारी

शिमला, 25 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में कर्मचारियों की ओर से जल्द ही सरकारी कर्मचारी भर्ती एवं सेवा शर्तें संशोधन विधेयक 2024 को चुनौती दी जाएगी। इससे पहले अनुबंध सेवाकाल का वरिष्ठता व वित्तीय लाभ से जुड़े कई मामले अदालत में सुनवाई के लिए लगे हैं। सभी याचिकाकर्ताओं की ओर से अनुबंध की ज्वाइनिंग की तारीख से वरिष्ठता और वित्तीय लाभ दिए जाने की मांग की थी। याचिकाकर्ताओं की ओर से ये सब याचिकाएं नए कानून बनने से पहले दायर कर दी थीं। याचिकाकर्ताओं की ओर ये अब सरकार के दिसंबर 2024 में बनाए कानून को चुनौती दी जाएगी। विधानसभा में दिसंबर में विधेयक पारित करवाया गया, जिसमें 2003 के बाद भर्ती अनुबंध कर्मचारियों को वरिष्ठता और वित्तीय लाभ न देने की बात की गई है। इसके तहत 2003 के बाद ज्वाइनिंग की तारीख से वरिष्ठता का लाभ उनके नियमित होने के बाद ही मिलेगा। अनुबंध सेवाकाल को इसमें नहीं जोड़ा जाएगा। इसको अब हाईकोर्ट में चुनौती दी जाएगी। वहीं सरकार अनुबंध सेवाकाल का लाभ नोशनल देने की बात पहले ही कह चुकी है। राज्यपाल की ओर से 7 फरवरी को संशोधन विधेयक 2024 को मंजूरी दी गई थी। हाईकोर्ट की न्यायाधीश ज्योत्सना रिवॉल दुआ की अदालत ने सुनवाई के दौरान पाया कि सरकार ने संशोधित विधेयक के माध्यम से कर्मचारियों से संबंधित महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इनके तहत कर्मियों को ज्वाइनिंग की तारीख से वरिष्ठता और वित्तीय लाभ नहीं दिया जाएगा। साथ ही कर्मचारियों की वरिष्ठता उनके नियमित होने पर ही तय होगी। अनुबंध सेवाकाल को इसमें नहीं जोड़ा जाएगा। इसकी वजह से अधिवक्ताओं की ओर से दायर याचिकाओं को वापस लिया गया। अदालत ने साथ ही याचिकाकर्ताओं को नए सिरे से याचिकाओं को दायर करने की स्वतंत्रता दी। अदालत में अनुबंध सेवाकाल को वरिष्ठता, वेतन वृद्धि और वित्तीय लाभ से जुड़ी हजारों याचिकाएं विचाराधीन हैं।

गर्लफ्रेंड, दादी, भाई और चाचा-चाची को मारा फिर थाने जाकर बोला-'मैंने सबको मार दिया

तिरुवनंतपुरम, 25 फरवरी (एजेंसियां)। एक युवक पुलिस स्टेशन जाता है और कहता है कि उसने अपने परिवार के 6 लोगों की हत्या कर दी है और खुद भी चूहे मारने की दवाई खा ली है। ये मामला केरल के तिरुवनंतपुरम के वेंजारामूडू पुलिस स्टेशन से सामने आया है, जहां अफ्फान नाम के शख्स का कबूलनामा सुनकर हर कोई हैरान रह गया। उसने पुलिस स्टेशन जाकर सबके सामने कबूल किया कि उसने अपने छोटे भाई, प्रेमिका, दादी, चाचा-चाची समेत 6 लोगों को मार डाला है। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच की तो सामने आया कि आरोपी अफ्फान पेरूमाला का रहने वाला है। जब वह पुलिस स्टेशन पहुंचा, तो उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसका मुकन्नूर की रहने वाली फरजाना नाम की महिला के साथ प्रेम प्रसंग था, जिसे अफ्फान के

परिवार वालों ने स्वीकार नहीं किया था। युवक इस बात से नाराज था। इसलिए उसने तीन अलग-अलग जगहों पर हत्या की वारदात को अंजाम दिया।

5 की हो गई मौत

अफ्फान ने छोटे भाई अहसान, प्रेमिका फरजाना, दादी सलमा, चाचा लतीफ, चाची शाहिदा और अपनी मां शमीना पर हमला किया। इनमें से 5 की मौत हो गई और अफ्फान की मां अस्पताल में भर्ती है। दरअसल अफ्फान और फरजाना का प्रेम प्रसंग चल रहा था, लेकिन दोनों के रिश्ते के लिए अफ्फान के घर वाले राजी नहीं थे। इसलिए एक दिन अफ्फान ने फरजाना को बुलाया और अपनी दादी के घर पहुंचा।

सबसे पहले दादी को मारा

दादी ने भी अफ्फान और फरजाना के रिश्ते को कबूल नहीं किया। अफ्फान के पास पैसे नहीं थे। उसने अपनी दादी से सोना गिरवी रखने के लिए कहा, तो उन्होंने इनकार कर दिया। इसके बाद अफ्फान ने सबसे पहले अपनी दादी को मौत के घाट उतारा। इसके बाद उसने फरजाना को भी मार डाला। इसके अलावा उसने अपने चाचा की हत्या संपत्ति को लेकर किसी विवाद के चलते की और फिर भाई को भी मार और मां पर भी हमला किया।

अफ्फान के पिता ने क्या बताया?

अफ्फान के पिता अब्दुल रहीम ने बताया कि वह आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे, लेकिन यह उसके बेटे के लिए चिंता की बात नहीं थी। क्योंकि वह छह महीने के लिए विजिटिंग वीजा पर सऊदी गया था और हाल ही में खुशी-खुशी वहां से वापस लौटा था। हालांकि इन हत्याओं की असल वजह अभी तक सामने नहीं आ पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अफ्फान का इलाज भी कराया जा रहा है।

मुंबई में हज यात्रा के लिए दी गई ट्रेनिंग, चैटबॉट से हाजियों को मिलेगी सुविधा

मुंबई, 25 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई में 2025 के लिए सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का और मदीना के लिए जाने वाले सभी हज यात्रियों को हज प्रशिक्षण की शुरुआत हो चुकी है। मुंबई स्थित हज समिति ने हज हाउस में ही हज जाने वाले लोगों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम का उद्घाटन अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्रशेखर कुमार ने किया। कार्यक्रम में हज यात्रियों को चैटबॉट के बारे में भी जानकारी दी गई। ट्रेनिंग कार्यक्रम का उद्देश्य हज जाने वाले लोगों को यहां से वहां तक की हर जरूरी जानकारी देना है। इसके साथ ही उन्हें आने वाली समस्याओं के समाधान के बारे में है। भारतीय हज समिति के अध्यक्ष एपी। अब्दुल्लाकुट्टी ने प्रशिक्षकों से हज जाने वाले लोगों को अच्छी सुविधाएं, नए बदलाव के बारे में जानकारी देने की बात कही।ताकि उन्हें सुचारू रूप से हज करने में मदद मिल सके।

ट्रेनिंग पहले दिन क्या हुआ?

हज हाउस में हो रहे इस ट्रेनिंग कार्यक्रम में पहले दिन दो सेमिनार आयोजित किए गए, जिसमें जाने से लेकर वापस आने तक हर जरूरी जानकारी हज यात्रियों को दी गई। सामान से लेकर डॉक्यूमेंटेशन के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में हर विभाग के लोग मौजूद थे, उन्होंने लोगों को ट्रेनिंग दी।

चैटबॉट करेगा यात्रियों की मदद

कार्यक्रम में ट्रेनिंग के दौरान हज यात्रियों को नई सुविधाओं के साथ हज सुविधा ऐप 2.0 का लॉन्च किया। इसमें आपको हर तरीके की जानकारी मिलेगी। इसके माध्यम से ऑनलाइन अप्लाई और पेमेंट समेत तमाम कागजात सुरक्षित रखे मिलेंगे। कागज वाले परिचय पत्र की जगह पीवीसी आईडी कार्ड शामिल है। सरकार का फोकस इस बात पर है कि यात्रियों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा का सामना न करना पड़े। यही कारण है कि सभी यात्रियों को ट्रेनिंग दी जा रही है।

तीन साल में ढाई गुना आय, केदारनाथ मंदिर में 52.9 करोड हुई कमाई?

रुद्रप्रयाग, 25 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में मौजूद केदारनाथ मंदिर काफी मशहूर है। इस मंदिर में हर साल लाखों श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं। मंदिर में श्रद्धालुओं की इतनी भीड़ देखी जाती है कि दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं का हर साल एक नया रिकॉर्ड कायम होता है। श्रद्धालुओं के यहां पहुंचने की वजह से मंदिर की आय में भी बढ़ोतरी होती है। पिछले तीन सालों में केदारनाथ मंदिर की आय ढाई गुना ज्यादा हो गई है। श्रद्धालुओं के चढ़ावे, दान से केदारनाथ मंदिर की आय होती है। साल 2021 के बाद मंदिर की आय में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिली है, जहां 2021 के बाद मंदिर की आय में ढाई गुना इजाफा हुआ है। इस बात की जानकारी सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत एक आवेदन पर सामने आई है। उत्तर प्रदेश के नोएडा के आरटीआई कार्यकर्ता अमित गुप्ता ने आरटीआई कानून के तहत मंदिर की आय की जानकारी मांगी थी। आरटीआई कार्यकर्ता अमित गुप्ता ने जो जानकारी मांगी थी उसी के जवाब में मंदिर समिति ने आय के बारे में बताया। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक साल 2020-21 में जहां केदारनाथ मंदिर की आय 22.04 करोड़ रुपये थी। वही 2023-24 में बढ़कर 52.9 करोड़ रुपये हो गई है। इस तरह कमाई में ढाई गुना बढ़ोतरी हुई है। हालांकि कोविड-19 के दौरान मंदिर की आय घट गई थी, लेकिन उसके अगले ही साल फिर से मंदिर की आय में बढ़ोतरी हुई। मंदिर समिति ने बताया कि गढ़वाल हिमालय में स्थित बाबा केदार के मंदिर की आय 2021-22 में 16.52 करोड़ रुपये हो गई थी। फिर अगले ही साल 2022-23 में बढ़ोतरी देखी गई और 29.67 करोड़ रुपये हो गई। इसके बाद फिर 2023-24 में 52.9 करोड़ रुपये हो गई। यानी 2021 से लेकर 2024 तक 2.3 गुना ज्यादा कमाई हुई। जब देश पर कोरोना महामारी का संकट आया। उसके बाद मंदिर के कपाट कई प्रतिबंधों के साथ खोले गए थे। मंदिर में दर्शन करने के लिए जिस तरह से आमतौर पर श्रद्धालुओं की भीड़ इकट्ठा होती है। उस दौरान संख्या को सीमित कर दिया गया था। मास्क लगाने से लेकर सामाजिक दूरी बनाए रखने जैसे नियमों का पालन किया जा रहा था।

बाल झड़ने की वजह सामने आई ,सेलेनियम वाले गेहूं के इस्तेमाल से फैली बीमारी; 3 महीने में 279 लोग प्रभावित

मुंबई, 25 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बुलढाणा में दिसंबर महीने में एक अजीब बिमारी फैली। अचानक लोगों के बाल झड़ने लगे। मामले में मंगलवार को मेडिकल रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक यहां के लोगों ने खाने में जिस गेहूं का इस्तेमाल किया, उसकी वजह से उनके बाल झड़ने लगे। रिपोर्ट के मुताबिक इस गेहूं में हाई सिलेनियम पाया गया है। सेलेनियम एक खनिज है जो मिट्टी, पानी और कुछ भोजन में पाया जाता है। मानव के शरीर के लिए सेलेनियम बहुत कम मात्रा में जरूरत होती है, जो भोजन के पाचन में जरूरी भूमिका निभाता है। गेहूं पंजाब और हरियाणा से आया है, जो महाराष्ट्र के राशन दुकानों में बांटा जाता है। दिसंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच बुलढाणा के 18 गांवों में 279 लोगों में अचानक बाल झड़ने या एक्यूट ऑनसेट एलोपेसिया टोटलिस के मामले सामने आए। एलोपेसिया से प्रभावित लोगों में हर उम्र के लोग शामिल थे। बीमारी की वजह से लोगों की शादियां टूटने लगीं।

सरकारी स्कूल को डोनेशन में मिले 2 करोड़ रुपये, क्या रही वजह और क्यों है खास?

चिकमंगलूर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के चिकमंगलूर जिले के मुदिगेरे तालुका में मौजूद एक सरकारी स्कूल को 10-20 लाख का नहीं बल्कि दो करोड़ से भी ज्यादा का डोनेशन मिला। स्कूल को ये डोनेशन एक कॉफी उद्यमी ने दिया। उन्होंने सरकारी स्कूल को 2.18 करोड़ रुपये का दान दिया। इतने बड़े उद्यमी होने के बावजूद वह अपने बेटे को भी सरकारी स्कूल में ही पढ़ा रहे हैं। स्कूल को 2 करोड़ से ज्यादा का डोनेशन देने वाले कॉफी उद्यमी का नाम संतोष है, जो मुदरेमने कॉफी क्योरिंग यूनिट के मालिक हैं। उन्होंने सरकारी स्कूल से पढ़ाई की और बाद में कॉफी उद्योग में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वह वर्तमान में कॉफी एक्सपोर्ट का बिजनेस कर रहे हैं। संतोष ने मुत्तिगेपुरा गांव में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के लिए 2.18 करोड़ रुपये डोनेट किए। जिस स्कूल को संतोष ने पैसे डोनेट किए हैं। वह 1973 में स्थापित किया गया था, जिसमें आज 363 छात्र पढ़ते हैं। संतोष के दान की मदद से स्कूल में 8 फर्निश्ड क्लासरूम बनाए गए हैं। इस स्कूल के लिए बेहतरीन हॉल बना गया है, जिसे 10 लाख रुपये की लागत से तैयार किया गया है। दान की मदद से 'विवेक योजना' के तहत 56 लाख रुपये जुटाए गए। इसके अलावा और क्लासरूम भी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 28 फरवरी को इस स्कूल की कुल 12 कक्षाओं का उद्घाटन किया जाएगा। मुत्तिगेपुरा के इस स्कूल को कई लोगों से दान मिल रहा है। हाल ही में इस गांव के सऊदी अरब में रहने वाले व्यवसायी सिद्दीकी ने स्कूल को 60,000 रुपए का दान दिया और साथ ही 1.5 करोड़ रुपये का शुद्ध पेयजल यूनिट भी स्कूल को दान किया। इसके अलावा शर्लिन विलियम्स नाम की कंपनी ने स्कूल को 18 लाख रुपए और फर्नीचर दान दिया। यूथ फॉर सर्विस ने आठ कंप्यूटर और उनके इस्तेमाल के लिए टेबल मुहैया कराए। स्कूल परिसर और कक्षाओं में 20 सीसीटीवी कैमरे भी डोनेशन के जरिए लगाए गए हैं। मिड डे में बच्चों को मिलने वाले भोजन के लिए 5 लाख रुपये दान किए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 10.5 करोड़ रुपये की लागत से एक हाईटेक किचन भी स्कूल के लिए बनाने के लिए दान किए हैं।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 26 फरवरी - 2025

बिहार में कांग्रेस गठबंधन में रहेगी या अकेली लड़ेगी ?

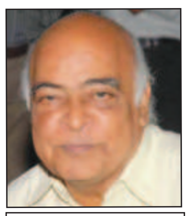

अशोक भाटिया

हालिया हरियाणा व दिल्ली चुनाव कांग्रेस ने अकेला लड़ा पर हार के बाद भी उसका जोश कम नहीं हुआ है । अब जल्द ही बिहार के चुनाव होने है । यक्ष प्रश्न है कि हाल के चुनाओं में हार के बाद भी वह बिहार में अकेला लड़ना चाहेगी या इंडिया गठबंधन के साथ उसका जुडाव कायम रहेगा । यह प्रश्न इस कारण भी उठ रहा है कि कांग्रेस बिहार में अपना कुनबा बढ़ाने में लगी है । हाल ही में जनता दल यूनाइटेड के पूर्व सांसद अली अनवर ने शुक्रवार को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। जैसा कि तक़रीबन होता है कांग्रेस में शामिल होने पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी से मुलाकात के दौरान उनकी कुछ बातों ने काफी आकर्षित किया। जिसके बाद उन्होंने कांग्रेस परिवार में शामिल होने का फैसला किया। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा, "राहुल गांधी ने हाल ही में बिहार का दौरा किया और एक जनसभा की। जो लोग पूछ रहे थे कि कांग्रेस बिहार में कब सत्ता संभालेगी, उन्हें अब जवाब मिल गया है। राहुल गांधी के आने से यह स्पष्ट है कि कांग्रेस ने राज्य में 'मिशन बिहार' शुरू कर दिया है। मिशन बिहार के तहत बिहार से भाजपा और जदयू को बाहर का रास्ता दिखाएंगे।"कांग्रेस नेता अलका लांबा चुनाव तक बिहार में जमी रहेगी । उसने कहा कि बिहार के 40 लोकसभा क्षेत्रों में महिला कांग्रेस को मजबूत करने का काम किया जाएगा। बिहार चुनाव तक मैं राज्य में ही रहूंगी। इससे पहले गुरुवार को पटना पहुंची अलका लांबा ने बिहार सरकार पर तंज कसते हुए कहा था कि 2025 में हम सरकार बदल देंगे। उन्होंने ऐलान किया कि वह हर जिले और लोकसभा क्षेत्र का दौरा करेंगी, निरंतर बैठकें होंगी और मौजूदा सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए जो भी जरूरी होगा, वह करेंगी। इस साल एक ही राज्य हमारा लक्ष्य है, वह है बिहार। उन्होंने सदस्यता अभियान भी तेज करने की बात कही। इसमें कहीं भी इंडिया गठबंधन की बात नहीं है । इसी बीच कांग्रेस नेता कृष्णा अल्लावरु ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी मजबूत है और आगे लोगों से मिलकर रणनीति बनाएंगे। पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोमवार को बिहार के दौरे को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री आएं-जाएं, कांग्रेस अपना काम करती रहेगी। बिहार कांग्रेस प्रभारी ने बिहार के दौरे को लेकर कहा कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ता से मिलकर आगे की रणनीति बनाने का काम करेंगे। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में कितनी सीटों पर लड़ने की योजना को लेकर उन्होंने सीधा कोई जवाब नहीं दिया। हालांकि उन्होंने यह जरूर कहा कि आगे मिलजुल कर रणनीति बनाएंगे। बिहार में दिल्ली की तरह अकेले चुनाव लड़ने को लेकर उन्होंने कहा कि अभी तो चर्चा चल रही है। लोगों से मिलकर रणनीति बनाएंगे। दरअसल, कृष्णा अल्लावरु बिहार के कांग्रेस प्रभारी बनने के बाद सक्रिय नजर आ रहे हैं। अल्लावरु बिहार कांग्रेस प्रभारी नियुक्त होने के बाद 20 फरवरी को पहली बार पटना पहुंचे थे। कांग्रेस के नेता ने कहा था कि पार्टी की यह कमी रही है कि हम रेस के घोड़े को बारात में और बारात के घोड़े को रेस में लगा देते हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करते हुए उन्होंने कहा कि वे जब तक बिहार के लोगों के साथ रहेंगे, तब तक जो कार्यकर्ता खून-पसीना लगाकर लड़ाई लड़ेगा, उसे सम्मान भी दिया जाएगा। उन्होंने हालांकि कार्यकर्ताओं को क्षेत्र में काम करने का संदेश देते हुए यह भी कहा कि लड़ाई सदाकत आश्रम में नहीं बल्कि मैदान में होगी। उन्होंने कहा कि गुटबाजी से कोई लड़ाई नहीं जीती जा सकती। बता दें कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पूरा जोर लगा रही है। राहुल गांधी भी पिछले दिनों दो बार बिहार का दौरा कर चुके हैं। दरअसल बिहार विधानसभा के पिछले चुनाव में मिली नाकामी, महागठबंधन की हार का विलेन बन जाने से सीख लेकर कांग्रेस इस बार चुनावी साल की शुरुआत के साथ ही एक्टिव मोड में आ गई । बिहार कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद डॉक्टर अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा है कि हमने 50 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने खुद भी यह स्वीकार किया है कि यह लक्ष्य आसान नहीं है लेकिन साथ ही यह भी कहा है कि ये नामुमकिन भी नहीं। अखिलेश प्रसाद ने दावा किया कि बिहार कांग्रेस के पक्ष में इस बार चौंकाने वाले नतीजे आएंगे।मिशन 50 के नारे, चौंकाने वाले नतीजों के दावे... इनके लिए कांग्रेस पार्टी को सबसे पहले अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना होगा। 2020 के चुनाव नतीजों में 70 सीटों पर चुनाव लड़कर महज 27 फीसदी स्ट्राइक रेट के साथ 19 सीटें ही जीत पाई पार्टी को राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) इस बार अधिक सीटें देने का खतरा मोल लेगी? खासकर तब, जब महागठबंधन 110 सीटें जीतकर बहुमत के लिए जरूरी 122 के जादुई आंकड़े से महज 12 सीट पीछे रह गया था और विपक्षी गठबंधन की मात के लिए कांग्रेस के प्रदर्शन को कसूरवार ठहराया गया था। मिशन 50 का नारा देने वाली कांग्रेस पार्टी के नेता भी यह समझ रहे हैं कि सीट शेयरिंग की टेबल पर अपनी डिमांड मनवाने की राह में पिछले चुनाव का प्रदर्शन उसकी राह का सबसे बड़ा रोड़ा रहने वाला है। यही वजह है कि पार्टी ने इस बार खास रणनीति बनाई है- प्लान 45. दरअसल, कांग्रेस ने 2015 के विधानसभा चुनाव में 41 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 27 सीटें जीतने में सफल रही थी जो 1995 में 29 सीटों पर जीत के बाद बिहार चुनाव में पार्टी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। कांग्रेस को इतनी सीटें लड़ने के लिए तब मिली थीं जब महागठबंधन में जेडीयू भी थी। 2020 के चुनाव से पहले कांग्रेस नेतृत्व अधिक सीटों की डिमांड पर अड़ गया। हां-ना, हां-ना का दौर अंतिम वक्त तक चलता रहा और बात बनी तेजस्वी यादव की राहुल गांधी के साथ हुई बात के बाद। लालू यादव की पार्टी ने आखिरकार कांग्रेस को 70 सीटें देने पर हामी भर दी जो 2015 चुनाव के मुकाबले 29 ज्यादा थीं।

सीटों की संख्या में कांग्रेस की चल गई लेकिन जब माइक्रो लेवल पर सीटों का आवंटन शुरू हुआ, ग्रैंड ओल्ड पार्टी के साथ यहीं पर खेल हो गया। कांग्रेस को जो सीटें दी गईं, उनमें से 45 ऐसी थीं जहां पार्टी पिछले चार चुनाव से जीत नहीं पाई थी। 70 में से 67 सीटों पर 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए ने लीड किया था।आरजेडी ने कांग्रेस की 70 सीटों की डिमांड मान तो ली थी लेकिन ऐसी सीटें दे दी थीं जहां एनडीए का प्रभाव अधिक था। इससे सीट शेयरिंग में कांग्रेस भले ही आरजेडी के बाद दूसरे सबसे बड़े घटक का टैग हासिल करने में सफल रही हो, नतीजे आए तो पार्टी विलेन बन गई। इसके उलट, लेफ्ट पार्टियों ने 29 सीटों पर चुनाव लड़ा और 16 सीटें जीतने में सफल रही थीं। सीट शेयरिंग में लेफ्ट के हिस्से आई कई सीटें ऐसी थीं जहां परंपरागत रूप से कांग्रेस मजबूत रही है।

कांग्रेस के नेता भी जानते हैं कि इस बार आरजेडी 2020 चुनाव के स्ट्राइक रेट को आधार बनाकर पार्टी को कम से कम सीटें देना चाहेगी। लालू यादव की पार्टी के ऐसे किसी भी दांव से निपटने के लिए कांग्रेस पहले से ही होमवर्क में जुट गई है। इसके लिए पार्टी ने प्लान-45 बनाया है। कांग्रेस का फोकस इस बार सीटों के नंबर पर अधिक जोर लगाने से ज्यादा ऐसी सीटें पाने पर है जहां पार्टी की जमीन अपेक्षाकृत मजबूत है और जीत की संभावनाएं बन सकती हैं।

कांग्रेस का नेतृत्व बिहार चुनाव के लिए मैदान में उतर आया है। बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह नेताओं के साथ चंपारण की जमीन पर उतर गए हैं। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा वैशाली में हैं। बिहार कांग्रेस के प्रभारी शाहनवाज आलम सीमांचल के पूर्णिया, अररिया और बेगूसराय में हैं। चुनाव में अभी काफी समय बचा है लेकिन पार्टी ने वार रूम के पुनर्गठन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इन सारी कवायदों को कांग्रेस चुनावी तैयारी से जोड़ रही है।

ऐसा ही है भी लेकिन सुस्त इमेज वाली पार्टी का इतना पहले एक्टिव मोड में आ जाना सीट शेयरिंग की टेबल पर जाने से पहले होमवर्क से जुड़ा भी बताया जा रहा है। कांग्रेस नेतृत्व की कोशिश है कि जमीनी आधार पर जीतने योग्य सीटें चिह्नित की जाएं और फिर उन्हें हासिल करने के लिए जोर लगाया जाए।

दुनिया के हिंदू महाकुंभ पहुंचे

तीर्थराज प्रयाग के महाकुंभ में करोडों की नहाई-खाई भीड ने पूरे विश्व को चौंका दिया है। इतिहास को खंगालने पर भी किसी नदी के तट पर कभी भी इस तरह की श्रद्धालुओं की दीवानगी कहीं भी देखने को नहीं मिलती है। इस जनसैलाब में आखिर वह कौन सा भाव है जिससे संपूर्ण भारत और विश्व भर में फैले हुए सनातनी-हिंदू प्रयागराज पहुंच कर गंगा में डुबकी लगाकर अपने को धन्य मान रहे हैं। महाकुंभ में उतरा जनसमूह भारतीय दृष्टि की एक तरह की क्रांति ही मानी जा रही है। देखा जाए तो भारत ने सदैव धार्मिक-आध्यात्मिक-सांस्कृतिक पुनर्जागरण की बात की। यहां क्रांति का अर्थ ऐसे परिवर्तन से है जो व्यक्ति से निकलते हुए समूह, समाज, राष्ट्र और विश्व तक पहुंचता है। इसके लिए परिवर्तन के आधुनिक नारे, युद्ध आदि की आवश्यकता नहीं होती। अरविंद घोष, स्वामी विवेकानंद ,स्वामी दयानंद आदि ने हमेशा भारत की आध्यात्मिक क्रांति की सोच को सामने रखा। 15 अगस्त, 1947 के अपने संदेश में अरविंद ने राजनीतिक क्रांतिकारी जीवन का परित्याग कर अध्यात्म का रास्ता अपनाया और सैकड़ों क्रांतिकारियों ने उसका वरण किया। गांधीजी भी कहते थे कि भारत में ही दुनिया को रास्ता दिखाने की क्षमता है और धर्म ऐसा क्षेत्र है जिसमें वह सबसे बड़ा हो सकता है। उसके पीछे यही दृष्टि थी। भारत में जब-जब समस्या हुई कोई गुरुनानक, शंकराचार्य, कोई रामानुजाचार्य, कोई महात्मा बुद्ध बन कर अध्यात्म और ज्ञान का प्रकाश फैलाया। उनके द्वारा अपनाए गए धर्म के रास्ते का आज तक गहरा असर देखा जा रहा है। इसी भाव को भारत में फिर से पैदा करने की आवश्यकता थी। भारत इस रूप में बदल रहा है और विश्व में उसके उत्थान का समय है। धर्म भारतीय जीवन का मूल रहा है। कहा गया है कि जितनी संख्या में लोग धर्मोन्मुख होंगे, उनसे निकलने वाली दिव्य ऊर्जाएं संपूर्ण ब्रह्मांड के कल्याण का वाहक बनती जाएंगी। किस तिथि, किस काल में किस तरह की दिव्य ऊर्जाएं और शक्तियां कौन सा कर्मकांड करने पर हमें सकारात्मक परिणाम देंगी, इसकी सूक्ष्मतम गणना थी। इसी गणना के अनुसार कुंभ सहित हमारी बाकी धार्मिक परंपराएं निर्धारित रहीं। अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन को भी परिवर्तन के उस अध्याय में सदा याद किया जाएगा, जिसने महाकुंभ के प्रचार से लोगों में वहां तक पहुंचने का भाव पैदा किया। भारतीय राजसत्ता ने महाकुंभ का पूरा प्रचार कर लोगों के अंदर वहां जाकर स्नान करने की प्रेरणा दी। परिणाम य दिखा कि भारतीय दृष्टि से इस धार्मिक-आध्यात्मिक-सांस्कृतिक क्रांति का वाहक मोदी और योगी की सरकार को माना गया। देश भर से आए लोगों ने प्रयागराज और गंगा स्नान की मुक्तकंठ से प्रशंसा की है। आज महाशिवरात्रि का दिन है और महाकुंभ का अंतिम स्नान। जाहिर है इसमें डुबकी लगाने के लिए पूरे देश से करोडों श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच कर पहले से ही डेरा जमा चुके हैं। वे आज गंगा स्नान कर अपने को धन्य समझेंगे।

सनातनी होना गर्व की बात

संजीव ठाकुर

वेद तथा सनातनी ग्रंथों से मानव जीवन परिष्कृत होता है और सदाचार तथा वैदिक धर्म का ज्ञान मानव धर्मार्थ की खोज में एक यज्ञ की तरह है 1 भारतीय ऋग्वेद, अथर्ववेद और अनेक वेदों में इतनी शक्ति ऊर्जा और अर्थ छुपा हुआ है कि उसका अध्ययन मनन और चिंतन करने से भारत विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है। भारत की योग विद्या पूरे विश्व में अमेरिका सहित यूरोप में अपनाई गई है। यह अलग बात है कि कुछ देशों के प्रशासको द्वारा अपनी सनक एवं विस्तार वादी मानसिकता के कारण यूक्रेन में युद्ध की स्थिति बन कर पूरे विश्व में वैश्विक युद्ध की संभावनाएं बन गई हैं। इसका हल मी भारतीय संस्कृति संस्कारों में छुपा हुआ है उसे बस अपनाने की जरूरत है। भारतीय संस्कृति आज महावीर तथा बुध के पूरे विश्व में करोड़ों अनुयाई हैं, और दोनों ने श्रम तथा सार्थकता को जीवन में अपनाने को ही महत्व दिया था। सफलता उनके लिए मिथ्या के बराबर ही थी 1 गुरु नानक देव द्वारा प्रतिपादित सरबत दा भला, हो या महात्मा गांधी का सर्वोदय, ईसा मसीह की करुणा, मोहम्मद साहब, टैगोर का मानवतावाद या नेहरू का अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रवाद जीवन के श्रम तथा सार्थकता की खोज में बड़े महत्वपूर्ण उदाहरण है1 व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर देखा जाए तो महज रोजगार की तलाश विवाह संतानोत्पत्ति,बच्चों का भरण पोषण तथा सेवानिवृत्ति ही जीवन नहीं है। इसमें सामुदायिक श्रम और सार्थकता का समावेश होना समीचीन है1 हालांकि इस बात में कोई दो मत नहीं कि पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन समाजिक मूलभूत आवश्यकता है1 पर इसके साथ साथ कुछ ऐसा सार्थक श्रम किया जाना चाहिए जो न केवल आत्मिक संतोष का अनुभव प्रदान करें, बल्कि सामाजिक हित और वैश्विक शांति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, और समाज को दिशा देने वाली कोई परिणति समाज के सम्मुख प्रकट हो 1 जिससे समाज के लोगों का जीवन परिष्कृत हो1 इसी संदर्भ में राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, सर सैयद अहमद खान,दयानंद सरस्वती, विवेकानंद ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अभियान चलाकर जीवन में श्रम तथा सार्थकता का महत्व बढ़ाकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया था। यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि जीवन की असली खोज श्रम सार्थकता की उपलब्धि ना होती और तथाकथित सफलता के शिखर पर व्यक्ति बैठ जाता है और शांत हो जाता,तो सफलता के शिखर पर बैठे बिलगेट, वारेन बुफेट जैसे लोग अपनी अकूत संपत्ति का बड़ा भाग सामाजिक उद्देश्य के लिए दान नहीं करते। सुंदरलाल बहुगुणा चिपको आंदोलन चलाकर जल तथा पर्यावरण संरक्षण की बात नहीं करते। कैलाश सत्यार्थी बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बाल संरक्षण के अधिकारों का झंडा बुलंद नहीं कर पाते। थॉमस अल्वा एडिसन, आइंस्टीन,मैडम क्यूरी और राइट बंधुओं के श्रम और सार्थकता के प्रयास में ही सफलता का परचम फैलाया है। पर इन सब के पीछे उनकी असाध्य मेहनत और दिमागी सार्थकता ही मुख्य कारक बन कर उन्हें उत्प्रेरित करती रहे है। पर दूसरी तरफ यह भी सत्य है कि जीवन में सार्थकता की खोज सफलता के अभाव में संभव नहीं है। क्योंकि श्रम और सार्थकता का महत्व तभी तक है जब तक वह सफल ना हो,परंतु सफलता ही मनुष्य की अंतिम परिणति नहीं होनी चाहिए।

अन्यथा जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व नगण्य में होने की संभावना बनी रहती है। अतः श्रम मेहनत और सार्थकता समेकित रूप से मिलकर एक बड़ी सफलता को जन्म देते हैं।श्रम तथा सार्थकता तभी प्राप्त होती है, जब सफलता का आधार प्राप्त हो जाए। पर मूलत सफल होना ही पर्याप्त नहीं है। और जीवन की असली खोज निरंतर श्रम तथा सार्थकता है।

एनडीए की एकजुटता का संदेश दे गए मोदी

कुमार कृष्णन

बिहार के भागलपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभा से बिहार में आगामी चुनावों से पहले बड़ी राजनीतिक हलचल तेज हो गयी है। अपने भाषण में जहां भारत सरकार और बिहार सरकार की उपलब्धियां बताईं तो वहीं कांग्रेस और आरजेडी पर भी जमकर हमला किया। सीधे-सीधे बगैर नाम लिए लालू प्रसाद यादव प्रधानमंत्री मोदी के निशाने पर रहे तो बीच-बीच में कांग्रेस पर भी खरी खोटी सुनाते रहे। अपनी सभा में विपक्ष पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जंगलराज वालों को हमारी धरोहर और आस्था से नफरत है। इस समय प्रयागराज में एकता का महाकुंभ चल रहा है। यह भारत की एकता और समरसता का प्रतीक है। पूरे यूरोप की जनसंख्या से ज्यादा लोग अब तक कुंभ में डुबकी लगा चुके हैं। बिहार से गांव-गांव के लोग कुंभ में डुबकी लगा रहे हैं लेकिन, यह जंगलराज वाले लोग महाकुंभ को गाली दे रहे हैं। भद्दी-भद्दी गालियां दे रहे हैं। राम मंदिर को कोसने वाले लोग महाकुंभ पर टिप्पणी कर रहे हैं। ऐसे लोगों को बिहार कभी माफ नहीं करेगी। जनता सब देख रही है। यह कहते हुए पीएम नरेंद्र भारत माता के जयकारे लगाए और अपना संबोधन समाप्त किया।प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और जंगलराज वालों ने बिहार को बदनाम किया, बिहार को पीछे धकेला लेकिन, अब एनडीए सरकार के नेतृत्व में बिहार को वहीं पहचान मिलेगी जो भगवान बुद्ध और सम्राट अशोक के समय में हुआ करती थी। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में शुरू हुई कई योजनाओं ने नाम भी गिनाएं। उन्होंने कहा कि भागलपुर वैश्विक ज्ञान का केंद्र हुआ करता था। हम नालंदा विवि के प्राचीन गौरव को आधुनिक भारत से जोड़ने का काम कर रहे हैं। जल्द ही केंद्र सरकार विक्रमशिला विवि को सेंट्रल यूनिवर्सिटी बनाने जा रहे हैं। इसपर काम भी शुरू हो चुका है। सरकारी उपेक्षा का दंश झेल रहे विक्रमशिला महाविहार के ऐतिहासिक एवं गौरवशाली अतीत के पुर्नजीवित करने के लिए पिछले चुनावी माहौल में प्रधानमंत्री द्वारा विक्रमशिला केन्दीय विश्वविद्यालय स्थापना की न सिर्फ घोषणा की गयी थी, वरन्‌ इसपर त्वरित कार्यवाई करते हुए स्वीकृति-पत्र भी जारी किया गया था और भूमि-अधिग्रहण सरीखे प्रारंभिक कार्यों के बावत करोड़ों के आबंटन भी मुहैय्या कराये गये थे। भूमि का पेंच अभी तक उलझा हुआ है। इतना ही नहीं ,राष्ट्रीय तथा अंतराष्ट्रीय बौद्ध जगत में महत्वपूर्ण स्थान रखने तथा गौतम बुद्ध द्वारा विक्रमशिला के निकट बुद्धासन के परिदर्शन के बावजूद विक्रमशिला को अभी तक बौद्ध सर्किट में शामिल नहीं किया गया है जबकि भगवान बुद्ध द्वारा प्रदर्शित अन्य स्थान बौद्ध सर्किट में शामिल हैं। विडम्बना तो है कि भारत सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा संसद मे सितम्बर 2012 में विक्रमशिला को बौद्ध सर्किट में घोषणा की गयी थी। अपने समय में नालंदा से भी अधिक अहमियत रखनेवाली एवं विरल पुरातत्वविक महत्व की सामग्री सहेजे रखने के बाद भी विक्रमशिला को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल करने की दिशा में भी पहल नहीं की गयी। हद तो तब हो गयी विक्रमशिला का घरोहर हमारी संस्कृति का आधार स्तंभ है। बावजूद इसके भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा अस्सी के दशक में पुराविद् डॉ बी.एस.वर्मा के नेतृत्व में खुदाई के बाद विक्रमशिला की पहचान बनी किंतु उस समय मुख्य स्तूप की ही खुदाई हो पायी और आसपास के महत्वपूर्ण स्थल छूट गए जिसके उत्खनन की दिशा में अब तक कोई पहल नहीं की गयी है। यहां दफन हैं कई राज। दरअसल इस महत्वपूर्ण स्थल को सरकार ने पूरी तरह से हाशिये पर रखा है। पर्यटन के मानचित्र पर भी उपेक्षित है। पुरातत्व तथा पर्यटन संबधी बिहार सरकार के किसी भी प्रकाशन तथा प्रचार सामग्री में विक्रमशिला की चर्चा नहीं है। विक्रमशिला परिदर्शन को आनेवाले पर्यटकों तथा बौद्ध धर्मावलंवियों के लिए सड़क, पेयजल, शौचालय, विश्रामागृह, वायुसेवा जैसी सुविधाए नगण्य हैं । इस बार के संबोधन में फिर बिक्रमशिला की याद आयी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भागलपुर स्थित हवाई अड्डा से किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त के रूप में 22 हजार करोड़ रुपये 9.8 करोड़ किसानों के खाते में हस्तांतरित किया। सम्मान निधि के रूप में हर किसान के खाते में दो हजार रुपये भेजे गए। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हमारे साथ देश के कोने-कोने से कई मुख्यमंत्री और करोड़ों किसान जुड़े हैं। महाकुंभ के समय में मंदरांचल की इस धरती पर आना सौभाग्य की बात है। इस धरती में आस्था विरासत और विकसित भारत का सामर्थ्य है। यह तिलकामांझी की धरती है। सिल्क सिटी है। बाबा अजगैवीनाथ की धारा में महाशिवरात्रि की भी तैयारी चल रही है। ऐसे समय में मुझे पीएम किसान निधि की किस्त किसानों को भेजने का सौभाग्य मिला है। एक क्लिक पर 9.8 करोड़ किसानों के खाते में पैसे गए हैं। यहां मौजूद किसान भी देख रहे थे पैसा उनके खाते में आया कि नहीं। उनकी आंखों में चमक दिखी। बिहार के 75 लाख किसानों के खाते में 16 करोड़ रुपये गए। प्रधानमंत्री ने लाल किले से कही बातों को दोहराते हुए कहा, साथियों मैंने लाल किले से कहा था कि विकसित भारत के चार स्तंभ है, गरीब, अन्नदाता किसान, युवा और नारी शक्ति। एनडीए सरकार चाहे केंद्र में हो या फिर यहां नीतीश जी के नेतृत्व वाली सरकार, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता में है। किसानों के लिए हमने पूरी शक्ति से काम किया। किसानों को अच्छे बीज, पर्याप्त और सस्ती खाद, सिंचाई, पशुओं का बचाव और आपादा से नुकसान की भरपाई चाहिए। जो लोग लोग पशुओं का चारा खा सकते हैं वे इस स्थिति को बदल नहीं सकते। इसे एनडीए ने बदला है। बीते वर्ष में आधुनिक बीज किसानों को दिए गए। पहले किसान यूरिया के लिए लाठी खाते थे। आज पर्याप्त खाद मिलती है। कोराना के समय में भी खाद की कमी नहीं होने दी। अगर एनडीए सरकार नहीं होती तो आज भी हमारे किसान भाई-बहनों को खाद के लिए लाठियां खानी पड़तीं। आज भी बरौनी खाद कारखाना बंद होता। दुनिया के अनेक देशों में खाद की बोरी जो तीन हजार में मिल रही है, हम तीन सौ से कम में दे रहे हैं। एनडीए सरकार नहीं होती तो यूरिया की एक बोरी तीन हजार में मिलती। हमारी सरकार किसानों की भलाई के लिए काम करती है। इस कारण यूरिया और डीएपी के लिए जो खर्च किसान करते, वह सरकार कर रही है। बीते दस साल में करीब 12 लाख करोड़ रुपये इसके लिए बजट में से दिए हैं। एनडीए सरकार नहीं होती तो आपको पीएम किसान सम्मान निधि भी नहीं मिलती। इसके छह साल पूरे हो गए। अभी तक तीन लाख 70 हजार करोड़ रुपये सीधे किसानों के खाते में पहुंच चुके हैं। इसमें कोई बिचौलिया नहीं है। राशि सीधे खाते में जाती है। पहले योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पाता था। बिचौलिये ले लेते थे। मोदी और नीतीश जी किसानों का हक किसी को खाने नहीं देंगे। दलहन और तिलहन में हम आत्मनिर्भर हों, यहां अधिक से अधिक फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगे, किसान खुशहाल हो, इसके लिए सरकार एक से एक कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मक्का, केला और धान पर काम करने वाला एफपीओ खगड़िया में रजिस्टर हुआ है।

राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के प्रतीक हैं देवाधिदेव शिव

योगेश कुमार गोयल

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि, जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 26 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊर्जाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उत्तम अवसर माना जाता है। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिवपुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है। धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, ''जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।''

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे।

प्लेटिनम बार हाई स्कूल का पार्किंग लॉट

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

प्लेटिनम बार हाई स्कूल, जहाँ ज्ञान की रोशनी फैलती है और जहाँ छात्र अपने भविष्य की राह तलाशते हैं, वहीं एक अद्भुत जंगली अनुभव भी होता है—पार्किंग लॉट। यह पार्किंग लॉट न केवल गाड़ियों का ठिकाना है, बल्कि यह असली नाटक का मंच भी है, जहाँ हर दिन एक नई कहानी और नए किरदार आते हैं।

जब सुबह का सूरज अपनी किरणें बिखेरता है, तो छात्र अपने खतरनाक हथियार—यानी उनकी गाड़ियों के साथ इस युद्ध क्षेत्र में प्रवेश करते हैं। आप सोच रहे होंगे कि ये गाड़ियाँ असल में क्या करती हैं? वे बस वहाँ खड़ी होती हैं, मानो यह कोई ग्रैंड पार्टी हो, जहाँ सबको अपना अपना स्थान दिखाना होता है। लेकिन असली मज़ा तब आता है, जब ये गाड़ियाँ अपने-अपने ड्राइवरों के साथ एक अद्भुत नृत्य करती हैं। छात्रों की चालाकी और माता-पिता का साहस इस पार्किंग लॉट को जीवंत बनाता है। जब कोई माता-पिता अपने बच्चे को लेने आता है, तो ऐसा लगता है जैसे वे जंग में उतरे हों। उनकी गाड़ी सीधे पार्किंग में घुसती है, बिना किसी संकेत या सड़क के नियमों का ध्यान रखते हुए। "मैं बस यहाँ एक मिनट के लिए रुक रहा हूँ!" एक पिता चिल्लाता है, जैसे कि उसकी आवाज़ में कोई जादू है जो हर गाड़ी को रुकने पर मजबूर कर देगी। अब आइए बात करते हैं उन "विशेष" छात्रों की, जो अपनी गाड़ियों को किसी सम्राट की तरह पार्क करते हैं। वे गाड़ी को उस जगह पर खड़ी कर देते हैं, जहाँ शायद एक चिड़िया भी नहीं बैठ सकती। फिर भी, कोई भी उन्हें कुछ नहीं कहता। क्यों? क्योंकि वे छात्र हैं। उन्हें हर चीज़ का हक है। यहाँ तक कि पार्किंग में भी। और जैसे ही स्कूल खत्म होता है, पार्किंग लॉट एक महाकुंभ में बदल जाता है। गाड़ियों की लाइनें इतनी लंबी होती हैं कि लगता है जैसे कोई विश्व कप का फाइनल मैच चल रहा हो। माता-पिता अपने बच्चों को खोजने के लिए इस तरह से इधर-उधर घूमते हैं जैसे कि वे किसी खोई हुई चीज़ की तलाश कर रहे हों। "अरे, क्या तुम मेरी गाड़ी देखी?" एक माँ चिल्लाती है, जबकि उसकी गाड़ी उसके ठीक पीछे खड़ी होती है।

फिर आता है वो क्षण, जब किसी एक छात्र का धैर्य जवाब दे जाता है। वह अपनी गाड़ी को तेजी से निकालने की कोशिश करता है, लेकिन जैसे ही वह निकलता है, बाकी सभी गाड़ियाँ उसके चारों ओर घेर लेती हैं।

"मैं बस निकलने वाला हूँ, कोई मुझसे रास्ता दे!" वह चिल्लाता है। लेकिन कोई सुन नहीं रहा होता। क्योंकि पार्किंग लॉट में, हर कोई अपने ही संसार में खोया रहता है। क्या आपको पता है? यहाँ कोई भी नियम नहीं है। रुकने का कोई संकेत नहीं है, कोई "यहाँ पार्क न करें" का बोर्ड नहीं है।

महाशिवरात्रि पर पढ़ें यह व्रत कथा मिलेगा पूजा का संपूर्ण फल

महाशिवरात्रि पर विशेष

महाशिवरात्रि के दिन विधि विधान से भगवान शिव की पूजा करने से मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। इस साल महाशिवरात्रि 26 फरवरी बुधवार को मनाई जाएगी। महाशिवरात्रि पर शिव जी की पूजा में बेलपत्र, धतूरा, भांग, शमी आदि का जितना महत्व है, उतना ही व्रत कथा का भी है। यदि आप महाशिवरात्रि पर व्रत रखकर शिव पूजा कर रहे हैं, तो आपको महाशिवरात्रि की व्रत कथा जरूर पढ़नी चाहिए। शिवपुराण में महाशिवरात्रि की व्रत कथा और उसके महत्व के बारे में बताया गया है। महाशिवरात्रि की व्रत कथा।

महाशिवरात्रि व्रत कथा

महाशिवरात्रि की व्रत कथा एक शिकारी चित्रभानु के बारे हैं, जिसने अनजाने में शिवरात्रि का व्रत और पूजन किया और उसे अंत में मोक्ष की प्राप्ति हुई। शिव पुराण की कथा के अनुसार, एक गांव में चित्रभानु शिकारी रहता था। वह कर्ज के तले दबा हुआ था। कर्ज से उसकी मुक्ति नहीं हो पा रही थी। एक दिन साहूकार आया और उसे पकड़कर एक शिव मठ में कैद कर दिया। उस दिन शिवरात्रि थी। वहां पर चित्रभानु को शिवरात्रि की कथा सुनने को मिली। जब शाम हुई तो चित्रभानु ने उस साहूकार से कहा कि अगर वह उसे छोड़ देता है तो वह अगले दिन उसका कर्ज चुका देगा। उसकी बात पर विश्वास करके साहूकार ने चित्रभानु को छोड़ दिया।

शिकारी चित्रभानु पर कर्ज चुकाने का दवाब था, इसलिए वह सीधे जंगल की ओर भागा, ताकि कोई शिकार मिल जाए। वह जंगल में एक तालाब के पास पहुंचा, जहां एक बेलपत्र का पेड़ था। उस पेड़ के नीचे ही एक शिवलिंग भी था, जो बेलपत्र से ढंक गया था। हालांकि यह बात चित्रभानु को पता नहीं थी। वह बेलपत्र के पेड़ पर चढ़ गया और वहां ठिकाना बना लिया। वहां बैठकर वह शिकार की तलाश करने लगा। उसे भूख और प्यास लगी थी। वह बेलपत्र को तोड़ता और नीचे गिरा देता, जो शिवलिंग पर गिर रहा था। इससे अनजाने में उससे शिवजी की पूजा हो गई।

कुछ देर बाद एक हिरण आई, जिसके पेट में बच्चा था, वह तालाब में पानी पीने आई थी। चित्रभानु उसका शिकार करने को तैयार था। उस हिरण ने चित्रभानु से कहा कि वह गर्भवती है, यदि उसकी हत्या करते हो तो दो लोगों की हत्या का पाप लगेगा। यदि तुम जीवनदान दे दो, तो बच्चे को जन्म देने के बाद वह तुम्हारे पास शिकार के लिए आ जाएगी। हिरण की बात सुनकर चित्रभानु ने उसे जीवनदान दे दिया।

कुछ समय व्यतीत हुआ तो एक दूसरी हिरण वहां आई, चित्रभानु उसका शिकार करना चाहता था। तब उस हिरण ने शिकारी से कहा कि वह पति की तलाश में भटक रही है और काम वासना से पीड़ित है। वह पति से मिलने के बाद शिकार के लिए उपस्थित हो जाएगी। अभी जाने दो। चित्रभानु ने उसे भी जाने दिया।

रात हो गई, काफी समय बीतने के बाद एक हिरण अपने बच्चों के साथ तालाब के किनारे आई। चित्रभानु एक बार फिर शिकार करने के लिए तैयार हो गया। हिरण ने चित्रभानु को देखा तो कहा कि वह उनका शिकार न करे। वह बच्चों के पिता की तलाश कर रही है, वह जैसे ही मिल जाएगा, वह शिकार बनने के लिए उसके पास आ जाएगी। शिकारी को दया आई, उसने उनको भी छोड़ दिया। चित्रभानु बेलपत्र तोड़कर शिवलिंग पर नीचे गिरा रहा था। सुबह होने वाली थी, तभी एक हिरण वहां आया। उसने चित्रभानु से पूछा कि क्या तुमने 3 हिरण और उनके बच्चों का शिकार किया है? यदि तुमने उनको मारा है तो मुझे भी मार दो। अगर उनको नहीं मारा है तो मुझे भी जाने दो। उसने आश्वासन दिया कि परिवार से मिलने के बाद वह शिकार के लिए उपस्थित हो जाएगा। चित्रभानु ने उस हिरण को भी जाने दिया।

इधर चित्रभानु से अनजाने में शिवलिंग की पूजा और रात्रि जागरण हो गई। उस समय उसके मन में दया का भाव उमड़ पड़ा और अब तक किए गए शिकार पर उसे पश्चाताप होने लगा। वह यह सब सोच रहा था, तभी हिरण का पूरा परिवार उसके सामने शिकार बनने के लिए आ गया। चित्रभानु ने उस पूरे हिरण परिवार को जीवनदान दे दिया।

शिकारी चित्रभानु से अनजाने में शिवरात्रि का व्रत हो गया। जब चित्रभानु का अंत समय आया तो उस व्रत के पुण्य प्रभाव से उसे मोक्ष की प्राप्ति हुई। शिव कृपा से उसे शिवलोक में स्थान मिला।

फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 26 फरवरी 2025 को सुबह 11 बजकर 08 पर शुरू होगी और अगले दिन 27 फरवरी 2025 को सुबह 8 बजकर 54 मिनट पर समाप्त होगी.

ये है शिव पूजा का निशिता काल मुहूर्त - देर रात 12.09 - प्रातः 12.59, 27 फरवरी

शिवरात्रि व्रत पारण समय - सुबह 6.48 - सुबह 8.54, 27 फरवरी

महाशिवरात्रि पर 4 प्रहर की पूजा विधि

प्रथम प्रहर में भगवान शिव के ईशान स्वरूप का दूध से अभिषेक करें।

द्वितीय प्रहर में भोलेनाथ के अघोर स्वरूप का दही से अभिषेक करें।

तृतीय प्रहर में शिव के वामदेव रूप का घी से अभिषेक करें।

चौथे प्रहर में महादेव के सद्योजात स्वरूप का शहद से अभिषेक करें।

चार प्रहर की पूजा का मंत्र प्रथम प्रहर में- 'ह्रीं ईशानाय नमः'

दूसरे प्रहर में- 'ह्रीं अघोराय नमः'

तीसरे प्रहर में- 'ह्रीं वामदेवाय नमः'

चौथे प्रहर में- 'ह्रीं सद्योजाताय नमः

शिवरात्रि व्रत में अन्न नहीं खाया जाता, जानिए कैसे व्रत करें सूर्योदय से पहले उठें। पानी में गंगाजल और काले तिल मिलाकर नहाएं।

शिव पूजन करें और व्रत का संकल्प लें। व्रत-उपवास में अन्न नहीं खाएं। पुराणों के अनुसार पूरे दिन पानी भी नहीं पीना चाहिए। इतना कठिन व्रत न कर सकें तो फल, दूध और पानी ले सकते हैं। झूठ न बोलें, दिन में न सोएं और विवाद से बचें। इनसे व्रत टूट जाता है। सुबह-शाम नहाने के बाद शिव मंदिर दर्शन करने जाएं।

शिवलिंग पर बिल्वपत्र चढ़ाते समय किन बातों का ध्यान रखें?

कई दिनों तक पुराने बिल्व के पत्तों को धोकर फिर से शिवलिंग पर चढ़ा सकते हैं

इस परंपरा की वजह समुद्र मंथन से जुड़ी है। पौराणिक कथा है कि जब देवता और दानवों ने मिलकर समुद्र मंथन किया तो सबसे पहले हलाहल विष निकला था। इस विष की वजह से पूरी सृष्टि के प्राणियों के प्राण संकट में आ गए थे। तब सृष्टि की रक्षा के लिए भगवान शिव ने हलाहल विष को अपने गले में धारण कर लिया था। विष के प्रभाव से शिव जी के शरीर में गर्मी बढ़ने लगी थी। उस समय सभी देवी-देवताओं ने शिव जी पर शीतल जल चढ़ाया और बिल्व पत्र खिलाए थे। बिल्व पत्र से विष का प्रभाव कम हो गया और शिव जी के शरीर की गर्मी भी शांत हो गई। तभी से शिव जी बिल्व पत्र चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई है।

बिल्व वृक्ष से जुड़ी खास बातें

शिव पुराण में लिखा है कि बिल्व साक्षात भगवान शिव का ही स्वरूप है। बिल्व को श्रीवृक्ष भी कहा जाता है। श्री महालक्ष्मी का एक नाम है। इस कारण बिल्व की पूजा से महालक्ष्मी की भी कृपा मिलती है। बिल्व के पेड़ की जड़ों में देवी गिरिजा, तने में महेश्वरी, शाखाओं में दक्षायनी, पत्तियों में पार्वती, फूलों में गौरी और फलों में देवी कात्यायनी का वास माना गया है।

बिल्व पत्र के बिना शिव पूजा अधूरी मानी जाती है। बिल्व के पेड़ को शिवद्रुम भी कहा जाता है। बिल्व पत्र किसी भी माह, किसी भी पक्ष की चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, द्वादशी, चतुर्दशी तिथि, अमावस्या, पूर्णिमा, संक्रांति और सोमवार को नहीं तोड़ना चाहिए।

बिल्व पत्र तोड़ने के लिए सुबह का समय सबसे अच्छा होता है। दोपहर के बाद बिल्व पत्र नहीं तोड़ना चाहिए।

अगर इन वर्जित तिथियों पर बिल्व पत्र की आवश्यकता हो तो एक दिन पहले ही ये पत्ते तोड़ लेना चाहिए।

अगर सोमवार को बिल्व पत्र की जरूरत है तो उससे एक दिन पहले रविवार को ही बिल्व पत्र तोड़कर रख लेना चाहिए।

वर्जित तिथियों पर बिल्व पत्र की जरूरत हो तो बाजार से खरीदकर पूजा में बिल्व पत्र का उपयोग कर सकते हैं। अगर बाजार में भी बिल्व पत्र न मिले तो शिवलिंग पर चढ़े हुए पुराने बिल्व पत्र धोकर फिर से पूजा में इस्तेमाल कर सकते हैं।

बिल्व पत्र को कई दिनों तक बार-बार धोकर पूजा में उपयोग किया जा सकता है। शिवलिंग पर चढ़ाया गया बिल्व पत्र कभी बासी नहीं माना जाता है।

बिल्वपत्र चढ़ाते समय इस मंत्र का जप करें - त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुतम। त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम्।। इस मंत्र का अर्थ ये है कि तीन गुण, तीन नेत्र, त्रिशूल धारण करने वाले और तीन जन्मों के पापों का संहार करने वाले हे! शिवजी मैं आपको त्रिदल बिल्वपत्र अर्पित करता हूं।

राशि अनुसार करें शिव पूजा, कम हो सकता है कुंडली के ग्रह दोषों का असर

वृष राशि के लोग शिवलिंग पर चढ़ाएं गन्ने का रस

मेष राशि - ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, मेष राशि के लोग शिवलिंग पर कच्चा दूध और दही चढ़ाएं। कर्पूर जलाकर आरती करें। दूध-दही का दान करें।

वृषभ राशि - इन लोगों को शिवलिंग का गन्ने के रस से अभिषेक करना चाहिए। पूजा में इत्र चढ़ाएं। गन्ने के रस का दान भी करें।

मिथुन राशि - इन लोगों को महाशिवरात्रि पर स्फटिक के शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। गुलाल, कुमकुम, चंदन, इत्र भी अर्पित करें।

कर्क राशि - कर्क राशि के लोग शिवलिंग पर जल चढ़ाएं और फिर शिवलिंग पर चंदन का लेप करें। फूलों से श्रृंगार करें। मिठाई का भोग लगाएं। मंदिर में चंदन का दान भी करें।

सिंह राशि - महाशिवरात्रि पर अलग-अलग फलों के रस से शिवलिंग का अभिषेक करें। आंकड़े के फूल चढ़ाएं और मीठा भोग लगाएं। जरूरतमंद रोगियों को फलों का रस दान करें।

कन्या राशि - जिन लोगों की राशि कन्या है, वे लोग जल में कर्पूर मिलाकर भगवान का अभिषेक करें। धतूरा, आंकड़े के फूल से श्रृंगार करें। बिल्व पत्र पर मिठाई रखकर का भोग लगाएं।

तुला राशि - ये लोग पानी में गंगाजल और गुलाब जल मिलाकर अभिषेक करें। पूजा के बाद गुलाब का इत्र दान करें।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि के लोग पानी में शहद और घी मिलाएं और फिर शिवलिंग को स्नान कराएं। इसके बाद पवित्र जल से अभिषेक करें। पूजा के बाद शहद का दान भी करें।

धनु राशि - शिव जी की विशेष पूजा करें। पूजा में मिठाई के साथ ही काजू-बादाम का भोग भी लगाएं। बिल्व पत्र चढ़ाएं। चावल की खीर का दान करें।

मकर राशि - मकर राशि के लोग शिवलिंग की विधिवत पूजा करें। पूजा में अपने सामर्थ्य के अनुसार गेहूं रखें। पूजा के बाद गेंहू दान करें।

कुंभ राशि - जिन लोगों की राशि कुंभ है, उन लोगों को पूजा में शिवलिंग पर काले तिल चढाना चाहिए। इसके बाद विधिवत पूजा करें। जरूरतमंद लोगों को तिल का दान भी करें।

मीन राशि - इस राशि के लोग पीपल के नीचे बैठकर शिव पूजा करें। ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें। पूजा में बेसन के लड्डू का भोग लगाएं। पूजा के बाद चने की दाल दान करें।

शिव विवाह नहीं शिवलिंग के प्रकट होने का दिन है महाशिवरात्रि

महाशिवरात्रि को लेकर मान्यता है कि इस दिन शिव-पार्वती का विवाह हुआ था, लेकिन शिव पुराण सहित किसी भी ग्रंथ में इस बात का कोई जिक्र ही नहीं है।

शिव पुराण में लिखा है कि फाल्गुन महीने के शुक्ल पक्ष के चौदहवें दिन यानी चतुर्दशी तिथि पर पहली बार शिवलिंग प्रकट हुआ था। तब भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी ने शिवलिंग की पूजा की। इसी दिन को शिवरात्रि कहा गया।

शिव पुराण के 35वें अध्याय में लिखा है कि शिव विवाह अगहन महीने के कृष्ण पक्ष के दूसरे दिन हुआ था। ये तिथि इस साल 7 नवंबर को आएगी।

शिवरात्रि पर शिव विवाह मनाने की परंपरा कब से शुरू हुई इस बारे में लिखित जानकारी नहीं है। काशी और उज्जैन के विद्वानों का कहना है कि शिवलिंग के निचले हिस्से में पार्वती का भी स्थान होता है। शिवरात्रि पर महादेव की पूजा रात में होती है। पार्वती के बिना शिव पूजन अधूरा रहता है, इसलिए इस रात को शिव-शक्ति मिलन के पर्व के तौर पर मनाया जाने लगा।

अलग-अलग टीवी शो में 11 बार भगवान शिव का किरदार निभा चुका है टीवी एक्टर तरुण खन्ना

26 फरवरी को महाशिवरात्रि है। महाशिवरात्रि पर माता पार्वती से भगवान शंकर का विवाह हुआ था। शिवभक्तों के लिए ये दिन बेहद खास होता है। आज हम आपको एक ऐसे एक्टर के बारे में बताने वाले हैं जिसपर शिवजी की असीम कृपा रही है। क्योंकि परदे पर उसे एक-दो बार नहीं 11 बार महादेव का रोल निभाने का मौका मिला है।

तरुण खन्ना ने 9 साल में 11 बार निभाया महादेव का किरदार

भारतीय टीवी एक्टर तरुण खन्ना वो पहले एक्टर हैं जिन्होंने एक ही किरदार 11 बार अलग-अलग टीवी सीरियल में निभाया है। ऐसा करके उन्होंने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। टीवी पर भगवान शिव बनने से पहले तरुण खन्ना ने कुछ शोज़ में विलेन का किरदार निभाया था। साल 2015 में एंड टीवी के शो 'जय संतोषी मां' में भगवान शिव का किरदार निभाने को मिला। इसके एक साल बाद ही साल 2016 में सिद्धार्थ कुमार तिवारी के शो 'कर्मदाता शनि' में तरुण भगवान शिव के रोल में नजर आएं। इसके बाद साल 2018 में परमवीर श्रीकृष्ण में भी तरुण ने शिवजी का रोल निभाया। साल 2018 में राधा कृष्णा, साल 2019 में लव कुश और फिर नमः सीरियल में तरुण खन्ना ने ही शिवजी का रोल निभाया। इसके बाद एक बार फिर तरुण शंकरजी का रोल निभाने जा रहे हैं।

वीर हनुमान- बोलो बजरंग बली की जय में फिर से शिवजी के रोल में दिखेंगे तरुण खन्ना

सब टीवी पर जल्द ही नया सीरियल शुरू होने वाला है, जिसका नाम है 'वीर हनुमान – बोलो बजरंग बली की जय'। शो की अनाउमंसमेंट हाल ही में हुई है और इस शो में भी एक्टर तरुण खन्ना भगवान शिव के किरदार में दिखाई देने वाले हैं। तरुण इस शो के लिए बेहद उत्साहित हैं। पिछले साल कलर्स टीवी के सीरियल 'शिव शक्ति' में तरुण 'भगवान इंद्र' के रोल में नजर आए थे, वो चाहते थे कि भगवान शिव के अलावा भी वो और किरदार में नजर आए। लेकिन ऑडियंस भी उन्हें शिव के रोल में देखना चाहती है और शायद शिवजी भी यही चाहते हैं, तभी तो बार-बार घूमफिरकर उन्हें ही शिवजी का रोल ऑफर किया जाता है।

हनुमान के रोल में दिखेंगे माहिर गांधी

'वीर हनुमान – बोलो बजरंग बली' टीवी शो में जहां भगवान शिव की भूमिका में तरुण खन्ना नजर आएंगे। वहीं इस सीरियल में हनुमानजी का किरदार मशहूर एक्टर माहिर गांधी निभाएंगे। माहिर पहली बार किसी पौराणिक शो में काम करने वाले हैं और इस शो के लिए वो काफी मेहनत कर रहे हैं। सब टीवी के अलावा ये टीवी सो आप ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर देख सकते हैं।

'बहुत ही घटिया था', अक्षरा सिंह के बाद रणवीर इलाहाबादिया के भद्दे कमेंट पर रानी चटर्जी ने दिया रिएक्शन

समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में रणवीर इलाहाबादिया ने पेरेंट्स को लेकर भद्दा कमेंट किया था, जिसे लेकर काफी बवाल मचा। उनके खिलाफ विवाद इस कदर बढ़ गया कि मामला संसद पहुंच गया और धमकियां तक मिलने लगीं। इतना ही नहीं, शो के एपिसोड्स तक को यूट्यूब से हटा दिए गए। अलग-अलग राज्यों में शिकायत दर्ज कराई गई। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से भी फटकार लगी। बिना इजाजत विदेश यात्रा तक पर रोक लग चुकी है। ऐसे में अभी ये विवाद शांत नहीं हुआ है। एक के बाद एक अब भोजपुरी सेलेब्स पर भी इस मामले पर रिएक्शन दे रहे हैं और रणवीर इलाहाबादिया के भद्दे कमेंट की निंदा कर रहे हैं। इसी बीच अब भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने भी अपनी प्रतिक्रिया दर्ज कराई है।

रानी चटर्जी ने रणवीर इलाहाबादिया के विवादित बयान पर जनसत्ता.कॉम को अपना रिएक्शन दिया। भोजपुरी एक्ट्रेस ने यूट्यूबर के इस बयान की निंदा की और सीधे शब्दों में घटिया बताया। रानी से जब रणवीर के बयान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'घटिया बात की थी।' एक्ट्रेस ने उनके इस भद्दे कमेंट की कड़ी निंदा की।

क्या बोली थीं अक्षरा सिंह?

आपको बता दें कि रानी चटर्जी से पहले भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने रणवीर इलाहाबादिया के विवादित कमेंट पर रिएक्शन दिया था। उन्होंने हिंदी रश से बातचीत में कहा था कि उन्होंने एक वीडियो क्लिप देखी थी, जो काफी कम समय की थी। एक्ट्रेस ने माना कि इसमें पेरेंट्स के लिए काफी गंदा कहा था। अक्षरा ने बेबाकी से इसे लेकर कहा था, 'पेरेंट्स को अब आप नंगा ही कर दोगे चीजों को तो फिर कुछ बचता नहीं है। फिर हटा दो सारे रिश्ते, हटा दो मर्यादा, हटा दो इन लाइन जो होती है। समाज से खत्म कर दो। आ जाओ फिर मॉडर्न लाइफ पर।'

इसके साथ ही अक्षरा सिंह ने सोशल मीडिया कॉन्टेंट पर बिल लाए जाने के मामले पर भी बात की थी और इस पर सहमति जताते हुए कहा था कि अगर ऐसी चीजें संसद तक में पेश हुई हैं तो ये बहुत ही अच्छी बात है। अभिनेत्री ने कहा था कि अगर ये भोजपुरी में भी लागू तो और भी अच्छी बात है।

इंटरव्यू में कहा जाता है कि इसकी वजह से उनके भी कॉन्टेंट को डिलीट कर दिया जाएगा तो इस पर वो खुशी जताती हैं और कहती हैं, 'अगर समाज की भलाई के लिए ऐसा है तो अच्छी बात है।' अक्षरा कहती हैं, 'मैं भी इस बारे में सरकार से मिलूंगी और बात करूंगी कि इसे भोजपुरी में भी लागू करना चाहिए।'

जब शाहरुख खान का इंटरव्यू नहीं ले पाए आयुष्मान खुराना

शाहरुख खान से मिलना और उनसे बात करना सबका सपना होता है। ऐसा ही एक सपना आयुष्मान खुराना ने भी देखा था। आयुष्मान ने बॉलीवुड बादशाह से बातचीत में बताया कि वे इस अवसर के बेहद नजदीक पहुंच गया था, हालांकि उनका ये सपना पूरा नहीं हो सका।

आयुष्मान खुराना ने कही ये बात

आयुष्मान खुराना ने कहा कि किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया और यह कभी पूरा नहीं हुआ, जिससे वह निराश हो गए, लेकिन आयुष्मान को शायद ही पता ही जानते होंगे कि आखिरकार स्थिति बदल जाएगी और वह शाहरुख के साथ मंच साझा करेंगे, उनके साथ प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोहों की मेजबानी करेंगे।

आयुष्मान ने कही ये बात

हाल ही में, आयुष्मान ने यादों को ताजा किया और महसूस किया कि सुपरस्टार के लिए लगभग चार से पांच घंटे इंतजार करने के बावजूद शाहरुख के साथ उनका लंबे समय तक रुका हुआ इंटरव्यू नहीं हो पाया। गलता प्लस के साथ बातचीत में आयुष्मान ने कहा,₹उस समय मैं अलग था। मैं शायद कोई भूमिका मांगता, मैं एक संघर्षशील अभिनेता था। उन्होंने बताया, 'सर, मुझे रोल दे दो; मैं एक्टर बनना चाहता हूं'।

शाहरुख के लिए पत्र में लिखी ऐसी बात

आयुष्मान ने कहा, मैंने शाहरुख खान के लिए एक नोट भी लिखा था। मैं पवई गया, जहां वे कमर्शियल कार की शूटिंग कर रहे थे। इस पत्र में मैंने लिखा - डियर सर मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं। मैं आपसे हिमाचल प्रदेश के कसोल में मिला था। जहां मैं परिवार के साथ छुट्टियां मनाने गया था। आपने वहां लाल रंग का सूट पहना था और आप माया मेमसाब फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। मैं बच्चा था और मैंने डेनिम शॉर्ट पहना था। अब मैं 22 साल का हो गया हूं और अभिनेता बनना चाहता हूं।

'मैं भी शादी करना चाहती हूं', ब्रेकअप के बाद सुष्मिता सेन ने बताया मैरिज प्लान

सिनेमा जगत में एक्टर और एक्ट्रेस का शूटिंग सेट पर करीब आना आम बात है। कई अभिनेता और अभिनेत्रियों का नाम जुड़ता रहा है। कुछ इसमें सच होता है तो कुछ महज अफवाह ही रह जाती हैं। 90 के दशक में भी कई ऐसे एक्ट्रेसेस रही हैं, जिनके प्यार के चर्चे खूब रहे हैं लेकिन, उन्हें आज तक जीवनसाथी नहीं मिला। फैंस उनकी शादी का आज भी इंतजार कर रहे हैं।

इसमें तब्बू और नगमा जैसी अभिनेत्रियों के नाम शामिल हैं। इसी में से एक नाम सुष्मिता सेन का भी है। उनके नाम तो कई सेलेब्स के साथ जुड़े। 16 साल छोटे मॉडल तक को डेट किया लेकिन, प्यार अब तक नहीं मिला। ऐसे में अब 49 साल की एक्ट्रेस ने अपना मैरिज प्लान बताया है। उन्होंने इच्छा जाहिर की है कि वो शादी करना चाहती हैं।

दरअसल, हाल ही में सुष्मिता सेन ने इंस्टाग्राम पर लाइव सेशन में फैंस के साथ बातचीत की। इस दौरान एक फैन ने उनसे उनकी शादी के प्लान के बारे में सवाल किया। इस दौरान अभिनेत्री ने इस सवाल को नजरअंदाज नहीं किया और बेबाकी से फैन के इस सवाल का जवाब दिया। सुष्मिता सेन ने कहा कि वो शादी करना चाहती हैं। वो आगे कहती हैं कि कोई शादी करने लायक मिलना तो चाहिए। ऐसे ही थोड़ी शादी हो जाती है।

सुष्मिता सेन एक पुरानी बात को याद करती हैं और बताती हैं कि वो कहते हैं ना बहुत रोमांटिक तरीके से तो दिल का रिश्ता होता है, दिल तक बात तो पहुंचनी चाहिए, शादी भी कर लेंगे। अब शादी को लेकर एक्ट्रेस के इस रिएक्शन के बाद फैंस की खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा। वो उनकी मैरिज और लाइफ पार्टनर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

रोहमन शॉल से हो चुका ब्रेकअप

सुष्मिता सेन अक्सर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में आ ही जाती हैं। वैसे तो वो अपनी प्राइवेट लाइफ के बारे में बात करना कम ही पसंद करती हैं और लाइमलाइट से भी दूर रहती हैं। लेकिन उन्हें लेकर चर्चाएं होती रहती है। अफवाहों पर भी वो बहुत ही रिएक्ट करना पसंद करती हैं। सुष्मिता सेन का नाम कई सेलेब्स के साथ जुड़ चुका है। इसी में से एक ललित मोदी के साथ उनका नाम भी जुड़ा था और उनकी फोटो भी सोशल मीडिया पर सामने आई थी, जिसके बाद काफी बवाल मचा था और उनके अफेयर के रूमर्स खूब रहे थे। फिर कुछ दिनों के बाद दोनों अलग होने की खबरें भी आई गई थी लेकिन, कभी भी एक्ट्रेस की ओर से इस पर ऑफिशियल मुहर नहीं लगाई गई।

वहीं, सुष्मिता सेन लंबे समय से कश्मीरी मॉडल रोहमन शॉल को डेट करने को लेकर खबरों में रहती थीं। दोनों को अक्सर साथ में देखा जाता रहा है। कहा जाता है कि रोहमन और सुष्मिता लिव इन में रहते थे। लेकिन, अब दोनों अलग हो चुके हैं और आज अच्छे दोस्त हैं।

सुष्मिता सेन का वर्कफ्रंट

इसके साथ ही अगर सुष्मिता सेन के प्रोफेशनल फ्रंट की बात की जाए तो पिछले साल उन्हें वेब सीरीज 'आर्या' में देखा गया था। इसमें उन्होंने काफी तारीफें बटोरी थी। इसके अलावा वो किन्नर गौरी सावंत की बायोपिक पर बनी फिल्म 'ताली' में भी नजर आई थीं। इसमें उनकी परफॉर्मेंस को खूब सराहा गया था।

गोविंदा-सुनीता का 37 साल बाद तलाक हो सकता है : मराठी एक्ट्रेस से अफेयर की चर्चा

भांजे कृष्णा ने कहा- ये मुमकिन नहीं

एक्टर गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा का तलाक हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 61 साल के गोविंदा का 30 साल की मराठी एक्ट्रेस के साथ अफेयर चल रहा है। इस वजह से सुनीता शादी के 37 साल बाद तलाक लेना चाहती हैं। हालांकि इस मामले में अभी तक दोनों ने कोई बयान नहीं दिया है।

उधर, गोविंदा के भांजे और कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक ने मंगलवार को दैनिक भास्कर से कहा कि यह मुमकिन नहीं है। वे दोनों एक-दूसरे से बहुत प्यार करते हैं। जो भी मैटर है, वे आपस में सुलझा लेंगे।

कृष्णा अभिषेक बोले- मामा-मामी तलाक नहीं लेंगे

कृष्णा ने कहा- मामा-मामी तलाक नहीं लेंगे। मुझे नहीं पता कि उनके बीच क्या हुआ है। हो सकता है कि मामा या मामी में से किसी ने कोई स्टेटमेंट दिया हो, जिसे अब बढ़ाया जा रहा है। वे लोग इतने साल से साथ रह रहे हैं। मुझे नहीं लगता है कि इस तरीके से उनका तलाक होगा।

सुनीता ने कहा था- मैं और गोविंदा अलग-अलग घर में रहते हैं

सुनीता ने कुछ समय पहले खुलासा किया था कि वे और गोविंदा साथ नहीं रहते हैं। उन्होंने कहा था- हमारे पास दो घर हैं। एक फ्लैट में मैं बच्चों के साथ रहती हूं, जबकि दूसरे फ्लैट में गोविंदा रहते हैं। गोविंदा काम के सिलसिले में देर रात घर आते हैं। इस वजह से हम साथ नहीं रहते। यह बातें सुनीता ने यूट्यूब चैनल हिंदी रश के इंटरव्यू में कही थीं।

गोविंदा और सुनीता का होगा ग्रे डिवोर्स

अगर गोविंदा और सुनीता का तलाक होगा है, तो इसे ग्रे डिवोर्स कहा जाएगा। दरअसल, जब 25 से 40 साल तक साथ रहने के बाद कोई कपल तलाक लेता है, तो उसे ग्रे डिवोर्स कहते हैं। इन्हें सिल्वर स्प्लिटर्स भी कहते हैं। इस शब्द का प्रचलन अमेरिका और यूरोप में बढ़ा, लेकिन अब भारत में भी यह तेजी से चर्चा में है।

बहन की शादी में गोविंदा से मिली थीं सुनीता

गोविंदा की पत्नी सुनीता ने बताया था कि उनकी बहन की शादी गोविंदा के मामा से हुई थी और इसी शादी में उन्होंने गोविंदा को पहली बार देखा था। उस वक्त वे 9वीं क्लास में थीं और गोविंदा B.COM लास्ट ईयर में थे।

सुनीता ने कहा था, ' मेरे जीजा जी आनंद ने कहा था कि गोविंदा बहुत ही सिंपल आदमी है, जो अपनी मां से बहुत ज्यादा प्यार करता है। जीजा जी ने यह भी कहा कि कोई भी लड़की गोविंदा को इम्प्रेस नहीं कर सकती है। मैंने सोचा कि ऐसा क्या है कि कोई भी लड़की इस लड़के को इम्प्रेस नहीं कर सकती है। मैंने जीजा जी से कहा कि मैं कर सकती हूं। तब उन्होंने ऐसा करने के लिए मुझे चैलेंज दे दिया।' यह बातें सुनीता ने टाइमआउट विद अंकित पॉडकास्ट में कही थीं।

फिल्में हैं पहला प्यार, लव लाइफ के बारे में क्या बोलीं सामांथा रुथ प्रभु?

सामांथा रुथ प्रभु ने तकरीबन एक साल के बाद फिल्म इंडस्ट्री में दोबारा कदम रखा है। वह मा यो सा इ टि स बीमारी से जूझ रही थीं। 'सिटाडेल' फिल्म की एक्ट्रेस ने फिल्म में लौटने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया है कि यह उनका पहला प्यार है।

इन प्रोजेक्ट पर काम करने वाली हैं सामांथा

सामांथा रुथ प्रभु ने न्यूज24 के साथ अपने एक इंटरव्यू में अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात ही है। सामांथा ने बताया है कि वह जल्द ही 'बंगाराम' फिल्म से बतौर फिल्म निर्माता डेब्यू करने वाली हैं। उन्होंने बताया है कि 'रक्त ब्रह्मांड' सीरीज को भी प्रोड्यूज करने वाली हैं। यह सीरीज अभी प्रोडक्शन फेज में है।

फिल्म है सामांथा का पहला प्यार

सामांथा रुथ प्रभु ने बताया 'मुझे जल्द ही रक्त ब्रह्मांड को खत्म करके दूसरी फिल्मों का काम पूरा करना है, जो अगले महीने में रिलीज होने वाली हैं। एक या दो महीने में बहुत काम हैं जो खत्म करने हैं।' उन्होंने फिल्मों को लेकर अपने प्यार के बारे में बताया है। मुझे लगता है कि फिल्मों से मेरी दूरी अब खत्म हो चुकी। यह मेरा पहला प्यार है। सामांथा रुथ प्रभु को पिछली बार 'सिटाडेल; हनी बनी' में वरूण धवन के साथ देखा गया था। फिल्म का निर्देशन राज डीके ने किया था।

लव लाइफ को प्राइवेट रखेंगी सामांथा

सामांथा रुथ प्रभु ने इंटरव्यू में बताया है कि अपनी लव लाइफ को बहुत प्राइवेट रखेंगी। उन्होंने कहा कि 'सामांथा सिंगल हैं। मुझे नहीं लगता कि मैं दोबारा अपनी लव लाइफ के बारे में किसी से बात करूंगी। ये ये मेरी जिंदगी का हिस्सा है, मैंने इसे बहुत ही निजी रखने के बारे में सोचा है। मैं इसके बारे में दोबारा बात नहीं करूंगी।'

'छावा' से हटाए गए सीन पर दिव्या दत्ता ने तोड़ी चुप्पी बोलीं, 'अगर ये फिल्म में होता तो मुझे खुशी होती'

विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' में दिव्या दत्ता ने अहम भूमिका निभाई है। फिल्म में दिव्या के किरदार को लेकर काफी चर्चा हो रही है। फिल्म में उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की दूसरी पत्नी राजमाता सोयराबाई की भूमिका निभाई थी। छावा से दिव्या के किरदार को हटाने को लेकर भी चर्चा हो रही है।

दिव्या दत्ता ने निभाया शानदार रिकॉर्ड

राजमाता सोयराबाई को छत्रपति संभाजी महाराज के खिलाफ साजिश रचते हुए दिखाया गया है, ताकि उनके बेटे राम राजे को राजा बनाया जा सके। हटाए गए दृश्य में उनके अपने भाई और संभाजी महाराज के मामा हंबीरराव मोहिते के साथ तीखी बहस दिखाई गई है और जबकि दिव्या को भारतीय सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जा रही फिल्म के संस्करण में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं मिला, हटाए गए दृश्य में उनके प्रभावशाली अभिनय की झलक मिलती है।

सीन हटाने पर कही ऐसी बात

बॉलीवुड बबल से की गई बात में दिव्या ने बताया कि इस फिल्म से हटाया गया दृश्य उनके पसंदीदा दृश्यों में से एक था। दिव्या ने कहा, 'मैं इस सीन को ऑनलाइन देखकर हैरान हूं। ये मेरे पसंदीदा दृश्यों में से एक था। सीन हटाए जाते हैं, यह मेरे हाथ में नहीं है, हां ऐसा होता रहता है। लेकिन बात यह है कि फिल्म को बहुत प्यार मिल रहा है, और मुझे भी बहुत प्यार मिल रहा है।

दिव्या को नहीं है कोई शिकायत

इंटरव्यू में दिव्या ने कहा कि अगर ये सीन फिल्म में होता तो वे बहुत खुश होती, हालांकि ऐसा नहीं हुआ तो भी उन्हें ज्यादा परेशानी नहीं है। न ही कोई शिकायत है। बता दें कि विदेशों में रिलीज हुई फिल्म में दिव्या दत्ता का ये सीन दिखाया जा रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर छाई 'छावा'

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना, अक्षय खन्ना की छावा अब तक 345.25 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है। फिल्म ने सोमवार को बॉक्स ऑफिस पर 18.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म के लिए सभी कलाकारों को बहुत तारीफ मिल रही है।

आपके भी बच्चों का पढ़ाई में नहीं लगता है मन? परेशान होने की नहीं है जरूरत, अभी कर लें यह काम

माता-पिता अपने बच्चों के अच्छे गुणों के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। वे अपने बच्चों का भविष्य संवारने के लिए उन्हें पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करते हैं। बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए अभिभावक उन्हें अच्छे स्कूल में भेजने का प्रयास करते हैं, साथ ही कोचिंग और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराते हैं, ताकि वे मन लगाकर पढ़ सकें और अपनी शिक्षा पूरी कर सकें।

हालांकि, बाल मन स्वाभाविक रूप से पढ़ाई से अधिक खेलकूद में रुचि रखता है। ऐसे में माता-पिता को संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ उनकी रुचि के अनुसार अन्य गतिविधियों में भी हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए, जिससे उनका ठीक तरह से विकास हो सके।

अक्सर देखा जाता है कि बच्चे पढ़ाई के दौरान ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते और उनका दिमाग इधर-उधर भटकता रहता है। यह एक सामान्य समस्या हो सकती है, लेकिन सही रणनीतियों को अपनाकर उनकी एकाग्रता बढ़ाई जा सकती है।

बच्चे का ध्यान पढ़ाई में लगाने के लिए उपयोगी टिप्स

सही माहौल बनाएं

पढ़ाई के लिए एक शांत, व्यवस्थित और अच्छी रोशनी वाली जगह तय करें। यह ध्यान रखें कि आसपास का माहौल आरामदायक हो और मोबाइल, टीवी या शोर जैसी चीजें ध्यान भटकाने का कारण न बनें।

छोटे-छोटे ब्रेक दें

लगातार लंबे समय तक पढ़ाई करने से बच्चा जल्दी ऊब सकता है। हर 30-40 मिनट की पढ़ाई के बाद 5-10 मिनट का ब्रेक देना जरूरी है, जिससे वह तरोताजा होकर फिर से ध्यान केंद्रित कर सके।

एक निश्चित रूटीन तैयार करें

पढ़ाई के लिए एक निश्चित समय तय करें और उसे रोजाना फॉलो करने की आदत डालें। इससे दिमाग अनुशासित रहेगा और बच्चा पढ़ाई पर बेहतर ध्यान केंद्रित कर सकेगा।

इंटरैक्टिव लर्निंग को बढ़ावा दें

बच्चे को केवल किताबों तक सीमित न रखें। लिखने, चित्रों, वीडियो और गेमिफिकेशन जैसी तकनीकों का उपयोग करें, जिससे वह रुचि के साथ पढ़ाई कर सके।

बच्चे की रुचि को समझें

यदि किसी विषय में उसकी रुचि कम है, तो उसे रोचक तरीकों से समझाने की कोशिश करें। कहानियों, उदाहरणों और वास्तविक जीवन की घटनाओं के माध्यम से पढ़ाने से उसका ध्यान बेहतर तरीके से केंद्रित रहेगा।

शारीरिक और मानसिक सक्रियता बनाए रखें

पढ़ाई से पहले हल्की एक्सरसाइज, योग या ध्यान (मेडिटेशन) करने से दिमाग सक्रिय और एकाग्र रहता है। इसके अलावा, पर्याप्त नींद और संतुलित आहार भी एकाग्रता बढ़ाने में सहायक होते हैं।

मोटिवेट करें, लेकिन दबाव न बनाएं

बार-बार डांटने या टोकने से बच्चे का ध्यान और अधिक भटक सकता है। सकारात्मक प्रोत्साहन दें और उसकी छोटी-छोटी उपलब्धियों की सराहना करें, जिससे वह खुद के लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित हो सके। अगर आप इन सरल उपायों को अपनाते हैं, तो आपका बच्चा न केवल पढ़ाई में बेहतर ध्यान केंद्रित करेगा, बल्कि उसकी एकाग्रता और सीखने की क्षमता भी बढ़ेगी।

मां-बाप के साथ सोने वाले बच्चों में होती है इन चीजों की कमी, हर अभिभावक के लिए जानना जरूरी

भारत में बच्चे चाहे कितने भी बड़े क्यों न हो जाएं, वो अपने माता-पिता के साथ ही सोना पसंद करते हैं। घरवालों का ऐसा मानना होता है कि अभिभावक के साथ सोने से बच्चे और उनके बीच का रिश्ता मजबूत होता है। कई मायनों में देखा गया है कि ये बात सही भी है।

पर, क्या आप जानते हैं कि बढ़ती उम्र में भी यदि आप अपने बच्चे को अपने साथ सुलाएंगे तो उनके अंदर कई चीजों की कमी आ सकती है। ज्यादातर अभिभावकों को इस बारे में जानकारी होती ही नहीं है। ऐसे में हम आपको आज यहां बताएंगे कि एक उम्र के बाद बच्चों को अलग सुलाना क्यों जरूरी है और यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो बच्चे में किन तीन अहम चीजों की कमी आ सकती है।

1. आत्मनिर्भरता की कमी

एक उम्र के बाद से यदि आप अपने बच्चे को अलग सुलाने लगेंगे तो इससे वो आत्मनिर्भर बनता है। मां-बाप के साथ सोने वाले बच्चे में आत्मनिर्भरता की कमी हो सकती है और वे जरूरत से ज्यादा माता-पिता पर निर्भर हो सकते हैं। इसलिए यदि समय के साथ बच्चे को आत्मनिर्भर बनाना है तो उन्हें अलग सोने की आदत डालें।

2. आत्मविश्वास की कमी

आज के समय में हर बच्चे में आत्मविश्वास का होना बेहद जरूरी होता है। आत्मविश्वास की वजह से ही वो आगे जाकर अपने लिए स्टैंड ले पाते हैं। ऐसे में उन्हें एक उम्र के बाद अपना अलग कमरा दें, ताकि वो बचपन से ही आत्मनिर्भर बनें। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।

3. भावनात्मक संतुलन की कमी

यदि आप बड़े होने के बाद भी अपने बच्चे को अपने साथ ही सुलाते हैं तो इससे उनका भावनात्मक संतुलन बिगड़ सकता है। अलग सोने से बच्चा अपने डर से खुद लड़ना सीखता है और मानसिक रूप से मजबूत बनता है। जब वो अलग सोकर अपने डर से लड़ेंगे तो उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

आगे जाकर नहीं होगी परेशानी

यदि आप अपने बच्चे को शुरुआत से ही अकेले सोने की आदत डलवा देंगे तो उन्हें आगे जाकर उस वक्त परेशानी नहीं होगी, जब वो बाहर कहीं पड़ने या फिर नौकरी के लिए जाएंगे। वरना बच्चों को हमेशा ही ये डर बना रहता है कि वो कभी भी अकेले नहीं रह पाएंगे।

क्या हर बच्चे को जल्दी अलग सुला देना चाहिए?

हर बच्चे का विकास अलग तरीके से होता है। कुछ बच्चे जल्दी अलग सोने के लिए तैयार हो जाते हैं, जबकि कुछ को समय लगता है। ऐसे में जल्दबाजी न करें। जब भी बच्चा तैयार लगे, तभी ये बदलाव करें।

यहां अलग सुलाने का अर्थ ये बिल्कुल नहीं है कि जबरदस्ती बच्चे को अलग कमरे में सुलाने की कोशिश करें। इसके लिए आपको धीरे-धीरे कदम उठाने होंगे। यदि आप जबरन अपने बच्चे को अलग सुलाएंगे तो इससे उनके मन पर गलत प्रभाव भी पड़ सकता है। बच्चे को अलग सुलाने के लिए पहले दिन के समय उन्हें अकेले कमरे में सोने की आदत डालें।

महाशिवरात्रि पर तैयार करें स्वादिष्ट फलाहारी नमकीन

महाकाल के भक्तों के लिए महाशिवरात्रि का दिन बेहद खास होता है। ये त्योहर फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाता है। इस दिन शिव भक्त उपवास रखते हैं, रात्रि जागरण करते हैं और भगवान शिव का अभिषेक कर उनकी कृपा प्राप्त करते हैं।

ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था, इसलिए यह दिन अत्यंत शुभ माना जाता है। ऐसे मे कहा जाता है कि इस दिन शिव की आराधना करने से समस्त पाप नष्ट होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। इस साल महाशिवरात्रि का त्योहार 26 फरवरी को मनाया जाएगा। इसी के चलते लोगों ने तैयारी भी शुरू कर दी है।

यदि आप भी इस दिन व्रत-उपवास रखते हैं और कुछ खास पकवान तैयार करना चाहते हैं तो फलाहारी नमकीन एक बेहतर विकल्प है। इसे आप पहले से तैयार करके भी रख सकते हैं।

फलाहारी नमकीन बनाने का सामान

आलू – 2 बड़े (पतले लच्छे के रूप में कटे हुए)

काजू – 10-12 (तले हुए)

बादाम – 10-12 (तले हुए)

मूंगफली – 1/2 कप (भुनी हुई)

मखाने – 1 कप (ड्राई रोस्ट किए हुए)

किशमिश– 2 बड़े चम्मच

करी पत्ता – 8-10 पत्ते (तले हुए)

तिल – 1 बड़ा चम्मच

सेंधा नमक – स्वादानुसार

काली मिर्च पाउडर – 1/2 छोटा चम्मच

हींग – 1 चुटकी

घी या मूंगफली का तेल– तलने के लिए

फलाहारी नमकीन बनाने का तरीका

महाशिवरात्रि के लिए फलाहारी नमकीन बनाना काफी आसान है।

इसके लिए आपको सबसे पहले आलू को धोकर लच्छेदार कर लेना है।

इसके लिए आप कद्दूकस का इस्तेमाल कर सकती हैं।

अब इन लच्छों को 10-15 मिनट के लिए पानी में भिगोकर रखें, जिससे स्टार्च निकल जाए।

15 मिनट के बाद इन लच्छों को निकाल कर एक सूती कपड़े पर रखकर सुखा लें।

जब ये पूरी तरह से सूख जाएं तो इन्हें धीमी आंच पर गरम तेल में डालकर कुरकुरा होने तक तल लें।

सुनहरा होने के बाद आलू के लच्छों को निकालकर टिशू पेपर पर रखें, ताकि इसका अतिरिक्त तेल निकल जाए।

अब बारी आती है ड्राईफ्रूट्स को तैयार करने की।

इसके लिए एक-एक करके काजू, बादाम, मूंगफली और मखानों को धीमी आंच पर तल लें ताकि वे क्रिस्पी हो जाएं।

अब किशमिश को हल्का भून लें ताकि वह फूल जाए।

इसके बाद धोकर रखे गए करी पत्तों को भी तलकर अलग रख लें।

अब नंबर आता है तड़का लगाने का तो सबसे पहले एक कढ़ाई में 1 बड़ा चम्मच घी डालें घी के गर्म होने के बाद सेंधा नमक और काली मिर्च पाउडर डालें और हल्का भूनें।

जब ये भुन जाए तो कढ़ाई में तले हुए आलू के लच्छे, मखाने, काजू, बादाम, मूंगफली और किशमिश डालें।

इसको अच्छी तरह से मिक्स करें।

जब ये पूरी तरह से ठंडा हो जाए तो एयरटाइट कंटेनर में भर लें।

अनचाहे बाल हटाने के लिए करती हैं रेजर का इस्तेमाल तो जान लें इसके नुकसान

त्वचा पर आने वाले वालों को हटाने के लिए बहुत सी महिलाएं पार्लर जाकर वैक्सिंग कराती हैं, तो वहीं समय को बचाने के लिए बहुत सी महिलाएं रेजर का इस्तेमाल करनी हैं। रेजर का इस्तेमाल करना हर महिला के लिए अनचाहे बालों को हटाने का काफी आसान तरीका है। इसके लिए ज्यादा समय नहीं लगता। दो मिनट के अंदर आप अच्छे रेजर से त्वचा को दमका सकती हैं।

पर, क्या आप जानती हैं कि ज्यादा रेजर के इस्तेमाल से आपकी त्वचा को काफी नुकसान पहुंचता है। यहां हम आपको इसी बारे में जानकारी देने जा रहे हैं, ताकि आप भी सोच-समझ के रेजर का इस्तेमाल त्वचा के लिए करें। यदि आप सावधानीपूर्वक रेजर का इस्तेमाल करेंगी तो इन नुकसानों से बच सकती हैं।

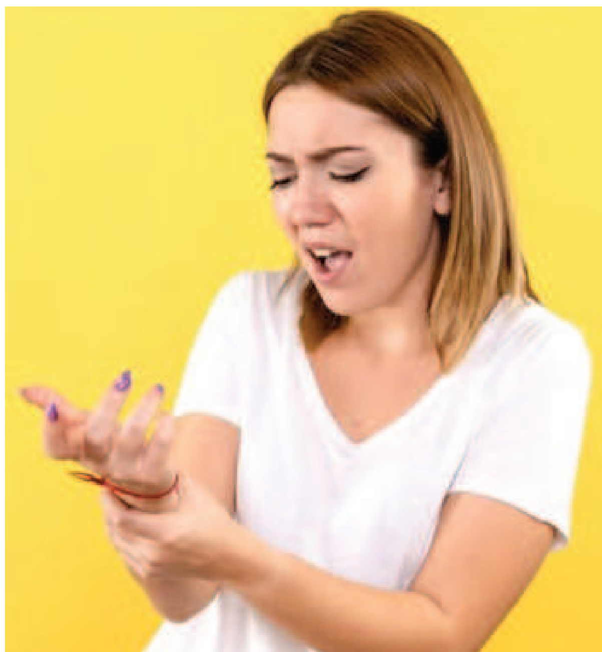

त्वचा में बढ़ेगी रैशेज की समस्या

यदि आप नियमित रूप से रेजर का इस्तेमाल करती हैं तो इससे त्वचा पर जलन और रैशेज की समस्या उतपन्न हो सकती है। इससे बचने के लिए शेविंग क्रीम या फिर फोम का इस्तेमाल करना चाहिए। बिना शेविंग जेल/क्रीम के त्वचा पर जलन और लाल चकत्ते हो सकते हैं।

इन-ग्रोन हेयर की समस्या

बार-बार रेजर इस्तेमाल करने से बाल ठीक से बाहर नहीं निकलते और त्वचा के अंदर बढ़ने लगते हैं, जिससे छोटे-छोटे दाने और फोड़े हो सकते हैं। ये समस्या संवेदनशील त्वचा वालों के लिए ज्यादा आम होती है। इसलिए रेजर का इस्तेमाल सोच-समझ के और सावधानी के साथ करें।

त्वचा होगी ड्राई

यदि आप बार-बार रेजर इस्तेमाल करते हैं क्योंकि इससे स्किन की नेचुरल नमी खत्म हो सकती है। कई बार ड्राई त्वचा की वजह से त्वचा पर काले धब्बे या पिग्मेंटेशन हो सकता है। इसलिए यदि रेजर इस्तेमाल कर रही हैं तो उसके बाद मॉइश्चराइजर अवश्य इस्तेमाल करें।

लग जाता है कट

यदि रेजर की धार तेज हो या सही एंगल में न चलाया जाए, तो कट लगने का खतरा बढ़ जाता है। कट्स ठीक होने में समय लेते हैं और कभी-कभी स्किन पर स्थायी निशान भी छोड़ सकते हैं। ऐसे में यदि कहीं कट लगा है, तब तो रेजर का इस्तेमाल बिल्कुल न करें।

बाल ज्यादा मोटे आते हैं

रेजर केवल त्वचा की ऊपरी सतह से बाल हटाता है, जिससे बाल जल्दी और ज्यादा मोटे होकर वापस आते हैं। कुछ दिनों बाद ही बाल उगने लगते हैं, जिससे बार-बार रेजर का इस्तेमाल करना पड़ता है।

इस्तेमाल के समय रखें ये सावधानियां

अगर आपको रेजर इस्तेमाल करना सबसे आसान लगता है तो हमेशा शेविंग जेल, एलोवेरा जेल या नारियल तेल लगाकर ही शेव करें। इसके लिए हमेशा नया और साफ रेजर इस्तेमाल करें, ताकि बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचा जा सके। बालों की ग्रोथ डायरेक्शन के अनुसार शेव करें, ताकि इन-ग्रोन हेयर की समस्या न हो।

दो मुंहे बालों को हटाने के लिए चलन में आ गई कैंडल कटिंग, इसके फायदे और नुकसान

दो मुंहे बालों से आजकल ज्यादातर लोग परेशान रहते हैं। इससे बचने के लिए बहुत से लोग तो सैलून जाकर हजारों रुपये खर्च करके हेयर ट्रीटमेंट तक लेते हैं, लेकिन ये परेशानी बार-बार लौट कर आती है, जिस वजह से बालों की ग्रोथ रुक जाती है। ट्रेंड की बात करें तो आजकल कैंडल कटिंग से दो मुंहे बालों को हटाने का ट्रेंड काफी चला है।

कैंडल कटिंग एक ग्लैमरस ट्रेंड तो है, लेकिन यह हर किसी के लिए सुरक्षित नहीं है।अगर आप इसे करवाना चाहती हैं, तो किसी अनुभवी प्रोफेशनल से ही करवाएं और घर पर खुद करने से बचें। यहां हम आपको कैंडल कटिंग की हर जानकारी देने जा रहे हैं, ताकि आपके बालों को किसी तरह का कोई नुकसान न होने पाए।

क्या होती है कैंडिल कटिंग ?

दो मुंहे बालों को हटाने में कैंडल कटिंग का इस्तेमाल किया जाता है। कई जगहों पर इसे वेलाटेरापिया भी कहा जाता है। ये एक ऐसा हेयर ट्रीटमेंट है जिसमें जलती हुई मोमबत्ती की लौ का उपयोग करके दो-मुंहे बालों को हटाया जाता है। इस प्रक्रिया में बालों के छोटे-छोटे सेक्शन को ट्विस्ट किया जाता है, जिससे दो-मुंहे बाल बाहर निकल आते हैं, और फिर उन्हें मोमबत्ती की लौ से जला दिया जाता है।

कितनी सुरक्षित है ये प्रक्रिया

अब बात करते हैं कि आखिर ये कैंजल कटिंग कितनी सुरक्षित है। बता दें कि अगर यह प्रक्रिया ठीक से न की जाए, तो आपके बाल जल सकते हैं और नुकसान हो सकता है। मोमबत्ती से निकलने वाली आग का अधिक तापमान आपको बालों की नमी को छीन सकता है, जिससे वे और भी ज्यादा रूखे और कमजोर हो सकते हैं। कई बार मोमबत्ती की लपटें तेज हो जाती हैं, जिससे जलने की संभावना भी बढ़ जाती है। ऐसे में यदि आप ये करना चाहती हैं तो घर पर करने की जगह किसी अनुभवी की मदद लें, ताकि किसी तरह का खतरा आपपर न मंडराए।

कितनी है असरदार

कैंडल कटिंग दो मुंहे बालों को हटाने का काम काफी अच्छे से करती है, लेकिन ये कोई स्थायी समाधान नहीं है। इसे करने के बाद आपको बालों की सही से देखभाल करनी चाहिए, वरना बार-बार बाल दो मुंहे होते रहेंगे।

कैंडल कटिंग से लगता है डर तो ये तरीके अपनाएं

अगर आप दो-मुंहे बालों से छुटकारा पाना चाहती हैं, तो ये अन्य विकल्प अपना सकती हैं। इसके लिए सबसे आसान विकल्प है हर 6-8 हफ्तों में हल्की ट्रिमिंग कराना। यदि आप समय-समय पर ट्रिमिंग कराते रहेंगे तो इससे बाल दो मुंहे नहीं होंगे और बालों की ग्रोथ बनी रहेगी।

महादेव को लगाएं घर पर बनी ठंडाई का भोग, ये है आसान रेसिपी

महाशिवरात्रि का पावन पर्व आज मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि के मौके पर भगवान

भोलेनाथ के पकवान और व्यंजनों का भोग अर्पित किया जाता है। भगवान शिव को ठंडाई बहुत प्रिय है, महाशिवरात्रि पर भोलेनाथ को ठंडाई को भोग लगाना शुभ माना जाता है। ठंडाई पारंपरिक पेय है, जो स्वास्थ्यवर्धक होने के साथ ही

ठंडक देती है। महाशिवरात्रि के पावन मौके पर घर पर शुद्ध और स्वादिष्ट ठंडाई बनाकर भगवान शिव को भोग लगाएं। यहां ठंडाई बनाने के लिए जरूरी सामग्री की सूची दी जा रही है। साथ ही ठंडाई बनाने की आसान विधि बताई जा रही है।

ठंडाई बनाने के लिए सामग्री

दो बड़े चम्मच बादाम

एक बड़ा चम्मच सौंफ

8-10 काली मिर्च

4-5 इलायची

10-12 काजू

8-10 पिस्ता

1 बड़ा चम्मच गुलाब की पंखुड़ियां

4 कप दूध

2 बड़े चम्मच गुलाब जल

3 बड़े चम्मच गुड़ या चीनी

आधा छोटा चम्मच केसर

आधा छोटा चम्मच जायफल पाउडर

ठंडाई बनाने की विधि

स्टेप 1- सभी मसालों जैसे बादाम, खसखस, सौंफ, काली मिर्च, इलायची, कद्दू के बीच, काजू, पिस्ता और गुलाब की पंखुड़ियों को 4-5 घंटे या रातभर पानी में भिगो दें।

स्टेप 2- भीगी हुई सामग्री को थोड़ा दूध या पानी मिलाकर मिक्सी में बारीक पीस लें।

स्टेप 3- अब लगभग 4 कप दूध को गरम करें और इसमें गुड़ या चीनी डालकर अच्छी तरह घोल लें।

स्टेप 4- ठंडा होने पर पीसी हुई ठंडाई पेस्ट को दूध में डालें और अच्छी तरह मिलाएं।

स्टेप 5- इसमें गुलाब जल, जायफल पाउडर और केसर डालें।

स्टेप 6- ठंडाई को छलनी से छान लें ताकि कोई मोटे टुकड़े न रहें।

स्टेप 7- इसे कम से कम 1-2 घंटे फ्रिज में ठंडा करें।

तैयार ठंडाई को गिलास में डालें और बारीक कटे पिस्ता-बादाम और गुलाब की पंखुड़ियों से सजाकर परोसें।

तेल का 'ईरानी' खेल! अमेरिका ने चार भारतीय कंपनियों पर लगाई पाबंदी, कौन-कौन हैं लिस्ट में

नई दिल्ली,25 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारत की चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। आरोप है कि ये कंपनियां ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उद्योग में शामिल हैं। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने सोमवार को यह घोषणा की। यह कदम तेहरान के तेल व्यापार के खिलाफ वाशिंगटन के दबाव अभियान का हिस्सा है। ओएफएसी यानी ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल ने एक बयान में कहा कि अमेरिका ने ऑस्टिनशिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, बीएसएम मरीन एलएलपी, कॉसमॉस लाइन्स इंक और फ्लक्स मैरीटाइम एलएलपी पर प्रतिबंध लगाए हैं। इन कंपनियों पर ईरान के पेट्रोलियम उत्पादों के ट्रांसपोर्ट में मदद करने का आरोप है। इससे वे अमेरिकी कानून के तहत गंभीर प्रतिबंधों के दायरे में आ गई हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 4 फरवरी को एक नेशनल सिक्योरिटी मेमोरेंडम जारी किया था। इसमें अधिकारियों को मध्य पूर्वी देश पर दबाव बढ़ाने का निर्देश दिया गया था। ईरान के तेल निर्यात को टारगेट करने वाले प्रतिबंधों का यह दूसरा दौर है। इस कार्रवाई के तहत संयुक्त अरब अमीरात, चीन और हांगकांग सहित कई देशों के 30 से अधिक व्यक्तियों और जहाजों पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान अपनी तेल बिक्री को बढ़ावा देने और अपनी अस्थिरकारी गतिविधियों के लिए जहाजों, शिपिंग कंपनियों और दलालों के एक गुप्त नेटवर्क पर निर्भर है।

भारत की प्रतिक्रिया

बेसेंट ने कहा कि अमेरिका ईरान की ऑयल सप्लाई चेन के सभी पहलुओं को टारगेट करने के लिए अपने सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करेगा और जो कोई भी ईरानी तेल का व्यापार करता है वह खुद को महत्वपूर्ण प्रतिबंधों के जोखिम में डालता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत, ईरान, मलेशिया, सेशेल्स और संयुक्त अरब अमीरात की 8 कंपनियों को भी डेजिगनेट किया है। ये कंपनियां ईरानी तेल के व्यापार में कथित रूप से शामिल हैं। इन कंपनियों से जुड़े 8 जहाजों को ब्लॉक्ड प्रॉपर्टी के रूप में क्लासिफाई किया गया है। भारत ने अभी तक आधिकारिक तौर पर प्रतिबंधों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

सोना 96 रुपए बढ़कर 86,496 रुपए पर पहुंचा, चांदी 95,725 रुपए किलो बिक रही

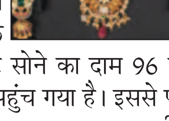

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 25 फरवरी को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 96 रुपए बढ़कर 86,496 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने का दाम 86,400 रुपए पर था। 19 फरवरी को गोल्ड ने 86,733 रुपए का ऑलटाइम हाई बनाया था। वहीं चांदी के दाम में आज गिरावट है। एक किलो चांदी की कीमत आज 390 रुपए गिरकर 95,725 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इससे पहले चांदी का भाव 96,115 रुपए किलो था। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 88,240 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 88,090 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 80,750 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 88,090 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 88,090 रुपए है।**भोपाल :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 88,140 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 88,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 80,750 रुपये है।

असम में एक लाख करोड़ करोड़ का निवेश करेंगे अदाणी और अंबानी, 'एडवांटेज असम शिखर सम्मेलन' में हुआ एलान

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। देश के दो सबसे बड़े कारोबारी समूह अदाणी और अंबानी पूर्वोत्तर के राज्य असम को निवेश का बड़ा तोहफा देने जा रहे हैं। दोनों ही समूह के मुखिया गौतम अदाणी और मुकेश अंबानी ने मंगलवार को प्रदेश में 50-50 हजार करोड़ रुपये के निवेश का एलान किया। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने मंगलवार को एलान किया उनका समूह राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। उन्होंने यह बात गुवाहाटी में आयोजित 'एडवांटेज असम शिखर सम्मेलन' के उद्घाटन समारोह में कही। अदाणी ने कहा कि उनका समूह असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास को रफ्तार देने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी ऐसे निवेश जारी रहेंगे।

अदाणी ने अपने संबोधन में कहा, "हम असम की प्रगति की कहानी का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हैं। हम असम में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे।" उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह निवेश हवाई अड्डों, एयरोसिटी, शहरी गैस वितरण नेटवर्क, बिजली ट्रांसमिशन, सीमेंट और सड़क निर्माण जैसे अहम क्षेत्रों में किया जाएगा। अदाणी के अनुसार, "असम इस समय विकास को गति देने की स्थिति में है और हम इसी प्रतिबद्धता व दूरदृष्टि के साथ आगे बढ़ रहे हैं।" उधर, रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी ने भी घोषणा की है कि उनकी कंपनी आने वाले पाँच वर्षों में असम में पाँच प्रमुख क्षेत्रों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे राज्य में रोज़गार के अवसरों में बढ़ोतरी के साथ-साथ आधारभूत संरचना के विकास को भी बल मिलेगा।रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने भी मंगलवार को कहा कि कंपनी अगले पांच साल में असम में पांच विभिन्न क्षेत्रों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

'एडवांटेज असम' व्यापार शिखर सम्मेलन में बोलते हुए अंबानी ने कहा कि इस धनराशि का निवेश असम को प्रौद्योगिकी और एआई के लिए तैयार करने में किया जाएगा। उन्होंने कहा, 2018 के निवेश शिखर सम्मेलन में मैंने 5,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी। तब से निवेश 12,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। यह राशि चौगुनी हो जाएगी और हम अगले पांच वर्षों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे।

भारत ही नहीं पूरी दुनिया में परचम लहरा रहा है बिहार का मखाना, इतना बड़ा है कारोबार

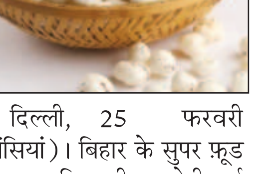

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के सुपर फ़ूड मखाना का जिक्र पीएम मोदी कई बार कर चुके हैं। उन्होंने मखाना को सुपरफूड का दर्जा देते हुए कहा कि वो खुद इसे साल में 300 दिन खाते हैं। बजट में भी बिहार को दिए गए बजट में मखाना बोर्ड बनाने की चर्चा की गई। अब हाल ही में पीएम मोदी ने इस सुपर फ़ूड मखाना को दुनिया के बाजारों तक पहुंचाने की बात कही है। बिहार का मखाना भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में परचम लहरा रहा है। अमेरिका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक इस सुपर सुपर फ़ूड की गजब की डिमांड है। हर साल कई टन मखाना इन देशों में निर्यात किया जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं कितना बड़ा है सुपर फ़ूड मखाना का कारोबार ?

कितना बड़ा है कारोबार ?

रिपोर्ट्स की माने तो भारत में मखाना का मार्केट तेजी से बढ़ रहा है. अनुमान के मुताबिक भारत में मखाने का मार्केट करीब 8 अरब रुपयों का है। वहीं आईएमएआरसी के एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2032 तक ये मार्केट करीब 19 अरब रुपयों का हो जाएगा. वहीं, मखाना को वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने की ओर सरकार अब बढ़ रही है। बजट में ऐलान के बाद बिहार सरकार का लक्ष्य 2035 तक मखाना के प्रोडक्शन क्षेत्र को 70,000 हेक्टेयर तक बढ़ाना है, जिससे मखाना का उत्पादन 78,000 मीट्रिक टन तक पहुंच जाएगा।

किसानों की बढ़ेगी कमाई

इससे न सिर्फ बिहार के मखाने को दुनिया में पहचान मिलेगी बल्कि मखाना किसानों की कमाई भी 550 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,900 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। इसके साथ ही, मखाना की मार्केट वैल्यू अगले साल में 2,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 13,260 करोड़ रुपये हो सकती है. बिहार दुनिया के 85 फीसदी मखाने का उत्पादन करता है. पिछले 10 साल में मखाने की खेती में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। तालाब आधारित खेती से अब खेत आधारित खेती की ये सुपर फ़ूड बढ़ रहा है। जिसके परिणामस्वरूप इसका उत्पादन दोगुना होकर अब 56,000 टन से भी ज्यादा हो गया है।

इन देशों में है सबसे ज्यादा डिमांड

मखाने की डिमांड भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी है। बिहार का मखाना अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नेपाल, मालदीव में निर्यात किया जाता है। बिहार के मखाने का सबसे बड़ा खरीदार अमेरिका है।

बाजार के बाद बिटकॉइन को भी लगी नजर, डूबे 19 लाख करोड़

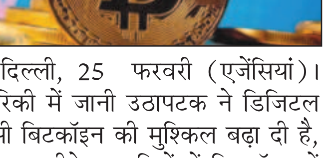

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी में जानी उठापटक ने डिजिटल करेंसी बिटकॉइन की मुश्किल बढ़ा दी है, दरअसल बीते कुछ दिनों में बिटकॉइन में गिरावट देखने को मिल रही है, जिसमें ये डिजिटल करेंसी 90 हजार डॉलर से नीचे आ गई है. वहीं दूसरी और इथेरियम और सोलाना जैसी दूसरी डिजिटल करेंसी में भी 15 प्रतिशत की गिरावट आई है.जानकारों के अनुसार डिजिटल करेंसी में ये गिरावट चीन पर अमेरिकी निवेश प्रतिबंधों की वजह से आई है. इन्हीं सब वजहों के चलते बिटकॉइन, इथीरियम, एक्सआरपी और सोलाना में गिरावट देखने को मिली है. अगर आपको भी डिजिटल करेंसी में इंटरेस्ट है तो इसके बारे में हम आपको यहां विस्तार से बता रहे हैं चीन पर अमेरिकी निवेश प्रतिबंधों की वजह से मंगलवार यानी 25 फरवरी 2025 को बिटकॉइन, इथेरियम, एक्सआरपी और सोलाना सहित ब्लू चिप क्रिप्टोकरेंसी में बड़ी गिरावट देखने को मिली है. जहां बिटकॉइन में 5.4% गिरकर 89,626 डॉलर पर आ गया, इथेरियम 7.7% गिरकर 2,498 डॉलर पर आ गया और पिछले 24 घंटों में वैश्विक क्रिप्टो मार्केट कैप 4.7% गिरकर 2.98 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया. बिटकॉइन का मार्केट कैप गिरकर $1.825 ट्रिलियन पर आ गया.अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कनाडा और मैक्सिको पर टैरिफ लगाने की घोषणा और चीन पर निवेश प्रतिबंध से निवेशकों की धारणा कमजोर हुई है और इसका सीधा रिटेल सेल पर पड़ा है. जिसके चलते अमेरिकी डॉलर पर दबाव बढ़ा है. मुड्रेक्स के सीईओ और सह-संस्थापक एडुल पटेल ने कहा "कनाडा और मैक्सिको पर ट्रम्प के 25% टैरिफ पर ग्लोबल मार्केट ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिसका क्रिप्टो पर असर पड़ा है. मुद्रास्फीति की चिंता और व्यापार व्यवधान अल्पकालिक बिकवाली को बढ़ावा दे रहे हैं, लेकिन निवेशकों का ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि पड़ोसी देश कैसे प्रतिक्रिया देते हैं."

इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण इकाई और हरित ऊर्जा के लिए असम में निवेश करेगा टाटा समूह, चंद्रशेखरन का एलान

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। टाटा समूह अगले कुछ वर्षों में असम में एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकाई में निवेश करेगी और हरित ऊर्जा क्षेत्र में राज्य सरकार के साथ सहयोग करेगी। समूह के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने मंगलवार यह घोषणा की।

एडवांटेज असम बिजनेस शिखर सम्मेलन के उद्घाटन के मौके पर बोलते हुए चंद्रशेखरन ने कहा, टाटा समूह का असम के साथ पुराना और महत्वपूर्ण संबंध है। उन्होंने जागीरोड में स्थापित होने वाली 27,000 करोड़ रुपये की सेमीकंडक्टर इकाई को राज्य में अब तक का सबसे महत्वपूर्ण निवेश बताया।

उन्होंने कहा, राज्य के प्रति समूह की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, वह जल्द ही एक अन्य बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकाई में निवेश करेगा। चंद्रशेखरन ने कहा कि समूह हरित ऊर्जा क्षेत्र में राज्य सरकार के साथ साझेदारी करेगा और सौर व अन्य नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में निवेश करने की प्रतिबद्धता जताएगा।

उतार-चढ़ाव के बाद सपाट बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 148 अंक चढ़ा, निफ्टी 22550 से नीचे फिसला

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार का प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स मंगलवार को पांच दिन की गिरावट का सिलसिला तोड़ते हुए मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। हालांकि इस दौरान निफ्टी एक बार फिर लाल निशान पर बंद हुआ। बाजार के दिग्गज वित्तीय और ऑटो शेयरों में बढ़त ने धातुओं से जुड़े शेयरों में नुकसान की भरपाई की औरअमेरिकी टैरिफ के कारण बढ़ी वैश्विक अनिश्चितता पर अंकुश लगाया।

कारोबार के अंतिम घंटे में औषधि, धातु और आईटी शेयरों में आई कमजोरी

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 147.71 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74,602.12 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 330.67 अंक तक चढ़ गया था। सेंसेक्स के 17 शेयर लाभ में जबकि 13 नुकसान में रहे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी में हालांकि छठे दिन गिरावट जारी रही और यह मामूली 5.80 अंक यानी 0.03 प्रतिशत फिसलकर 22,547.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के अंतिम घंटे में औषधि, धातु और आईटी शेयरो में बिकवाली से निफ्टी नुकसान में रहा। विश्लेषकों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच अमेरिका तथा एशिया के अन्य बाजारों में कमजोर रुख को देखते हुए निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी के शेयरों में कैसी रही चाल ?

सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, जोमैटो, नेस्ले, बजाज फिनसर्व, मारुति और टाइटन प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में सन फार्मा, पावरग्रिड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, एशियन पेंट्स और टाटा मोटर्स शामिल हैं। पिछले पांच कारोबारी सत्रों में बीएसई सेंसेक्स 1,542.45 अंक यानी दो प्रतिशत नीचे आया था। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 6,286.70 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5,185.65 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में ज्यादातर में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख रहा। अमेरिकी बाजार सोमवार को नुकसान में रहे थे।

महाशिवरात्रि के मौके पर बुधवार को शेयर बाजार में नहीं होगा कारोबार

मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, ''हल्के कारोबार में मानक सूचकांकों में मिला-जुला रुख रहा। एशिया के अन्य बाजारों में कमजोर रुख से निवेशकों ने सतर्क रवैया अपनाया। वैश्विक अनिश्चितताओं के साथ एफआईआई की बिकवाली जारी रहने के साथ निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं। मौजूदा स्थिति से वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों के मासिक निपटान से पहले बाजार में उत्साह का अभाव दिख रहा है।'' वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74.68 डॉलर प्रति बैरल रहा। बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 856.65 अंक टूटा था जबकि निफ्टी में 242.55 अंक की गिरावट आई थी। शेयर बाजार बुधवार को 'महाशिवरात्रि' के मौके पर बंद रहेंगे।

3.20 लाख करोड़ का है भारत में एडिबल ऑयल का मार्केट, 159 लाख टन होता है इंपोर्ट

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। बीते कुछ दिनों से एडिबल ऑयल यानी खाने का तेल काफी चर्चा का विषय रहा है. शुक्रवार को सूत्रों के हवाले से खबर आई थी कि सरकार एडिबल ऑयल के इंपोर्ट पर ड्यूटी में इजाफा कर सकती है. ताकि लोकर फार्मर्स को सपोर्ट किया जा सके. अब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खाने का तेल कम खाने की सलाह दी है, ताकि फिट रह सकें. वास्तव में बीते कुछ समय से देश में खाने के तेल की डिमांड में काफी इजाफा देखने को मिला है. जिसकी वजह से इंपोर्ट में बढ़ोतरी देखने को मिली और कीमतों में भी इजाफा देखने को मिला है. ऐसे में सरकारी खजाने पर भी असर देखने को मिल रहा है.खास बात तो ये है कि हमारे देश में खाने का कारोबार 3.20 लाख करोड़ के करीब का है. हर साल 159 से 162 टन खाने का तेल इंपोर्ट किया जाता है. जोकि एक बड़ा वॉल्यूम माना जा सकता है. ताज्जुब की बात तो ये है कि भारत अपनी जरुरत का खाने का तेल आधा दर्जन देशों से इंपोर्ट करता है. भारत के लिए सबसे बड़ा सप्लायर इंडोनेशिया है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश में खाने के लेत का इकोनॉमिक्स क्या है. साथ ही देश और आम लोगों की सेहत पर इस किस तरह से असर देखने को मिल रहा है, समझने की कोशिश करते हैं.मीडिया रिपोर्ट में दो सरकारी सूत्रों के हवाले से खबर सामने आई कि घरेलू तिलहन कीमतों में गिरावट से जूझ रहे हजारों तिलहन किसानों को मदद करने के लिए भारत छह महीने से भी कम समय में दूसरी बार वनस्पति तेलों पर इंपोर्ट टैक्स बढ़ा सकता है. भारत दुनिया के खाद्य तेलों का सबसे बड़ा इंपोर्टर है, जिसके इंपोर्ट ड्यूटी में

बढ़ोतरी से स्थानीय वनस्पति तेल और तिलहन की कीमतें बढ़ सकती हैं, जबकि संभावित रूप से मांग कम हो सकती है और पाम तेल, सोया तेल और सूरजमुखी तेल की विदेशी खरीद कम हो सकती है.एक सरकारी सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि शुल्क वृद्धि के संबंध में अंतर-मंत्रालयी परामर्श समाप्त हो गया है. सरकार द्वारा जल्द ही शुल्क बढ़ाने की उम्मीद है. एक अन्य सरकारी सूत्र ने भी आधिकारिक नियमों का हवाला देते हुए पहचान जाहिर न करने की शर्त पर कहा कि सरकार खाद्य महंगाई पर फैसले के प्रभाव को ध्यान में रखेगी.सितंबर 2024 में, भारत ने कच्चे और रिफाइंड वनस्पति तेलों पर 20 फीसदी बेसिक कस्टम ड्यूटी लगाई थी. बदलाव के बाद कच्चे पाम तेल, कच्चे सोया तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर 27.5 फीसदी आयात शुल्क लगाया गया, जो पहले 5.5 फीसदी था, जबकि तीन तेलों के रिफाइंड ग्रेड पर अब 35.75 फीसदी इंपोर्ट टैक्स है.शुल्क वृद्धि के बाद भी, सोयाबीन की कीमतें राज्य द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य से 10% से अधिक नीचे कारोबार कर रही हैं. व्यापारियों को यह भी उम्मीद है कि अगले महीने नए सीजन की सप्लाई शुरू होने के बाद सर्दियों में बोई जाने वाली रेपसीड की कीमतों में और गिरावट आएगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

राहु १२ शुक्र, सूर्य शनि ११ बुध, १० चंद्र, १, ९, गुरु २, ८, ३, ४, ५, ७, ६ केतु

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य- कुंभ	मे	कुंभ...	05-53 बजे
चंद्र- मकर	मे	मीन....	07-32 बजे
मंगल मिथुन	मे	मेष---	09-08 बजे
बुध- कुंभ	मे	वृष---	12-52 बजे
गुरु- वृष	मे	मिथुन..	12-53 बजे
शुक्र- मीन	मे	कर्क....	14-45 बजे
शनि- कुंभ	मे	सिंह---	17-18 बजे
राहु- मीन	मे	कन्या...	19-24 बजे
केतु- कन्या	मे	तुला....	21-30 बजे
		वृश्चिक..	23-40 बजे
		धनु......	01-53 बजे
		मकर....	04-13 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायण • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-41 सूर्यास्त - 18-18
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी . 11-08 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - फाल्गुन कृष्ण , बुधवार 26 February
नक्षत्र - श्रवण 17-23 तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - परिघ 02-57 तक उप वरियान
करण- वणिज 11-08 तक उप विष्टी
विशेष:- महाशिवरात्रि व्रत
व्रत -त्योहार - भद्राकाल - 11-09 से

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:29 से 13:57 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:41 - 08:05	शुभ	उत्पात	18:18 - 19:53	अशुभ
अमृत	08:05 - 09:33	शुभ	शुभ	19:53 - 21:25	शुभ
काल.	09:33 - 11:01	अशुभ	अमृत	21:25 - 22:57	शुभ
शुभ	11:01 - 12:29	शुभ	चंचल	22:57 - 00:29	शुभ
रोग	12:29 - 13:57	अशुभ	रोग	00:29 - 02:01	अशुभ
उत्पात	13:57 - 15:25	अशुभ	काल	02:01 - 03:33	अशुभ
चंचल	15:25 - 16:53	शुभ	लाभ	03:33 - 05:05	शुभ
लाभ.	16:53 - 18:18	शुभ	उत्पात	05:05 - 06:41	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपकी प्रकृति उत्सुक और अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते । आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है ,इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा । अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
दिन शांत रहेगा । पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी । आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें । कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं ,उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे । यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे । इसके बारे में अच्छे से सोच लें क्योकि अब यह व्यक्ति आपके साथ लम्बे समय तक रहेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं । अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है ।आपके निवेश पर अच्छा लाभ मिलेगा । किसी भी तरह के विवाद से बचें .आपका स्पष्टीकरण मुद्दों को जटिल ही करेगा ।आप कुछ नया सीखना चाहते हैं,इससे आपको औरो के मुकाबले तरजीह मिलेगी,चाहे आप केवल साधारण रूप से गिटार ही सीखें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
अपने स्वतंत्र विचारों को अभिव्यक्त कर दें लेकिन आवाज को नीची रखें । पुरानी बातों में उलझे रहने के स्थान पर बदलाव के लिए जो कुछ जरूरी है उसपर फोकस करें । इस समय बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें । ऐसा लगता है जैसे आप अपने बनाये फिटनेस कार्यक्रम के अनुसार चल पाने में खुद को असमर्थ पा रहे हैं।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है । अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें । आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा । इसलिए आपको सोच-समझकर ही कुछ बोलना और कहना पड़ेगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप आवेगी मूड में हैं ,किसी भी काम के बारे में भली प्रकार सोचे बिना ही करने दौड़ पड़ेंगे जिसके कारण आपको कार्यस्थल पर और पारिवारिक जीवन में भी दिक्कतें आ सकती हैं । हालाँकि इस समय ऐसा कर पाना थोडा मुश्किल है , लेकिन मन को शांत रखें । आपके सामने कई अवसर एक साथ आयेंगे,आपको सोच समझकर उनमें से चुनना है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कनाडा में सोने की सबसे बड़ी डकैती

दस्ताने उतारने से मिला सुराग : एक आरोपी चंडीगढ़ निवासी

ओटावा, 25 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। कनाडा में सोने की सबसे बड़ी डकैती हुई, जिसमें 24 कैरेट सोने की 6,600 ईंटें पार कर दी गईं। 21 महीने से कनाडा की पुलिस पूरी दुनिया की खाक छान रही है और इसमें शामिल एक आरोपी अपनी पत्नी के साथ आराम से चंडीगढ़ में रह रहा है। 21 फरवरी 2025 को 32 साल के सिमरन प्रीत पनेसर के घर पर ईडी ने छापा मारा है।

आखिर कैसे हुई कनाडा में सोने की सबसे बड़ी डकैती, कहां गया 400 किलो सोना और भारत में रह रहे आरोपी सिमरनप्रीत का क्या रोल है; इसकी पडताल करती रिपोर्ट। तारीख 17 अप्रैल 2023। कनाडा के समय के अनुसार दिन के 3 बजकर 56 मिनट पर स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख शहर से आ रही एक फ्लाइट कनाडा के टोरंटो शहर के पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लैंड हुई।

इस फ्लाइट से शुद्ध सोने की 6,600 ईंटें और लगभग 2.5 मिलियन डॉलर (21 करोड़ रुपए से ज्यादा) की फॉरेन करेंसी लाई गई। सोने का कुल वजन करीब 400 किलो था, जिसकी कीमत 173 करोड़ रुपए थी। कैश को वेंकुवर के 'बुलियन एंड करेंसी एक्सचेंज' और सोने को टोरंटो के टीडी बैंक में जमा किया जाना था। सोने और कैश को एयरपोर्ट के कार्गो कंपाउंड में रखा गया। शाम 6 बजकर 23 मिनट पर एक 5 टन का बड़ा ट्रक फैसिलिटी के बाहर पार्क किया गया। इस ट्रक से एक फर्जी एयरवे बिल के साथ एक शख्स वेयरहाउस में दाखिल हुआ। सीसीटीवी में कैद हुए इस शख्स के हाथ में ये बिल देखा जा सकता है।

ये बिल असल में सीफूड यानी समुद्री मछलियों की डिलीवरी के लिए था। जिन्हें एक दिन पहले ही कार्गो वेयरहाउस से ले जाया जा चुका था। कनाडा पुलिस के मुताबिक, असल में एयरपोर्ट के अंदर के एक आदमी ने प्रिंटर से पुराना बिल निकालकर इसे दूसरे बिल से बदल दिया था।

सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, शाम 7 बजकर 4 मिनट पर ट्रक का ड्राइवर वेयरहाउस में उस सोने वाले कार्गो के पास पहुंचा। 7 बजकर 27 मिनट पर कार्गो को उठाकर ट्रक में लोड किया गया और अगले 3 मिनट में ट्रक वेयरहाउस से चला गया।

करीब साढ़े 9 बजे जब एक सिक्योरिटी कंपनी का असली ट्रक सोने वाला कार्गो लेने एयरपोर्ट पहुंचा, तो पता चला कि सोना तो पहले ही गायब हो चुका है। सुबह 2 बजकर 23 मिनट पर एयर कनाडा ने कनाडा पुलिस को फोन करके वारदात की सूचना दी।

क्लेटेन कास्टलिनो टोरंटो में कस्टम्स क्लियरेंस बिजनेस के प्रेसिडेंट हैं। उन्होंने बताया कि कार्गो फैसिलिटी से कोई कार्गो ले जाने के लिए सिर्फ 2 चीजों की जरूरत होती है- कार्गो भेजने वाले की तरफ से एक लेटर और एक एयरवे बिल। इस बिल पर सही बिल नंबर होना चाहिए। चोरों के पास दोनों दस्तावेज थे। क्लेटेन के मुताबिक इनकी ठीक से जांच नहीं की गई।

कनाडा में पुलिस महीनों सोना चोरी करने वाले ट्रक ड्राइवर की खोजबीन में जुटी रही। इधर 2 सितंबर 2023 को अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में हाइवे पर एक निसान गाड़ी पकड़ी गई। गाड़ी से मोजों में भरी हुई कुछ बंदूकें मिलीं। इस गाड़ी को चलाने वाला एक कनाडियन नागरिक था। नाम था- डुरंटे किंग मैक्लीन।

सोर्स - मीडिया रिपोर्ट्स

पेंसिल्वेनिया की पुलिस के मुताबिक, 23 अप्रैल 2023 को मैक्लीन ने हथियार खरीदकर कनाडा लाने के बारे में प्रसाद परमलिंगम नाम के एक आदमी से बात की थी। प्रसाद ने न्यूयॉर्क में मैक्लीन को पैसे दिए। मैक्लीन कई हफ्ते फ्लोरिडा के एक होटल में रुका, यहां उसने बंदूकें खरीदीं। इसके बाद उसे पेंसिल्वेनिया में गिरफ्तार कर लिया गया।

इधर कनाडा की पुलिस को भी ट्रक ड्राइवर की गलती से एक अहम सुराग मिल गया था। वो एक गलती जिससे सोना चुराने वाला ट्रक ड्राइवर पकड़ा गया। कनाडा पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से ट्रक के एयरपोर्ट से निकलने के बाद उसे कई जगह स्पॉट किया था। ट्रक की आखिरी फुटेज एक स्थानीय चर्च के सीसीटीवी कैमरे से मिली। इसके बाद ट्रक एक ग्रामीण इलाके में पहुंच गया, जहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं था। ड्राइवर ट्रक को कनाडा से अमेरिका ले गया और लंबे समय तक वहीं रहा।

हालांकि ड्राइवर ने कनाडा एयरपोर्ट पर एक बड़ी गलती कर दी थी। जब वो सोने वाला कार्गो उठाने गया था तो उसने अपने दाएं हाथ का दस्ताना उतारा था। इससे उसके फिंगरप्रिंट्स उस फर्जी एयरवे बिल पर छूट गए। इन्हीं फिंगरप्रिंट्स के चलते ड्राइवर की पहचान हुई। ये ड्राइवर कोई और नहीं बल्कि डुरंटे किंग मैक्लीन था। वही मैक्लीन, जिसे पेंसिलवेनिया में पकड़ा गया था।

कनाडा की पुलिस ने इस पूरे मामले की जांच को 'प्रोजेक्ट 24 कैरेट' नाम दिया है। मैक्लीन के जरिए पुलिस को 8 अन्य संदिग्धों के बारे में पता चला। मूल रूप से साउथ एशियाई देशों के रहने वाले इन सभी लोगों ने मिलकर पूरी वारदात को अंजाम दिया था। जांच रिपोर्ट के मुताबिक, एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल से निकलने के बाद ट्रक कनाडा में करीब एक महीने तक इधर से उधर घूमता रहा। पुलिस को जांच में दो लिस्ट्स भी मिलीं, जिनके आधार पर पुलिस ने कहा कि पैसा आरोपियों ने आपस में बांट लिया और कुछ सोना पिघलाकर बेचा गया और उससे जो पैसे मिले उसका इस्तेमाल बंदूकें खरीदने में किया गया, जबकि सोने का बड़ा हिस्सा दुबई या फिर भारत भेजा गया है।

'ऑन द ट्रेल ऑफ अफ्रीकन गोल्ड' नाम की स्विट्जरलैंड की एक इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2022 में अफ्रीका से 66% यानी करीब 405 टन सोना गैरकानूनी तरीके से दुबई में आया। 2023 में अलजजीरा ने भी अपनी एक इन्वेस्टिगेशन में कहा था कि स्मगलर्स अपना सोना दुबई में छिपाते हैं।

इसके अलावा, सोना पिघलाने में इस्तेमाल किए गए बर्तन, ढलाई के काम आने वाले कुछ टूल्स और कुछ सांचे बरामद किए हैं। अली राजा ने खुद चोरी में शामिल होने से इनकार करते हुए कहा कि इतना सोना उसकी रिफाइनरी में नहीं पिघलाया जा सकता।

हालांकि जांच रिपोर्ट कहती है कि चोरी के बाद जलोटा और अली राजा के बीच 28 बार मैसेज पर बात हुई। सारा सोना अली राजा और दूसरे कारोबारियों को बेचा गया। उन्होंने कीमत गिरने के बाद भी एक दिन पहले की बढ़ी कीमतों पर सोना खरीदा।

जांच के डॉक्यूमेंट के मुताबिक, इस पूरी चोरी का मास्टरमाइंड अर्सलान चौधरी उर्फ सनी चौधरी है। संदिग्धों ने आपस में बातचीत के दौरान उसे 'टॉप डॉग' कहा है। अर्सलान ने भी मैक्लीन को अमेरिका जाने और वहां हथियार खरीदने में मदद की। उसने चोरी के दिन दूसरे संदिग्धों को 800 से ज्यादा बार कॉल की और व्हाट्सएप पर भी बात की। वहीं अर्सलान को सोने की सारी जानकारी सिमरन ने दी थी।

दरअसल सिमरन प्रीत सिंह पियर्सन एयरपोर्ट पर ऑपरेशंस कंट्रोल डिपार्टमेंट में सुपरवाइजर था। जांच रिपोर्ट के मुताबिक, चोरी की बात सामने आने के बाद पुलिस एयरपोर्ट पहुंची तो सिमरन ही पुलिस को कार्गो कंपाउंड में लेकर गया। पुलिस अधिकारियों को तभी उसके हाव-भाव देखकर उस पर शक हो गया। रिपोर्ट में लिखा है, 'जब सिमरन पुलिस ऑफिसर्स को एरिया दिखा रहा था, तब वह बीमार सा लग रहा था। वह घबराया हुआ था, उसे पसीना आ रहा था। ये अजीब था।'

पुलिस ऑफिसर्स के मुताबिक, सिर्फ सिमरन ही एयरपोर्ट पर आने वाले कीमती सामान की तलाशी ले सकता था। चोरी के एक दिन बाद सिमरन ने अपने साथ काम करने वाले एक शख्स को मैसेज किया, 'मैं कुछ दिनों के लिए इससे दूर रहने के लिए इंडिया जा रहा हूं।' पुलिस को पता था कि सिमरन कनाडा छोड़ने वाला है। लेकिन उसे गिरफ्तार करने से बाकी संदिग्ध सतर्क हो सकते थे। इसलिए पुलिस ने उसे शुरू में नहीं पकड़ा। सिमरन ने चोरी के करीब तीन महीने बाद नौकरी से इस्तीफा देकर कनाडा छोड़ा।

इसके बाद पुलिस ने उसकी खोजबीन शुरू की। सिमरन कनाडा छोड़कर भारत आ गया था। फिलहाल वह अपनी पत्नी के साथ मोहाली में रह रहा है।

चोरी के बाद पुलिस ने एयर कनाडा की कार्गो फैसिलिटी के कंप्यूटर्स की जांच की थी। इसमें पाया गया था कि सिमरन ने एयर कनाडा के कार्गो सिस्टम में सोना लेकर आने वाली फ्लाइट्स की खोजबीन की और उस कंटेनर की पहचान की, जिसमें सोना और पैसा था।

ऑफिसर्स के मुताबिक, सिमरन, अर्सलान और एक और संदिग्ध के साथ एक ग्रुप पर चैट कर रहा था। इस ग्रुप में कुल 772 कॉल और मैसेज किए गए।कथित रूप से सिमरन को एक मैसेज आया। इसमें लिखा था, 'मुझे मेरे कजिन ने कल रात कार्गो से बड़ी चोरी की खबर मिली है।, लो 1। इस पर सिमरन ने जवाब दिया, 'नहीं, ऐसा कुछ नहीं हुआ।'

14 फरवरी को सीबीसी न्यूज की इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट में पता चला था कि सिमरन अपनी पत्नी प्रीति पनेसर के साथ मोहाली के सेक्टर-79 में किराए के मकान में रह रहा है। 21 प्रीति पनेसर सिंगर और एक्टर हैं और पूर्व में मिस इंडिया युगांडा रह चुकी हैं। माना जा रहा है कि प्रीति की इस चोरी की घटना में कोई भूमिका नहीं है।

कनाडा पुलिस ने सिमरन के खिलाफ भी वारंट जारी किया है। सिमरन के वकील कनाडा में उसका केस लड़ रहे हैं।

कनाडाई पुलिस चाहती है कि सिमरन कनाडा में सरेंडर कर दे। वह इसके लिए उसके वकीलों से बात कर रही है। भारत और कनाडा के बीच फरवरी 1987 में प्रत्यार्पण संधि हुई थी। इसके लिए कनाडा की सरकार को पूरे प्रमाण के साथ भारत के विदेश मंत्रालय के माध्यम से निवेदन करना होगा। विदेशी मामलों के जानकार प्रोफेसर राजन कुमार कहते हैं कि कनाडा में जस्टिन ट्रूडो की सरकार के समय भारत और कनाडा के संबंध अच्छे नहीं रहे हैं। दोनों देशों के बीच अपराधियों के प्रत्यर्पण को लेकर संधि तो है लेकिन उसका पालन नहीं हो रहा है। कई बड़े अपराधियों और आतंकवादियों को भारत लाने के लिए सरकार ने कनाडा से निवेदन किया है, लेकिन ऐसे कुल 26 मामले हैं, जिनमें कनाडा सरकार सहयोग नहीं कर रही।

इसलिए सिमरन के प्रत्यार्पण के मामले में कानून से ज्यादा दोनों सरकारों के बीच सहमति ज्यादा महत्वपूर्ण है। मुकदमा चलने के दौरान अगर सिमरन को कनाडा भेजने का फैसला लिया गया तो उसके खिलाफ भी सिमरन हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकता है।

हालांकि राजन कुमार ये भी कहते हैं कि ये राजनीतिक नहीं बल्कि एक आपराधिक मामला है। भारत को सिमरन के खिलाफ कनाडा ने कुछ सबूत दिए होंगे, जिसके बाद ही ईडी ने उसके घर पर छापा मारा है। ऐसे मामलों से देश की छवि पर असर पड़ता है, इसलिए भारत इस मामले में कनाडा का पूरा सहयोग करेगा।

कनाडा की कोर्ट में कुछ ही संदिग्ध पेशी पर आ रहे हैं। किसी ने भी कनाडा में कोई याचिका दायर नहीं की है। अर्सलान चौधरी कहां है, सोना कहां है, इसका पता आने वाले समय में लगेगा।

सारंडा जंगल में सुरक्षा बलों की कार्रवाई

नक्सलियों के बंदूक, गोला-बारूद और ग्रेनेड बरामद

चाईबासा, 25 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। एंटी नक्सल सर्च ऑपरेशन के दौरान सारंडा जंगल से नक्सलियों का हथियार जखीरा बरामद किया गया है।

गुआ थानाक्षेत्र के रोवाम स्थित तुंबाहाका जंगल में यह कार्रवाई की गई। सुरक्षा बलों को यहां से बंदूक, गोला-बारूद और ग्रेनेड मिले हैं। इसके अलावा नक्सलियों के ठिकाने से गैस सिलेंडर और खाना बनाने का सामान भी बरामद हुआ है। पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने यह सफल अभियान चलाया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय पहुंची ईडी की टीम

शराब घोटाला केस में पीसीसी महामंत्री को समन जारी, सुकमा-कोंटा में बने भवन को लेकर मांगा जवाब

रायपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी कुछ नेताओं को समन देने पहुंची। जानकारी के मुताबिक मामला पूर्व मंत्री कवासी लखमा और शराब घोटाले से जुड़ा हुआ है। सुकमा में बने कांग्रेस कार्यालय के मामले में जांच के लिए टीम पहुंची थी।

ईडी की टीम पीसीसी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू को समन जारी किया है। ईडी के 4 अधिकारी सुरक्षा बलों के साथ पहुंचे थे। गौरतलब है कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुए शराब घोटाले की जांच ईडी की टीम कर रही है।

गैदू ने कहा कि उन्होंने समन रिसीव कर लिया है। सुकमा-कोंटा में भवन के संबंध में 4 तथ्यों में

जवाब मांगा गया है। 27 फरवरी को जवाब पेश करना है। हमारे वरिष्ठ नेताओं और अधिवक्ताओं से बातचीत कर इसका जवाब देंगे। ईडी ने लखमा को 15 जनवरी को गिरफ्तार किया था। ईडी ने रिमांड पर उनसे 7 दिन पूछताछ की। इसके बाद 21 जनवरी से 4 फरवरी तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। ईडी की विशेष अदालत 2 बार उनकी रिमांड बढ़ा चुकी है। लखमा 4 मार्च तक न्यायिक रिमांड पर जेल में हैं। ईडी का आरोप है कि, पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक कवासी लखमा सिंडिकेट के अहम हिस्सा थे। लखमा के निर्देश पर ही सिंडिकेट काम करता था। इनसे शराब सिंडिकेट को मदद मिलती थी। वहीं, शराब नीति बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे छत्तीसगढ़ में एफएल-10 लाइसेंस की शुरुआत हुई। ईडी का दावा है कि लखमा को आबकारी विभाग में हो रही गड़बड़ियों की जानकारी थी, लेकिन उन्होंने उसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया।

ईडी के वकील सौरभ पांडेय ने बताया कि, 3 साल शराब घोटाला चला। लखमा को हर महीने 2 करोड़ रुपए मिलते थे। इस दौरान 36 महीने में लखमा को 72 करोड़ रुपए मिले।

बैद्यनाथ धाम मंदिर में स्थापित किया गया पंचशूल

22 मंदिरों के शिखर पर विधि-विधान से लगाए गए पंचशूल, भक्तों की उमड़ी भीड़

देवघर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। देवघर स्थित बैद्यनाथ धाम में महाशिवरात्रि के पहले मंगलवार को एक महत्वपूर्ण धार्मिक कार्य संपन्न हुआ। मंदिर के प्रधान पुजारी गुलाबनंद ओझा ने पंचशूलों की विशेष पूजा-अर्चना की। बाबा बैद्यनाथ और मैया पार्वती मंदिर सहित सभी 22 मंदिरों के शिखरों पर पंचशूलों को पुनर्स्थापित किया गया।

इस दौरान भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने पंचशूलों को मस्तक से स्पर्श कर नमन किया। भक्तों ने बाबा बैद्यनाथ के जयकारा लगाया। इधर, पंचशूल स्थापित करने के बाद बाबा बैद्यनाथ और मां पार्वती मंदिर का गठबंधन आरंभ किया गया। यह एक प्राचीन परंपरा है, जिसमें

महाशिवरात्रि से पहले सभी मंदिरों के पंचशूलों को उतारा जाता है। इसके बाद उनकी साफ-सफाई की जाती है। बाबा बैद्यनाथ और मैया पार्वती मंदिर के पंचशूलों को मंगलवार को उतारा गया था। अन्य मंदिरों के पंचशूल पहले ही उतारे जा चुके थे। विशेष पूजन के बाद बाबा और पार्वती मंदिर के पंचशूलों का मिलन कराया गया। दोनों पंचशूल को आपस में मिलाते हुए मंदिर कार्यालय में रखा गया था। महाशिवरात्रि के दो दिन पूर्व सोमवार को प्राचीन परंपरा अनुसार बाबा मंदिर व पार्वती मंदिर के शिखर से उतारे गए थे।

सबसे पहले मंदिर के भंडारी ने पार्वती मंदिर के शिखर से पंचशूल को उतार कर बाबा मंदिर की छत पर लाया और बाबा मंदिर के शिखर से पंचशूल को उतार कर दोनों को आपस में मिलाते हुए मंदिर कार्यालय में रखा गया।

शाह बोले-2027 तक भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएंगे

समिट में कहा- एमपी में लैंड-लेबर फोर्स, माइंस-मिनरल्स हैं, इसलिए संभावनाएं ज्यादा

भोपाल, 25 फरवरी (एजेंसियां)। भोपाल के राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का मंगलवार को समापन हो गया। अंतिम दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने समिट को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने देश की 130 करोड़ जनता के सामने 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है।

2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य भी रखा है।

शाह ने कहा कि समिट में लोकल और ग्लोबल इन्वेस्टमेंट के कई डायमेंशन अचीव किए गए हैं।

देश में मध्य प्रदेश निवेश के लिए एक बड़ा आकर्षण केंद्र बना है। जो मध्य प्रदेश बीमारू राज्य माना जाता था, उसे बीजेपी की सरकार ने 20 साल में बदलकर रख दिया है। अब यहां विकास के बड़े काम हुए हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि जिस तरह

की कार्ययोजना सरकार ने बनाई है, इसमें से अधिकतर एमओयू जमीन पर उतरेंगे।

इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि अब तक सरकार के पास 30 लाख 77000 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव आ चुके हैं। समिट में 5000 से अधिक बी-टू-जी और 600 से अधिक बी2बी कार्यक्रम हुए हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री को आश्वस्त किया कि 1 साल के अंदर तीनों कानून पूरी तरह से लागू कर दिए जाएंगे।

जैक दसवीं बोर्ड पेपर लीक मामले में 6 छात्र गिरफ्तार

प्रश्नपत्र के लिए छात्र बन गए मजदूर, ढुलाई के दौरान सीलबंद बंडल से निकाला था पेपर

गिरिडीह, 25 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड अकादमिक काउंसिल (जैक) की दसवीं बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक मामले में पुलिस ने गिरिडीह से मास्टरमाइंड सहित 6 छात्रों को गिरफ्तार किया है। उन्हें कोडरमा थाना लाया गया है।

कोडरमा और गिरिडीह पुलिस ने संयुक्त रूप से मंगलवार को तड़के चार बजे गिरिडीह के नागर थाना क्षेत्र में यह बड़ी कार्रवाई की। कोडरमा एसडीपीओ अनिल सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने न्यू बरबंडा में एक मकान पर छापेमारी कर इन्हें पकड़ा गया। इस संबध में कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह ने बताया कि पेपर लीक मामले में रोहित कुमार, मुकेश कुमार, कमलेश कुमार, अंशु कुमार पांडेय, कृष्णा कुमार पांडेय व लाल मोहन कुमार को गिरफ्तार किया गया है। सभी छात्र हैं पर प्रश्नपत्र पाने के लिए ये मजदूर बन गए। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि इन्हें रांची से गिरिडीह लाए गए प्रश्नपत्रों की ढुलाई के काम में लगाया गया था। इसी दौरान इन्होंने मौका पाकर सीलबंद बंडल को ब्लेड की सहायता से फाड़कर उससे प्रश्नपत्र चुरा लिया था। फिर अपने मोबाइल से पीडीएफ बनाकर इसे वायरल किया था। एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर गिरिडीह जिले के नगर थाना क्षेत्र के न्यू-बरगंडा क्षेत्र से रोहित कुमार नामक एक युवक को पकड़ा गया। उसकी निशानदेही पर अन्य छह लोगों को गिरिडीह जिले के विभिन्न थानों से गिरफ्तार किया गया। जिस कंबल और चटाई पर प्रश्नपत्र रखकर उसका फोटो खींच कर पीडीएफ बनाया गया था, उस कंबल व चटाई को भी पुलिस द्वारा बरामद कर लिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों में कमलेश व मुकेश ने पुलिसिया पूछताछ में बताया कि उनलोगों ने गाड़ी से प्रश्नपत्र खाली कर स्ट्रांग रूम तक पहुंचाने के क्रम में सीढ़ियों पर प्रश्नपत्र के बंडल की सील फाड़कर उससे परीक्षा में आने वाले सभी प्रश्नपत्रों की 1-1 कॉपी निकाल ली। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कोडरमा ले जाया गया है। यह छापेमारी गिरिडीह में चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस के लिए यह एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।

पांच साल की बच्ची की अर्धनग्न लाश, रेपकर मर्डर की आशंका

बिलासपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 5 साल की बच्ची की लाश अर्धनग्न हालत में खून से सनी मिली है। रेप के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि बच्ची कल शाम चॉकलेट लेने गई थी, लेकिन दोबारा लौटी नहीं। वारदात सरकंडा थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के मुताबिक गीतांजली सिटी कॉलोनी से लगे स्वर्णिम एरा कॉलोनी है। इसी कॉलोनी में बिल्डिंग निर्माण का काम चल रहा है। बिल्डिंग में कोनी क्षेत्र के मजदूर काम करते हैं। परिवार सहित रहते भी हैं। इन्हीं मजदूरों में से एक मजदूर की बेटी की हत्या हुई है। दरअसल, मंगलवार की सुबह एक मजदूर छत पर गया था। इस दौरान उसने देखा कि एक बच्ची मरी हालत में पड़ी है। खून से सनी भी है। वह घबरा गया। तत्काल छत से नीचे उतरा और आसपास मौजूद साथियों को जानकारी दी।

इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही एसपी रजनेश सिंह सहित पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

लव जिहाद के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग

विरोध-प्रदर्शन, पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

रामगढ़, 25 फरवरी (एजेंसियां)। रामगढ़ के चितरपुर में सोमवार को लव जिहाद के खिलाफ लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान समाज के लोगों ने मशाल जुलूस निकाला। वहीं, मंगलवार को चितरपुर में लोगों ने स्वेच्छा से अपनी दुकानें बंद रखीं। रामगढ़ जिला प्रशासन ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए फ्लैग मार्च निकाला। मौके पर पुलिस जवानों की तैनाती कर दी गई है।

15 दिन बीत जाने के बाद भी युवती को वापस लाने में रजरप्पा पुलिस असफल

लोगों ने बताया कि पिछले दिनों एक युवक द्वारा एक हिंदू युवती को प्रेम जाल में फंसाकर केरल ले जाया गया था। इसके बाद युवती के परिजनों द्वारा रजरप्पा थाना में युवक के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी, लेकिन घटना के लगभग 15 दिन बीत जाने के बावजूद अब तक युवती को रजरप्पा पुलिस सकुशल वापस लाने में असफल रही। इसके विरोध में सोमवार को हिंदू समाज द्वारा मशाल जुलूस निकाला गया।

इधर, जुलूस का नेतृत्व गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी व रामगढ़ की पूर्व विधायक सुनीता चौधरी ने किया। मशाल जुलूस चितरपुर शिवालय मंदिर से शुरू होकर रजरप्पा मोड़ पहुंचा। इसके बाद रजरप्पा मोड़ से काली चौक, चट्टी बाजार,बाजारटांड़ होते हुए रेलवे ओवरब्रिज पहुंचा। यहांपहुंचकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व जिला प्रशासन का पुतला दहन किया गया।

मौके पर चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि झारखंड में धर्मांतरण की घटना काफी बढ़ गई है। मुख्यमंत्री इन घटनाओं पर रोक लगाने में असफल है। उन्होंने आगे कहा कि चितरपुर की बेटी को फंसाकर केरल ले जाया गया। युवती को वापस लाने के लिए तीन दिन के अल्टीमेटम के बावजूद पुलिस उसे वापस लाने में असफल रही। मशाल जुलूस में पूर्व जिप अध्यक्ष ब्रह्मदेव महतो, पार्षद प्रीति दीवान,जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी, चंदर महतो, चंद्रशेखरपटवा, अमृतलाल मुंडा, गोपाल चौधरी, पवनशर्मा, रविन्द्र वर्मा, पीयूष चौधरी, हर्ष चौधरी, विष्णुकुमार, मिक्की चौधरी, अनिल प्रसाद समेत सैकड़ों लोग शामिल थे।

महाकुंभ से लौट रही कार ने ऑटो को मारी टक्कर

धनबाद, 25 फरवरी (एजेंसियां)। धनबाद में नई दिल्ली-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ।

महाकुंभ से लौट रही हुंडई क्रेटा कार ने एक ऑटो को पीछे से टक्कर मार दी।

हादसे में ऑटो चालक जितेंद्र राय की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार चार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को श्री निर्मल महतो मेमोरियल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया। सभी घायलों की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। गोविंदपुर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया है। दुर्घटना में शामिल दोनों वाहनों को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

मृतक जितेंद्र राय गोविंदपुर छठ तालाब के पास रहते थे। वह ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। मृतक के रिश्तेदारों ने परिवार के लिए उचित मुआवजे की मांग की है।

कौन हैं फेडरिक मर्त्ज, जो जर्मन चांसलर बन सकते हैं

अप्रवासियों को लेकर ट्रम्प की तरह कट्टर, जर्मनी में गांजे पर प्रतिबंध लगाना चाहते हैं

बर्लिन, 25 फरवरी (एजेंसियां)। जर्मनी में दो दिन पहले हुए चुनाव में दक्षिणपंथी पार्टी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। पार्टी नेता फ्रेडरिक मर्त्ज देश के नए मुखिया यानी चांसलर बन सकते हैं।

मर्त्ज भले ही उस पार्टी के लीडर हैं, जिसकी नेता एंजेला मर्केल चांसलर रहे चुकी हैं, लेकिन मर्केल की तुलना में मर्त्ज कहीं ज्यादा आक्रामक हैं। वे अमेरिका के बड़े समर्थक माने जाते हैं। हालांकि, यूरोप और यूक्रेन को लेकर ट्रम्प के दिए बयानों की वजह से वे अमेरिका से दूरी बनाने की बात कह चुके हैं। लेकिन उनमें और ट्रम्प में एक बड़ी समानता भी है। वे भी 'नेशन फर्स्ट' की सोच रखते हैं। अवैध अप्रवासियों को लेकर उनका रवैया ट्रम्प की तरह कट्टर है।

मर्त्ज जर्मनी में गांजे पर दोबारा प्रतिबंध भी लगाना चाहते हैं। इस प्रतिबंध को 2023 में तब की सरकार ने हटा दिया था। फ्रेडरिक मर्त्ज कौन हैं, अगर चांसलर बनते हैं तो जर्मनी में क्या बदलाव लाएंगे, अमेरिका से दूरी क्यों बनाएंगे।

अमेरिका से जर्मनी को पूरी तरह आजाद करना चाहते हैं मर्त्ज

जर्मनी चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद ट्रम्प ने सोशल मीडियो पोस्ट में कहा, 'जर्मनी में कंजर्वेटिव पार्टी जीत गई है। अमेरिका की ही तरह जर्मनी के लोग भी बिना सोच-समझ वाले एजेंडे से परेशान हो गए थे। खासतौर पर एनर्जी और अप्रवासियों के मुद्दे पर। आज जर्मनी के लिए बड़ा दिन है।'

ट्रम्प जहां मर्त्ज के जीतने पर खुशी जता रहे हैं, वहीं मर्त्ज कह चुके हैं कि जर्मनी को अपनी सुरक्षा व्यवस्था बेहतर करने की जरूरत है। साथ ही वॉशिंगटन पर अपनी लंबे समय से चली आ रही निर्भरता भी खत्म करनी होगी। मर्त्ज यूरोप के भविष्य को लेकर ट्रम्प के बेफिक्री वाले रवैये से नाखुश हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मर्त्ज ने कहा, मुझे नहीं लगा था कि मुझे ऐसा कुछ कहना पड़ेगा। लेकिन ट्रम्प के बयानों से साफ है कि यह अमेरिकी सरकार, यूरोप के भविष्य को लेकर उदासीन है। मैं यूरोपीय संघ के कई प्रधानमंत्रियों और सरकार प्रमुखों से बात कर रहा हूं। इस वक्त हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए कि हम यूरोप को मजबूत करें, ताकि हम अमेरिका से आजादी पा सकें।

अमेरिका और कई यूरोपीय देशों की तरह जर्मनी में भी बड़ी संख्या में अवैध अप्रवासी पहुंच रहे हैं। इस समस्या से जूझने के लिए मर्त्ज ने अप्रवासी कानून को सख्त बनाने की बात कही है।

जर्मनी में हाल ही अप्रवासियों और शरणार्थियों ने कई हमलों को अंजाम दिया है। ये भी बड़ी वजह

फ्रेडरिक मर्त्ज

है कि मर्त्ज अप्रवासियों को डिपोर्ट करने के सख्त नियम और लोगों के अनियंत्रित अप्रवास को रोकने के लिए कदम उठाना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने पांच पॉइंट का प्लान तैयार किया है।

जर्मनी में गांजा बैन करेंगे

1 अप्रैल 2023 में जर्मनी ने गांजे के इस्तेमाल को कानूनी मंजूरी दी थी। इसके साथ ही जर्मनी ऐसा करने वाला यूरोप का सबसे बड़ा देश बन गया। इस मौके पर देश की राजधानी बर्लिन के मशहूर ब्रांडेनबुर्ग गेट पर करीब 1,500 लोग जुटे और हुक्के और चिलम के साथ जश्न मनाते दिखाई दिए।

नए कानून के तहत 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को 25 ग्राम सूखा गांजा रखने की इजाजत मिली। इसके साथ ही घर पर भांग के तीन पौधे उगाने की भी मंजूदी दी गई।

तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री कार्ल लाउटरबाख ने X पर लिखा- 'गांजे के सेवन को 'प्रतिबंधों के दायरे' से बाहर निकाल दिया गया है। नया कानून लोगों को इसकी लत पड़ने से बचाएगा। बच्चों व युवाओं का बचाव करेगा और काले बाजार से भी लड़ेगा।'

मर्त्ज ने जब पिछले साल चुनाव का कैंपेन शुरू किया तो उन्होंने कहा कि वे गांजा पर दोबारा प्रतिबंध लगाएंगे। उन्होंने कहा कि गांजा को वैध करने से ड्रग्स से जुड़े अपराधों में बढ़ोतरी हो रही है। देश में गैंग-वॉर इतने बढ़ गए हैं, जिनकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते।

नाटो जैसी सुरक्षा व्यवस्था यूरोप में बनाएंगे

चुनाव से दो दिन पहले मर्त्ज ने चेतावनी दी थी कि यूरोप को अमेरिका के बिना अपनी सुरक्षा करने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा था, 'हमें इस संभावना के लिए तैयारी रखनी चाहिए कि डोनाल्ड ट्रम्प बिना किसी शर्त के नाटो के तहत सुरक्षा के वादे को निभाएंगे।' उन्होंने इस बात का संकेत भी दिया था कि जर्मनी को अपने यूरोपीय साथी देशों से न्यूक्लियर सुरक्षा की मांग करनी पड़ सकती है। उन्होंने कहा- 'यूरोप के दो न्यूक्लियर पावर- ब्रिटेन और फ्रांस के साथ हमें बातचीत करनी होगी कि क्या वे अपनी न्यूक्लियर सुरक्षा हमारे साथ शेयर करेंगे।'

जून में होने वाली नाटो समिट को लेकर मर्त्ज ने कहा कि वे ये देखना चाहते हैं कि क्या नाटो ऐसा ही रहेगा या तब तक हमने यूरोप में अपनी स्वतंत्र सुरक्षा व्यवस्था तैयार कर ली होगी।

चुनाव के नतीजे आने के बाद मर्त्ज ने सोमवार को कहा कि अमेरिका और रूस की तरफ से आ रहीं चुनौतियों के सामने यूरोप को एकजुट करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वे उम्मीद करते हैं कि अमेरिका ये समझेगा कि यूरोप के साथ बने रहने में अमेरिका का भी भला है। मर्त्ज ने रूस-यूक्रेन जंग को खत्म करने की अमेरिका-रूस की बातचीत पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका यूरोप से बात किए बिना, यूक्रेन से बात किए बिना रूस के साथ कोई समझौता करता है तो ये मंजूर नहीं होगा।

उन्होंने कानून की पढ़ाई की है। इसके बाद अपने करियर की शुरुआत कॉर्पोरेट वकील के तौर पर की। मर्त्ज ने 1972 में क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स यूनियन (सीडीयू) पार्टी जॉइन की। वे सॉरलैंड से पहली बार 1994 में जर्मन संसद के लिए चुने गए थे। अपनी आर्थिक समझ की वजह से राजनीति में तेजी से आगे बढ़े।

2000 के दशक की शुरुआत में मर्त्ज सीडीयू के संसदीय नेता के तौर पर चुने गए। इसी साल एंजेला मर्केल सीडीयू पार्टी की नेता चुनी गई। 2002 में मर्केल ने संसदीय पद के लिए दावा ठोका।

ट्रम्प ने ईमेल मामले में मस्क का समर्थन किया

कहा- हर कर्मचारी को जवाब देना होगा कि क्या काम किया, वरना नौकरी जाएगी

वॉशिंगटन, 25 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईमेल का जवाब न देने पर सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की धमकी देने के मामले में इलॉन मस्क का समर्थन किया है।

मैक्रों के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रम्प ने कहा कि बहुत से लोग ईमेल का जवाब नहीं दे रहे हैं क्योंकि वे काम ही नहीं कर रहे। ट्रम्प ने कहा- मुझे लगता है कि यह बहुत बढ़िया है। क्योंकि हमारे पास कई ऐसे लोग हैं जो काम पर नहीं आते हैं और कोई भी नहीं जानता है कि वे सरकार के लिए क्या काम कर रहे हैं।

ट्रम्प ने कहा कि डीओजीई ने सैकड़ों अरबों डॉलर की धोखाधड़ी का खुलासा किया है। जांच में पता चला है कि जो कर्मचारी मौजूद भी नहीं हैं, उन्हें भी वेतन मिल रहा है। हालांकि ट्रम्प ने अपने दावे के पक्ष में कोई सबूत पेश नहीं किया।

मस्क बोले- 7 दिन का हिसाब दो या नौकरी छोड़ो

इलॉन मस्क के डीओजीई डिपार्टमेंट ने अमेरिका में सभी फेडरल कर्मचारियों को 3 लाइन एक ईमेल भेजा था। इसमें उनसे पूछा गया था कि उन्होंने बीते एक सप्ताह में क्या काम किया। उन्हें 5 पॉइंट में इसका जवाब देना था।

यह ईमेल यूएस ऑफिस ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट (ओपीएम) से आया था, जिसका विषय था 'आपने पिछले सप्ताह क्या किया?'

यह ईमेल 23 लाख फेडरल कर्मचारियों को भेजा गया था और उन्हें सोमवार रात 11:59 तक इसका जवाब देना था। हालांकि ईमेल में यह नहीं लिखा था कि ऐसा न करने पर नौकरी से निकाल दिया जाएगा।

मस्क ने बाद में चेताया कि यदि कोई कर्मचारी जवाब नहीं देता है तो उसे उसका इस्तीफा मान लिया जाएगा।

मस्क के ईमेल के जवाब में एफबीआई के नवनियुक्त डायरेक्टर काश पटेल ने अपने कर्मचारियों को कहा कि फिलहाल ईमेल पर किसी भी तरह का जवाब न दें। काश पटेल एफबीआई के 9वें डायरेक्टर बनाए गए हैं।

मस्क की कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की धमकी का मामला अब कोर्ट तक पहुंच गया है। फेडरल कर्मचारियों ने सोमवार को कैलिफोर्निया की फेडरल कोर्ट में राष्ट्रपति ट्रम्प और उनके सलाहकार मस्क के खिलाफ मुकदमा दायर कर दिया।

संघीय कर्मचारियों के वकीलों ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प के अरबपति सलाहकार मस्क ने सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की धमकी देना कानून का उल्लंघन है। मुकदमे में कहा गया है कि अमेरिका के इतिहास में कभी भी किसी कर्मचारियों से ऐसी किसी रिपोर्ट की मांग नहीं की है। इस बीच वॉशिंगटन पोस्ट ने सूत्रों के हवाले बताया है कि यूएस ऑफिस ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट (ओपीएम) ने अपने कर्मचारियों से इस ईमेल को इग्नोर करने को कह दिया है। साथ में ये भी कहा गया है कि ईमेल का जवाब देना स्वैच्छिक था।

जर्मनी, ब्रिटेन और फ्रांस ने किया यूक्रेन का समर्थन

यूरोपीय देशों में नाराजगी, पुराने साथी अमेरिका ने दिया रूस का साथ

वॉशिंगटन, 25 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासभा में यूक्रेनी प्रस्ताव के खिलाफ रूस के समर्थन में वोटिंग की। यूक्रेन ने रूस के साथ युद्ध को 3 साल पूरे होने पर यूएन में एक प्रस्ताव पेश किया था। इस प्रस्ताव में रूसी हमले की निंदा करने और यूक्रेन से तत्काल रूसी सेना को वापस बुलाने की मांग की गई थी।

अमेरिका ने अपनी पुरानी नीतियों के उलट साथी यूरोपीय देशों के खिलाफ जाकर इस प्रस्ताव के विपक्ष में मतदान किया। जबसे रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की शुरुआत हुई, तब से पहली बार अमेरिका और इजराइल ने यूक्रेन के खिलाफ वोट किया है।

जबकि भारत और चीन समेत 65 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। प्रस्ताव का समर्थन करने वालों में जर्मनी, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे प्रमुख यूरोपीय देश शामिल हैं। यह प्रस्ताव 18 के मुकाबले 93 मतों से पारित हो गया।

अमेरिका ने भी यूएन में 3 पैराग्राफ का प्रस्ताव पेश किया। इसमें न तो रूसी हमले का जिक्र था और न ही किसी तरह की निंदा की। इसमें बस दोनों देशों में हुए जानमाल के नुकसान पर शोक जाहिर किया गया। अमेरिका ने कहा कि वो लड़ाई को जल्द खत्म करके यूक्रेन और रूस के बीच स्थायी शांति की अपील करता है।

अमेरिकी डिप्लोमैट डोरोथी कैमिली शिया ने कहा- इस तरह के प्रस्ताव युद्ध को रोकने में नाकाम रहे हैं। यह युद्ध अब बहुत लंबा खिंच चुका है। यूक्रेन और रूस के साथ-साथ दूसरी जगहों पर भी लोगों को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है।

यह सारा मामला ऐसे वक्त पर हो रहा है जब हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच जुबानी जंग देखने को मिली थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट में जेलेंस्की को एक मामूली कॉमेडियन और बिना चुनाव वाला एक तानाशाह बताया था। इससे पहले जेलेंस्की ने कहा कि ट्रम्प गलत जानकारी के साथ, गलतफहमी में जी रहे हैं। जेलेंस्की का ये बयान ट्रम्प के एक आरोप के जवाब में आया था। दरअसल ट्रम्प ने कहा था कि यूक्रेन में जेलेंस्की की अप्रूवल रेटिंग गिरकर सिर्फ 4% रह गई है। ट्रम्प ने यूक्रेन को युद्ध के लिए दिया गया पैसा वापस मांगा है। ट्रम्प ने शनिवार को कहा, 'मैं सिर्फ पैसा या उसके बदले कुछ सिक्योरिटी पाने की कोशिश कर रहा हूं।'

डोमिनिकन गणराज्य और प्यूर्टो रिको में 5.9 तीव्रता के भूकंप के झटके

किसी के हताहत होने की खबर नहीं

सैन जुआन, 25 फरवरी (एजेंसियां)। डोमिनिकन गणराज्य के पूर्वोत्तर हिस्से में मंगलवार 5.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए।

हालांकि, अभी तक किसी के नुकसान होने की खबर नहीं है। सुनामी की भी कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। अमेरिकी भूकंपीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने इसकी पुष्टि की। यूएसजीएस के मुताबिक, भूकंप का केंद्र पुंटा काना से करीब 60 मील उत्तर-उत्तरपूर्व में 29 मील की गहराई पर था। पुंटा काना डोमिनिकन गणराज्य के पूर्वी क्षेत्र में रिसॉर्ट शहर है। भूकंप के झटके डोमिनिकन गणराज्य के कुछ हिस्सों और पड़ोसी देश प्यूर्तो रिको में महसूस किए गए।

काले-सफेद धुएं से नए पोप का कनेक्शन क्या है

120 लोगों पर नए पोप को चुनने की जिम्मेदारी, पोप फ्रांसिस के 4 उत्तराधिकारी

वेटिकन सिटी, 25 फरवरी (एजेंसियां)। पोप फ्रांसिस की हालत गंभीर बनी हुई है। उनके दोनों फेफड़ों में न्यूमोनिया है। इसके साथ ही रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिख रहे हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि स्वास्थ्य वजहों से वे पद से इस्तीफा दे सकते हैं।

पोप की मौत के बाद अगले पोप के दावेदारों के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं होती है। नए पोप के चयन की प्रक्रिया को 'पैपल कॉनक्लेव' कहा जाता है। जब पोप की मौत हो जाती है या फिर वे इस्तीफा दे देते हैं, तब कैथोलिक चर्च के कार्डिनल्स चुनाव करते हैं।

कार्डिनल्स बड़े पादरियों का एक ग्रुप है। इनका काम पोप को सलाह देना है। हर बार इन्हीं कार्डिनल्स में से पोप चुना जाता है। हालांकि, पोप बनने के लिए कार्डिनल होना जरूरी नहीं है, लेकिन अब तक हर पोप चुने जाने

लुइस एंटोनियो टैग्ले, फिलीपींस

से पहले कार्डिनल रह चुके हैं।

कॉन्क्लेव का पहला दिन विशेष प्रार्थना सभा से शुरू होता है। प्रार्थना के दौरान सभी कार्डिनल्स एक कमरे में एकजुट होते हैं। इसमें हर एक कार्डिनल गॉस्पेल यानी पवित्र किताब पर हाथ रखकर यह कसम खाता है कि वह इस चुनाव से जुड़ी किसी भी जानकारी का कभी भी किसी और के सामने खुलासा नहीं करेगा।

इसके बाद कमरे को बंद कर दिया जाता है फिर सीक्रेट तरीके से वोटिंग की प्रक्रिया शुरू होती है। हर एक कार्डिनल अपनी पसंद के नाम को एक कागज पर लिखता है। इसके बाद इन्हें एक प्लेट में रखा जाता है। इसके बाद तीन अधिकारी इन्हें गिनते हैं। वोटिंग के बाद सभी बैलेट को जला दिया जाता है।

जब वोटिंग खत्म हो जाती है तो रिजल्ट निकालने के लिए सफेद या फिर काले धुएं का संकेत दिया जाता है। काले धुएं का मतलब- अभी तक नए पोप को लेकर कोई फैसला नहीं किया गया है। सफेद धुआं तब निकलता है जब नया पोप चुन लिया जाता है। साल 1159 के चुनाव में एक साथ 2 पोप चुन लिए गए थे। कार्डिनल्स के बड़े गुट ने कार्डिनल रोलैंडो को पोप अलेक्जेंडर-3 के रूप में चुना। वहीं, कार्डिनल्स के छोटे गुट ने मोंटीसेली को पोप विक्टर-4 के रूप में चुना। छोटे गुट के पोप को राजा फ्रेडरिक बारबोसा का समर्थन हासिल था। ऐसे में पोप अलेक्जेंडर-3 को ज्यादातर समय रोम से बाहर ही बिताना पड़ा।

गाजा में नए युद्ध की तैयारी में इजरायल और हमास

रमल्ला, 25 फरवरी (एजेंसियां)। इजरायल और हमास के बीच हुआ बंधक समझौता टूटने के कगार पर है। फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करने में इजरायल की देरी से उपजे संकट ने संघर्ष विराम और बंधक वार्ता के दूसरे चरण पर संदेह को बढ़ा दिया है। इस कारण इजरायल और हमास दोनों नए सिरे से युद्ध की तैयारियां कर रहे हैं। 35 दिनों के संघर्ष विराम ने हमास को अपनी बेहद कमजोर हो चुकी सेना को फिर से संगठित करने, 14 महीने की लड़ाई के दौरान बिखरे हुए यूनिट को फिर से बनाने और 7 अक्टूबर, 2023 को किए गए हमले की तरह इजरायल पर फिर से नए हमले की तैयारी करने का बड़ा मौका दिया है।

संघर्ष विराम के दौरान हजारों हमास लड़ाके वापस लौटने वाले नागरिकों के साथ मिलकर अपने-अपने ठिकानों पर पहुंच चुके हैं। यह सब नेत्ज़ारिम कॉरिडोर से इजरायल की वापसी के कारण हुआ है, जो समझौते का एक हिस्सा था। एक अनुमान के मुताबिक, पिछले कुछ हफ्तों में लगभग पांच लाख फिलिस्तीनी नागरिकों की गाजा के उत्तर में वापसी हुई है। ये लोग मलबे में तब्दील हो चुके अपने घरों को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, हमास के लड़ाके भी अपनी यूनिट को स्थापित कर फिर इजरायल के खिलाफ जंग की तैयारियों में जुटे हैं।

ट्रंप ने विवेक रामास्वामी को बताया बेहद खास

ओहायो गवर्नर पद के लिए किया समर्थन का एलान

वॉशिंगटन, 25 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में दावेदारी पेश कर चुके भारतवंशी विवेक रामास्वामी ने अब ओहायो राज्य को गवर्नर के पर पर अपनी दावेदारी पेश की है। गौरतलब है कि अब राष्ट्रपति ट्रंप ने भी विवेक रामास्वामी के समर्थन का एलान कर दिया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसका एलान किया और विवेक रामास्वामी को खास बताया। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ पर लिखे एक पोस्ट में लिखा कि 'विवेक रामास्वामी महान राज्य ओहायो के गवर्नर पद की रेस में हैं। मैं उन्हें अच्छी तरह से जानता हूं और उनके खिलाफ चुनाव भी लड़ चुका हूं। वह बेहद खास हैं। वह

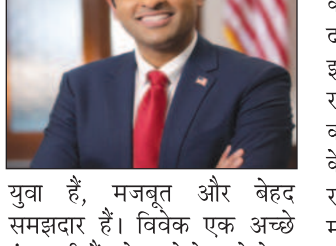

युवा हैं, मजबूत और बेहद समझदार हैं। विवेक एक अच्छे इंसान भी हैं, जो हमारे देश को बेहद प्यार करते हैं। वह एक ओहायो के एक महान गवर्नर होंगे और कभी भी लोगों को निराश नहीं करेंगे। उन्हें मेरा पूर्ण समर्थन है।' विवेक रामास्वामी, एक धनी बायोटेक उद्यमी हैं, जिन्हें अरबपति कारोबारी एलन मस्क के नेतृत्व में सरकारी दक्षता विभाग का सह-नेतृत्वकर्ता चुना गया था, लेकिन विवेक रामास्वामी ने ओहायो गवर्नर पद का चुनाव लड़ने के लिए सरकारी दक्षता विभाग में शामिल होने से इनकार कर दिया था। विवेक रामास्वामी ने सोमवार को घोषणा की कि वह ओहायो के गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। रामास्वामी ने ओहायो को आर्थिक महाशक्ति बनाने का वादा किया है। साथ ही राज्य के सेमीकंडक्टर और एयरोस्पेस जैसे उद्योगों में देश का नेतृत्व करने पर फोकस करने का वादा किया है। ओहायो गवर्नर पद की रेस में विवेक रामास्वामी का सामना ओहायो के अटॉर्नी जनरल डेव योस्ट और ओहायो स्टेट फुटबॉल के पूर्व कोच जिम ट्रेसेल से हो सकता है।

कोरोना वैक्सीन से मौत पर मुआवजे की पॉलिसी क्या होगी

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र से सवाल, केरल में वैक्सीन के बाद व्यक्ति की जान गई थी

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कोविड-19 से हुई मौत के मामले में मुआवजे से जुड़ी याचिका पर सुनवाई की। केंद्र सरकार का पक्ष एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने रखा।

कोर्ट ने पूछा- क्या केंद्र सरकार कोविड-19 वैक्सीन के साइड इफेक्ट से मरने वाले लोगों के परिवारों को मुआवजा देने के लिए कोई नीति बना सकती है?

इस सवाल पर एएसजी ने कहा, 'केवल कोविड-19 बीमारी को ही आपदा घोषित किया गया है, न कि कोविड के लिए लगाए गए टीकों से जुड़ी मौतों को। इसलिए आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत ऐसी कोई नीति नहीं है जो कोविड-19 टीकों से जुड़ी मौतों के लिए मुआवजा देती हो।'

कोर्ट ने कहा, 'कोविड-19 से होने वाली मौतों को कोविड वैक्सीन लगने से होने वाली मौतों से अलग नहीं माना जाना चाहिए। बेंच ने मौखिक रूप से कहा- आखिरकार, संपूर्ण (कोविड) टीकाकरण अभियान भी महामारी से बाहर था। आप यह नहीं कह सकते कि वे आपस में जुड़े नहीं हैं।' कोर्ट ने केंद्र सरकार को 3 हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले में अगले सुनवाई 18 मार्च को होगी। दरअसल, जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच केरल की महिला की याचिका पर सुनवाई की है। महिला के पति की कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट से मौत हुई थी। इसके बाद महिला ने सितंबर 2022 में केरल हाईकोर्ट ने पति की मौत पर मुआवजे की मांग वाली याचिका लगाई थी। महिला ने हाईकोर्ट में कहा था वैक्सीन के साइड इफेक्ट से मौत के मामले में मुआवजे पर विशिष्ट नीति नहीं है। हाईकोर्ट ने पाया कि भले ही मौत की संख्या बहुत कम हो, लेकिन ऐसे कई उदाहरण हैं जिनमें कोविड वैक्सीन लगवाने के बाद हुए प्रभाव से कारण कई लोगों की मौत होने का संदेह रहा। कोविड-19 वैक्सीनेशन बेस्ट ग्लोबल प्रैक्टिस की तरह तैयार किए गए मेडिकल प्रोटोकॉल के जरिए मैनेज होता है।

दुनिया के 10 सबसे ज्यादा मिलिट्री बजट वाले देशों की आ गई रैंकिंग

अमेरिका टॉप पर

बर्लिन, 25 फरवरी (एजेंसियां)। साल 2025 में वैश्विक रक्षा खर्च अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंच गया है, क्योंकि दुनिया के शक्तिशाली देश अपना सैन्य निवेश लगातार बढ़ा रहे हैं। दुनियाभर के देशों ने अपना रक्षा बजट बढ़ाया है और अत्याधुनिक तकनीक हासिल करते हुए अपनी सेनाओं के विस्तार में लगे हुए हैं। इनमें से कुछ का लक्ष्य प्रभुत्व को बनाए रखना है, तो कुछ अंतर को कम करने का प्रयास कर रहे हैं। इन प्रयासों ने इस साल की रक्षा रैंकिंग को और दिलचस्प बना दिया है। आइए देखते हैं कि अपने भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए कौन सबसे ज्यादा खर्च कर रहा है और भारत इसमें कहां खड़ा है।

ग्लोबल फायरपॉवर रैंकिंग के अनुसार, अमेरिका इस बार भी 895 अरब डॉलर के सैन्य बजट के साथ सभी से बहुत आगे हैं और दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना के रूप में अपना प्रभुत्व बनाए रखेगा।

लिस्ट में दूसरे नंबर पर चीन है, जो सेना के आधुनिकीकरण में भारी निवेश कर रहा है। हालांकि, अमेरिका की तुलना में उसका बजट बहुत कम है। चीन का रक्षा बजट 266 अरब डॉलर है। तीसरे नंबर पर रूस का नंबर है, जिसने आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अपनी वैश्विक उपस्थिति बनाए रखी है। रूस ने रक्षा बजट के लिए 126 अरब डॉलर का आवंटन किया है। लिस्ट में चौथा नंबर भारत का है जो 75 अरब डॉलर के साथ अपनी सेना को मजबूत कर रहा है।

74.76 अरब डॉलर के साथ सऊदी अरब भी थोड़ा ही पीछे है और लिस्ट में पांचवें नंबर पर है। भारत ने वैश्विक सैन्य शक्ति के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत बना रहा है।

बांग्लादेश में अगले साल मार्च तक हो सकते हैं राष्ट्रीय चुनाव

ढाका, 25 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अगला राष्ट्रीय आम चुनाव इस साल दिसम्बर या अगले साल मार्च तक हो सकते हैं। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार ढाका ट्रिब्यून ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम के हवाले से ये जानकारी दी है।

आलम ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए एक प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि इस मुद्दे पर कई बार चर्चा हो चुकी है। उन्होंने कहा कि मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने कई सलाहकारों के साथ मिलकर इस पर बात की है।

चीनी मछली पकड़ने वाली नौकाओं ने उत्तर कोरियाई मजदूरों का किया इस्तेमाल

यूएन प्रतिबंधों का उल्लंघन

लंदन, 25 फरवरी (एजेंसियां)। हिंद महासागर में काम कर रही कुछ चीनी ट्यूना मछली पकड़ने वाली नौकाओं ने 2019 से 2024 के बीच उत्तर कोरियाई मजदूरों को काम पर रखा, जो संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के प्रतिबंधों का उल्लंघन है। लंदन में मौजूद एनवायरनमेंटल जस्टिस फाउंडेशन (ईजेएफ) की जांच में ये खुलासा हुआ है कि इन मजदूरों के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। उन्हें सालों तक समुद्र में फंसे रहने पर मजबूर किया गया और वे अवैध मछली पकड़ने और डॉल्फिन को मारने जैसी गतिविधियों में शामिल थे।

रिपोर्ट के अनुसार, ईजेएफ ने 19 इंडोनेशियाई और फिलीपींस के मजदूरों से बात की, जिन्होंने उत्तर कोरियाई मजदूरों के साथ काम किया था। इन गवाहों और अन्य सूचनाओं से पता चला कि उत्तर कोरियाई नागरिक चीनी मछली पकड़ने वाली नौकाओं पर काम कर रहे थे।

संयुक्त राज्य अमेरिका के विदेश विभाग के अनुसार, चीन में लगभग 1 लाख उत्तर कोरियाई मजदूर काम करते हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि दक्षिण-पश्चिम हिंद महासागर में काम कर रही 12 से अधिक चीनी नौकाओं के कप्तानों ने उत्तर कोरियाई मजदूरों की उपस्थिति को छिपाने की कोशिश की।

बंदरगाहों पर जाने से पहले उन्हें छुपा दिया जाता था या दूसरी चीनी नौकाओं में भेज दिया जाता था। रिपोर्ट में कहा गया कि कई उत्तर कोरियाई मजदूर वर्षों तक समुद्र में ही रहे, कुछ तो लगभग 10 साल तक बिना अपने देश लौटे या जमीन पर कदम रखे।

एक नाविक के अनुसार, उत्तर कोरियाई मजदूरों को बंदरगाह पर उतरने नहीं दिया जाता था और न ही वे मोबाइल फोन इस्तेमाल कर सकते थे।

रिपोर्ट में बताया गया कि 5 चीनी नौकाओं को शार्क फिनिंग, मजदूरी में धोखाधड़ी, कागजात जब्त करने, शारीरिक और मानसिक शोषण जैसी गतिविधियों में लिप्त पाया गया। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, उत्तर कोरिया में सरकार के नियंत्रण में जबरन श्रम कराया जाता है, जिससे राज्य को मुफ्त श्रम मिलता है और जनता पर सख्त निगरानी भी रखी जाती है। ईजेएफ की रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर कोरियाई मजदूरों को चीनी सीफूड प्रोसेसिंग प्लांट्स में भी काम करवाया गया, जहां से तैयार उत्पाद यूरोपियन यूनियन (ईयू) और अमेरिका को बेचे गए।

इतिहास में पहली बार प्रतिपक्ष के बिना शुरू हुआ सदन

डोटासरा के साथ धरने पर बैठा विपक्ष

जयपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। विधानसभा में सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष के बीच विवाद और गहरा गया है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर टिप्पणी को लेकर शुरू हुआ विवाद सीधे टकराव तक जा पहुंचा है। कांग्रेस विधायक आज सुबह विधानसभा के मुख्य द्वार पर इकट्ठा हुए। इसके बाद निलंबित सदस्यों सहित कांग्रेस विधायक अंदर आने लगे तो सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक लिया। इस दौरान दोनों पक्षों में झड़प हो गई। सुरक्षाकर्मियों ने विधानसभा का गेट बंद कर लिया। विधानसभा में प्रवेश नहीं मिलने के बाद कांग्रेस विधायक सामने बने विधायक आवास के लॉन में जाकर धरने पर बैठ गए हैं और अनिश्चितकालीन धरने के लिए यहीं पर ही टैंट का सामान भी मंगवा लिया गया है।

डोटासरा ने स्पीकर पर लगाए आरोप

धरना स्थल पर पहुंचे गोविंद सिंह डोटासरा ने सदन में हुए विवाद को लेकर कहा कि संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने उनसे कहा था कि हमारा स्पीकर तो जैसा है वैसा है, काम की बात नहीं मानेगा। डोटासरा बोले कि गाजर-मूली है क्या जो तोड़कर खा जाएंगे। उन्होंने कहा कि मेरी स्पीकर चैंबर में जो सहमति बनी थी, उसमें व्यक्तिगत माफी की कोई बात नहीं हुई।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत भी पहुंचे

वहीं पूर्व सीएम अशोक गहलोत भी धरना स्थल पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि अनावश्यक रूप से सत्ता पक्ष की तरफ से यह विवाद खड़ा किया गया है। उन्होंने कहा कि टिप्पणी को लेकर माफी मांग ली जाती तो बात वहीं खत्म हो जाती।

पहली बार बिना विपक्ष के शुरू हुआ प्रश्नकाल

इधर बिना प्रतिपक्ष के पहली बार राजस्थान विधानसभा में प्रश्नकाल शुरू हो गया है। पूर्व मंत्री व मौजूदा विधायक शांति धारीवाल का कहना है कि विपक्ष अपने आप जाए वह बात अलग है लेकिन सत्ता पक्ष की तरफ से इस तरह की कोशिश की जाए कि विपक्ष बाहर ही रहे ऐसा तो पहली ही बार हुआ है।

पूर्व मंत्री रामलाल जाट के खिलाफ सीबीआई जांच पर सुप्रीम कोर्ट की अंतरिम रोक

हाईकोर्ट के फैसले को सरकार ने दी थी चुनौती

जयपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री व कांग्रेस के दिग्गज नेता रामलाल जाट तथा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आनंद श्रीवास्तव तथा अन्य आरोपियों के खिलाफ सीबीआई जांच पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी हैं। राजस्थान हाईकोर्ट ने इन सभी के खिलाफ सीबीआई जांच के आदेश दिए थे, जिसके खिलाफ राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट गई थी। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए कहा था कि राज्य पुलिस पूरी तरह सक्षम है और मामले की निष्पक्ष जांच कर रही है। राज्य सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि सीबीआई जांच केवल असाधारण परिस्थितियों में ही होनी चाहिए और इसे राज्य पुलिस जांच का नियमित विकल्प नहीं बनाया जा सकता है।

वहीं मामले में परिवादी परमेश्वर जोशी ने हाईकोर्ट के आदेश को सही ठहराते हुए राज्य पुलिस पर पक्षपात का आरोप लगाया लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की दलीलों से सहमत होते हुए हाईकोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में कहा गया कि हाईकोर्ट ने एक पूर्व मंत्री रामलाल जाट और एक एडीजी स्तर के अधिकारी के भाई की संलिप्तता का हवाला देकर जांच को सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया। राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि उक्त एडीजी अधिकारी का जांच से कोई संबंध नहीं था, क्योंकि उनकी तैनाती पूरी तरह गैर-अपराध शाखा में थी लेकिन हाई कोर्ट ने बिना किसी सबूत के मामले को राजनीतिक प्रभाव वाला बताया। वहीं हाईकोर्ट ने यह साबित करने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं दिया कि राज्य पुलिस पक्षपाती है या जांच करने में अक्षम है।

दरअसल कोर्ट के आदेश से भीलवाड़ा के करेड़ा थाने में जयपुर निवासी अरविंद श्रीवास्तव उर्फ मनीष धाबाई, मथुरा निवासी श्यामसुंदर गोयल, गाजियाबाद निवासी चन्द्रकांत शुक्ला, जोधपुर निवासी राजकुमार विश्नोई और जयपुर निवासी जितेन्द्र धाबाई के खिलाफ दर्ज किया गया। इसमें आरोप लगाया कि इन सभी ने मिलकर 2018 से जनवरी 2021 के बीच षड्यंत्रपूर्वक जोशी की खान से एक्सकेवेटर मशीन, डम्पर, डीजल एयर कम्प्रेशर, लेथ मशीन और टेक मशीनें चोरी कर उन्हें उदयपुर और केरल में खुर्दबुर्द कर दिया।

परिवादी की ओर से पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट, सूरज जाट, पूरणलाल गुर्जर, महिपाल सिंह, महावीर प्रसाद चौधरी और सुरेश जाट के खिलाफ दर्ज करवाया गया था। इसमें आरोप था कि आरोपियों ने खान से मशीनरी और वाहन चुरा लिए और जब पुलिस में मामला दर्ज हुआ, तो जांच के दौरान एक आरोपी ने फर्जी किराए का समझौता पेश कर दिया। इस कथित फर्जी दस्तावेज के आधार पर दो पुलिस अधिकारियों ने केस में नकारात्मक अंतिम रिपोर्ट पेश कर दी।

91 निकायों को भंग करने पर फंसा पेच

अब कैसे होंगे एक साथ चुनाव

जयपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। भजनलाल सरकार राजस्थान के सभी 305 नगरीय निकायों के चुनाव एक साथ इसी वर्ष कराने की तैयारी कर रही है, लेकिन बड़ी बाधा उन 91 निकायों की रहेगी जिनके बोर्ड का कार्यकाल अगले वर्ष जनवरी और फरवरी में पूरा होगा। ऐसे में बोर्ड भंग करना आसान नहीं है। माना जा रहा है कि ऐसा कदम उठाने में कानूनी अड़चनों के साथ राजनीतिक विरोध की आशंका भी रहेगी।

केवल दो स्थितियों में भंग का प्रावधान

नगर पालिका एक्ट के तहत केवल 2 ही स्थिति में बोर्ड भंग किया जा सकता है। यदि नगरपालिका अपने कर्तव्यों की पालना में विफल रहे या उसके सदस्यों की संख्या दो तिहाई से कम हो जाए। इसके लिए भी सरकार को पहले नोटिस देकर सुनवाई करनी होगी। इन 91 निकायों में फिलहाल ऐसी स्थिति नहीं है। गौरतलब है कि स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा कह चुके हैं कि सभी निकायों के चुनाव एक साथ कराए जाएंगे।

राह आसान नहीं

पूर्व विधि परामर्शी और नगरपालिका एक्ट के जानकार अशोक सिंह का कहना है कि एक्ट की धारा 322 में कुछ स्थितियों में ही सरकार को बोर्ड भंग करने का अधिकार है। धारा 7 में नगर पलिकाओं का कार्यकाल पांच साल नियत किया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी फूट-फूटकर रोए

कहा- मेरे लिए अपशब्द कहे गए, डोटासरा के लिए बोले- वे विधायक बनने योग्य नहीं

जयपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)।राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी आज सदन में फूट-फूटकर रोने लगे। उन्होंने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर उनका अपमान करने व अपशब्द कहने के आरोप लगाए। देवनानी ने कहा कि- मैं भी पांच बार से सदन में आया हूं। मैंने कभी ऐसे शब्द नहीं सुने। मैंने कभी पक्षपात नहीं किया लेकिन फिर भी ऐसे आरोप लगाते हैं तो दुख होता है। यह सब सुनने के बाद मुझे भी यह लगता है कि वह विधायक बनने के योग्य भी नहीं है लेकिन इसका फैसला में सदन पर छोड़ता हूं। दरअसल, राजस्थान विधानसभा में इंदिरा गांधी पर सरकार के मंत्री की टिप्पणी के बाद से गतिरोध चल रहा है। कांग्रेस के निलंबित विधायकों ने आज जबरन विधानसभा में घुसने की भी कोशिश की। उनकी सुरक्षकर्मियों के साथ धक्कामुक्की भी हुई। वहीं, विधानसभा के बाहर गोविंद सिंह डोटासरा ने दावा किया है कि- संसदीय कार्य मंत्री ने उनसे कहा था कि हमारा स्पीकर तो जैसा है वैसा है यह काम की भी बात नहीं मानेगा। डोटासरा ने कहा कि- सरकार में मतभेद है, सहमति में मेरी व्यक्तिगत माफी पर कोई बात नहीं हुई थी। निलंबन की कार्यवाही को लेकर कांग्रेस ने आज विधानसभा के बाहर करीब एक घंटे तक धरना दिया।

अवैध निर्माणों पर चला नगर पालिका का पीला पंजा

कई निर्माण ढहे, कब्रिस्तान का गेट भी सील

अजमेर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। बिजयनगर नगर पालिका ने अवैध अतिक्रमण और सिंजिंग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए शहर में कई निर्माणों को हटाया और कब्रिस्तान के एक गेट को बंद कर दिया गया। पालिका प्रशासन ने पहले आरोपियों, कब्रिस्तान और जामा मस्जिद से संबंधित भूमि दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किया था। पालिका के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) प्रतापसिंह ने तीन दिन के भीतर स्वामित्व संबंधी दस्तावेज मांगे थे। निर्धारित समय सीमा के भीतर दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पालिका ईओ के निर्देश पर जेईएन दीपेन्द्र सिंह शेखावत और अन्य कर्मचारियों की मौजूदगी में अवैध निर्माण को तोड़ने और सिंजिंग की कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पालिक ने एक आरोपी के घर के बाहर बने अवैध अतिक्रमण को जेसीबी मशीन से हटाया। इसके साथ ही कब्रिस्तान के दो गेटों में से मुख्य सड़क की ओर स्थित एक गेट को सिंजिंग की कार्रवाई के तहत बंद कर दिया गया। पालिका का कहना है कि यह कार्रवाई नगर पालिका अधिनियम के तहत की गई है। नगर पालिका ने शहर की कई दुकानों, मॉल, रेस्टोरेंट्स, कैफे और मकानों के दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए भी नोटिस जारी किए हैं। जिन लोगों के दस्तावेज ठीक नहीं पाए जाएंगे, उनके खिलाफ भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। पालिका की इस कार्रवाई के बाद शहर में हड़कंप मच गया है।

परीक्षा से 1 घंटे पहले सोशल मीडिया पर वायरल हुआ पेपर

कई स्टूडेंट्स ने ग्रुप में जुड़ने के लिए दिए 500 रुपए

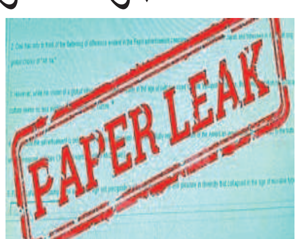

अलवर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। अलवर के राजर्षि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय में पेपर आउट के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। प्रथम सेमेस्टर कम्प्यूटर परीक्षा का पेपर समय से एक घंटे पहले 11 बजे टेलीग्राम और इंस्टा के ग्रुप पर वायरल हुआ।

बताया जा रहा है कि इस ग्रुप में कॉलेज के कई छात्र-छात्राएं जुड़े हुए हैं। खास बात यह है कि इस ग्रुप में शामिल होने के लिए कई बच्चों से 500 रुपए तक लिए गए हैं। इन ग्रुपों पर जूलॉजी सेमेस्टर-1, मैथ्स सेमेस्टर-1, भूगोल, सेमेस्टर-3 और हिंदी पेपर भी परीक्षा से पहले आने की सूचना है। ग्रुप में डेहलाबास-किशनगढ़-बानसूर के विद्यार्थी जुड़े हुए हैं। उधर, कॉलेज के बच्चों को परीक्षा से एक घंटे पूर्व बुलाने की बात भी सामने आई है।

मत्स्य विश्वविद्यालय की परीक्षा पारदर्शिता से कराने का दावा किया जाता है, लेकिन जिस तरह से पेपर लगातार लीक हो रहे हैं, उससे सवाल उठने लगे हैं। सोशल मीडिया पर परीक्षा से पहले ही पेपर का आना गंभीर है। इस पर विवि प्रशासन को ध्यान देना चाहिए। यही नहीं जिन ग्रुप्स पर पेपर आया, उनमें जुड़ने के लिए भी पैसे लिए जा रहे हैं। जबकि सरकार लगातार पेपर लीक को लेकर कार्रवाई की बात कह रही है। ऐसे जालसाजों के चलते पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को निराशा हाथ लगती है। मत्स्य विश्वविद्यालय के अंतर्गत परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की संख्या 50 हजार है। इस मामले की जांच करवाई जाएगी। इसमें दोषियों के खिलाफ एफआईआर होगी। मामले को देखा जा रहा है।

मत्स्य विश्वविद्यालय की ओर से गत सत्र की परीक्षाओं में भी गड़बडी मिली थी, लेकिन विश्वविद्यालय के अधिकारी और कर्मचारियों ने गलती करने वालों पर कठोर कार्रवाई नहीं की।

जयपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों का हंगामा

बोले- 5 घंटे फ्लाइट में बैठाकर रखा; आखिरी समय में तकनीकी कारण बताकर रद्द की उड़ान

जयपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर एयरपोर्ट पर मंगलवार को यात्रियों ने हंगामा किया। एयर इंडिया एक्सप्रेस एयरलाइंस के यात्रियों को 5 घंटे तक विमान में बैठाए रखा गया। आखिरी समय में तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए फ्लाइट को रद्द कर दिया गया।

दरअसल, एयर इंडिया एक्सप्रेस एयरलाइंस की फ्लाइट IX - 1215 को मंगलवार सुबह 9:25 बजे मुंबई के लिए उड़ान भरनी थी। इस समय तक सभी यात्री विमान में चढ़ चुके थे। फ्लाइट 5 घंटे से ज्यादा समय तक रनवे एरिया में खड़ी रही। इसके बाद दोपहर 2:30 बजे एयरलाइंस कंपनी ने फ्लाइट को रद्द करने की घोषणा की। इससे नाराज होकर फ्लाइट में बैठे यात्रियों ने हंगामा करना शुरू कर दिया।

हंगामे के बाद एयरलाइंस स्टाफ द्वारा पैसेंजर्स को अराइवल एरिया में लाया गया है। यहां उन्हें भोजन देने के साथ ही दूसरी फ्लाइट में ले जाने की व्यवस्था की जा रही है। दूसरी फ्लाइट भी शाम 6:00 बजे की बताई जा रही है। जयपुर से मुंबई जाने वाले पैसेंजर राघव रावत ने बताया- आज अपने निर्धारित वक्त पर एयरपोर्ट पहुंच मुंबई के लिए उड़ान भरनी थी। न जाने हमारे प्लेन में क्या तकनीकी खराबी आई कि हम 5 घंटे तक टेक ऑफ का इंतजार ही करते रह गए।

उन्होंने कहा- एयर इंडिया एक्सप्रेस एयरलाइंस की लापरवाही की वजह से न सिर्फ मुझे बल्कि, मुंबई जाने वाले सभी पैसेंजर को परेशान होना पड़ रहा है। हम सबको सुबह 9 से दोपहर 3 तक सिर्फ आश्वासन पर आश्वासन दिए जा रहे हैं। हमारे मुंबई जाने की अब तक कोई भी पुख्ता व्यवस्था नहीं की गई है।

हरकतों से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान

बॉर्डर पर जीरो लाइन के पास बना दिया बंकर, भारत के ऐतराज पर बताया टॉयलेट

बाड़मेर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने सिंध क्षेत्र पर अतिरिक्त ध्यान देना शुरू कर दिया है। वीरान पड़े इस इलाके में रेल चलने के साथ रेस्टोरेंट के निर्माण हो रहे है। इधर हाल ही में बॉर्डर पर जीरो लाइन के पास में एक निर्माण पाकिस्तान ने हाल ही में किया है। पाकिस्तान इसे टॉयलेट बता रहा है तो भारत का ऐतराज है कि यह टॉयलेट नहीं बंकर है। सीमा के 150 मीटर के दायरे में नियमानुसार इसका निर्माण नहीं किया जा सकता लेकिन पाकिस्तान मान नहीं रहा।

पाकिस्तान सिंध प्रांत की सीमा को लेकर लंबे समय तक ध्यान नहीं दे रहा था। 2019 में थार एक्सप्रेस बंद होने के बाद तो जीरो लाइन के रेलवे स्टेशन पर भी यदा-कदा पाकिस्तानी रेंजर्स नजर आते थे। बीते दिनों से यकायक पाकिस्तान ने सीमा के इस ओर सक्रियता बढ़ा दी है। पाक की टूरिस्ट रेल आने के बाद पता चला कि इस वीराने इलाके में टूरिस्ट को रोकने के लिए पाकिस्तान ने आलीशान रेस्टोरेंट बनाए है, हालांकि ये रेस्टोरेंट काफी अंदर तक है। पाकिस्तान रेंजर्स और बीएसएफ की अब एक और फ्लैग मीटिंग कमांडेंट स्तर की होगी, इसमें फिर इस मुद्दे को लेकर भारत कड़ा ऐतराज जताएगा। जीरो लाइन के निकट निर्माण कार्य को बीएसएफ गंभीरता से ले रहा है। मुनाबाव के सामने जीरो लाइन से 150 मीटर की सीमा में पाकिस्तान ने एक निर्माण प्रारंभ किया है। यह निर्माण जीरो लाइन के इतना नजदीक है कि भारत की सीमा क्षेत्र की गतिविधि साफ नजर आती है। इस निर्माण के प्रारंभ होते ही बीएसएफ ने ऐतराज किया। बीएसएफ ने पाकिस्तान को आपत्ति दर्ज करवाई कि यह बंकर का निर्माण हो रहा है। पाकिस्तान इससे मुकर गया और बताया कि यह तो टॉयलेट है।

डोडा पोस्त की तस्करी करते निलंबित जेल प्रहरी समेत एक अन्य गिरफ्तार

43.550 किलो मादक पदार्थ जब्त

सिरोही, 25 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के पिंडवाड़ा में पुलिस और डीएसटी टीम ने उदयपुर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर मालेरा के पास नाकाबंदी के दौरान 43.550 किलोग्राम डोडा पोस्त के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। जब्त की गई डोडा पोस्त की कीमत लगभग 6.60 लाख रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में से एक भजनलाल विश्नोई, जो उदयपुर जेल में पदस्थापन के दौरान निलंबित चल रहा था, तस्करी में शामिल पाया गया। उसके साथ दूसरा आरोपी फुलन, जिला बालोतरा का निवासी है। दोनों एक कार में डोडा पोस्त छिपाकर ले जा रहे थे।

पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पिंडवाड़ा थानाधिकारी भवानीसिंह राजावत और डीएसटी टीम के सहायक उपनिरीक्षक शिवपालसिंह के नेतृत्व में नाकाबंदी की गई थी। तलाशी के दौरान कार से भारी मात्रा में डोडा पोस्त बरामद हुआ।

आरोपियों से पूछताछ के दौरान संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाया जा रहा है कि डोडा पोस्त कहां से लाई गई थी और इसे कहां सप्लाई किया जाना था। इस अभियान में पिंडवाड़ा पुलिस थाना के उपनिरीक्षक भगवतसिंह, हेडकांस्टेबल मनोहरसिंह, कांस्टेबल विनोद कुमार, अभयसिंह, गजेन्द्रसिंह और सवाराम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हनी ट्रैप मामले में इनामी आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। सांचौर पुलिस ने हनी ट्रैप मामले में फरार 5 हजार रुपए के इनामी आरोपी भजन लाल को सुरता की ढाणी सांकड से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया सांचौर थाना क्षेत्र के पुर गोलिया के एक व्यक्ति ने सांचौर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी मानाराम और उसकी महिला मित्र ने उन्हें हनी ट्रैप में फंसाया है, आरोपियों ने अश्लील तस्वीरों और वीडियो की आड़ में उनको डरा धमकाकर साढे पांच लाख वसूल लिए है। पीड़ित ने बताया कि 4 जनवरी 2022 को आरोपी मानाराम को 4.90 लाख रुपए दिए, बाद में 60 हजार रुपए और दिए, उसके बाद भी आरोपियों ने कंप्यूटर से बनाई गई फोटो नहीं हटाई। मानाराम ने 5 लाख रुपए और मांगे व 13 अक्टूबर को आरोपियों ने पीड़ित का व्यक्ति का अपहरण कर उसके साथ मारपीट भी की। पुलिस पीड़ित की रिपोर्ट के आधार पर आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने फरार आरोपी पर 5 हजार का ईनाम भी घोषित कर रखा था।

सट्टा खिलाने वालों के पास करोड़ों की लग्जरी गाड़ियां

अमेरिका, यूएई और इंडोनेशिया के नोट भी मिले

जयपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मानसरोवर थाना क्षेत्र के नारायण विहार इलाके में संचालित सट्टेबाजी के गोरखधंधे का खुलासा किया है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से लाखों रुपये की भारतीय एवं विदेशी मुद्रा, चार लग्जरी गाड़ियां, 10 मोबाइल फोन, तीन पासपोर्ट और यूनाइटेड अरब अमीरात के रेजिडेंट कार्ड जब्त किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोबिन कुमार (32) निवासी झुंझुनू और रवि गौदारा (31) निवासी सुरजगढ़, झुंझुनू के रूप में हुई है। ये दोनों आरोपी महादेव बैटिंग एप के जरिए 70 से अधिक ऑनलाइन गेम्स पर सट्टा संचालित कर रहे थे। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन ने बताया कि आरोपी ऑनलाइन गेम्स में सट्टेबाजी के लिए किराए के बैंक खातों और फर्जी मोबाइल सिम का इस्तेमाल कर करोड़ों रुपए का लेनदेन कर रहे थे।

आरोपियों ने महादेव बैटिंग एप पर ऑल नामक पैनल आईडी ले रखी थी, जो मुकेश मीणा (हरमाड़ा, जयपुर) और महेश पुनिया (बीपर, फतेहपुर, सीकर) के पास थी। इस पैनल के माध्यम से वे allpanelexch.com पर लॉगिन कर सट्टेबाजी करते थे। महेश पुनिया ऑनलाइन ग्राहक आईडी बनाकर किराए के बैंक खातों को सट्टेबाजी के लेनदेन के लिए जोड़ता था। ग्राहकों द्वारा भुगतान किए गए पैसे को ये आरोपी अपने आंतरिक खातों में ट्रांसफर कर एमडी पैनल से निकासी करते थे।

इस ऑनलाइन सट्टे के अंतर्गत 20-20 तीन पत्ती, आईसी, बॉलीवुड कसीनो, मिनी सुपर ओवर, गॉल, लकी 15, गोल्डन रूलेट, 32 काड्र्स, वन कार्ड वन डे जैसे 70 से अधिक गेम्स पर सट्टा लगाया जाता था। एजीटीएफ की टीम को सूचना मिली थी कि नारायण सागर एबीसी, मकान नंबर B-58 में ऑनलाइन सट्टेबाजी हो रही है। इस पर एएसआई शंकर दयाल शर्मा, हेड कांस्टेबल कमल सिंह, नरेंद्र सिंह, सुरेश कुमार और कांस्टेबल नरेश कुमार, रतिराम की टीम ने छापा मारा और आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा।

गिरोह का भंडाफोड़ जारी

एजीटीएफ प्रमुख दिनेश एमएन ने बताया कि अपराधी गिरोहों, गैंगस्टर्स और तस्करों पर शिकंजा कसने के लिए एडीजी योगेश यादव एवं एएसपी सिद्धांत शर्मा के निर्देशन में विशेष टीमों को विभिन्न जिलों में भेजा गया है।

पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। संभावना जताई जा रही है कि यह गिरोह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित ऑनलाइन सट्टेबाजी नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर उनके अन्य संपर्कों की भी जांच कर रही है।

बस बनी आग का गोला

47 यात्री थे सवार

सीकर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर से खाटूश्यामजी जा रही एक रोडवेज बस में सीकर जिले के बॉर्डर के पास सरगोठ में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगने की भनक लगते ही बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने बस को साइड में रोककर सवारियों को सकुशल बाहर निकाल लिया। बस में 47 यात्री सवार थे। बस परिचालक गिरधारी लाल यादव ने बताया कि बस में सवार सभी यात्री खाटूश्यामजी जा रहे थे। सीकर बॉर्डर सरगोठ से कुछ मीटर पहले बस के इंजिन में धुआं महसूस हुआ। इस पर उसने तुरन्त ही ड्राईवर को जानकारी दी और सवारियों को सही सलामत बिना भय के उतारने की सलाह दी। इस पर बॉर्डर पर बस को एक साइड में रोक कर एक-एक सवारियों को बाहर निकाल कर कुछ आगे होटलो में बैठने को कहा गया। इस पर यात्रियों ने तुरन्त सामान बाहर निकाल कर कुछ दूरी पर चले गए इतने में बस में आग की लपटें जोर पकडने लगी। पास के एक खेत से पानी की मोटर चलाकर आग पर काबू पाने की कोशिश की गई।

महापौर ने बिल्ड नाउ प्रशिक्षण कक्षाएं शुरू कीं

आर्किटेक्ट्स और इंजीनियरों के लिए बिल्डनाउ डीसीआर पर प्रशिक्षण 9 मार्च तक

हैदराबाद, 25 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। फास्ट ड्राइंग स्क्रूटनी सिस्टम के लिए उन्नत तकनीक के साथ एकीकृत एकल खिड़की प्रणाली के कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में, बिल्डनाउ प्रशिक्षण कार्यक्रम को मंगलवार को जीएचएमसी मुख्यालय में शहर की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी द्वारा औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक से तैयार फास्ट ड्राइंग स्क्रूटनी सिस्टम के माध्यम से निर्माण परमिट प्रक्रिया को सरल और त्वरित किया जाएगा। बिल्ड नाउ के माध्यम से, शहर के नागरिक अपने भवन निर्माण परमिट के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और शीघ्रता से परमिट प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह नीति पारदर्शिता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि यह शहर के नागरिकों, संबंधित अधिकारियों, वास्तुकारों और इंजीनियरों के लिए बहुत उपयोगी होगा।

उन्होंने कहा कि निर्माण परमिट निर्धारित समय सीमा के भीतर प्राप्त किए गए हैं तथा सभी परमिट एकल खिड़की प्रणाली के माध्यम से प्राप्त किए गए हैं। महापौर ने वास्तुकारों और इंजीनियरों को बिल्ड नाउ प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ उठाने और अच्छी तरह सीखने की सलाह दी। जीएचएमसी आयुक्त इलमबर्थी ने कहा कि जीएचएमसी में बिल्ड नाउ कार्यक्रम शुरू किया गया है, जो मौजूदा प्रणाली में नई सुविधाओं को जोड़ने के साथ निर्माण परमिट प्रक्रिया के लिए एकल मंच के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा कि आवेदन और परमिट प्रक्रिया पारदर्शी और आसान होगी।जोनल कमिश्नर अपूर्व चौहान ने कहा कि नई बिल्ड नाउ प्रणाली से भवन निर्माण परमिट में देरी नहीं होगी और सभी परमिट एक ही प्लेटफॉर्म पर एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से भवन डिजाइन और अनुमति प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस तरह का प्रशिक्षण वास्तुकारों और इंजीनियरों के लिए मानक निर्माण नियमों के अनुरूप परियोजनाएं और चित्र तैयार करने में उपयोगी होगा। उप महापौर मोथे श्रीलता शोभन रेड्डी ने कहा कि बिल्ड नाउ प्रणाली पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि यह नई प्रणाली बिल्डरों को एक ही स्थान पर शीघ्रता से परमिट प्राप्त करने की अनुमति देगी। उन्होंने लोगों से बड़े पैमाने पर बिल्ड नाउ के बारे में जागरूक होने का आग्रह किया। सीसीपी श्रीनिवास ने कहा कि बिल्ड नाउ स्क्रूटनी सिस्टम के माध्यम से निर्माण संबंधी कई मुद्दों का त्वरित समाधान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बिल्ड नाउ प्रशिक्षण कार्यक्रम 9 मार्च तक प्रतिदिन दो सत्रों में आयोजित किया जाएगा तथा कार्यक्रम 10 मार्च से शुरू होने की संभावना है। उन्होंने सभी से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ उठाने का आग्रह किया।

बाद में, प्रशिक्षण कार्यक्रम में बिल्डनाउ डीसीआर प्रणाली पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया और बिल्डिंग परमिट प्रक्रिया में टेम्पलेट्स, परतों और विभिन्न संस्थाओं के निर्माण के बारे में जागरूकता प्रदान की गई।इस कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त शिवकुमार नायडू, क्षेत्रीय आयुक्त अपूर्व चौहान, अतिरिक्त सीसीपी गंगाधर, प्रदीप, आर्किटेक्ट, इंजीनियर व अन्य लोग शामिल हुए।

ईएपीसीईटी पंजीकरण 1 मार्च तक स्थगित

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी ईएपीसीईटी) 2025 के लिए आवेदन का ऑनलाइन पंजीकरण 1 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू) - हैदराबाद, जो टीजी ईएपीसीईटी 2025 आयोजित कर रहा है, ने मंगलवार को पंजीकरण स्थगित कर दिया क्योंकि आवेदकों की स्थानीय और गैर-स्थानीय स्थिति निर्धारित करने का आदेश सरकार से आने वाला है। कृषि और फार्मेसी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 29 और 30 अप्रैल को आयोजित की जाएगी, जबकि इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा 2 से 5 मई तक होगी।

मृत मिला व्यक्ति

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके अल्लापुर में एक सुनसान जगह पर मंगलवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। स्थानीय निवासियों ने पेड़ों के बीच चालीस वर्षीय व्यक्ति का शव पड़ा देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी। संदेह है कि उस पर पत्थरों और धारदार हथियारों से हमला किया गया। सूचना मिलने पर अल्लापुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। पुलिस ने बताया कि मौके से सुराग जुटाए गए हैं और सर्विलांस कैमरे की फुटेज की जांच की जा रही है।

हाथियों के हमले में 5 श्रद्धालुओं की मौत

आंध्रप्रदेश में कैसे बौखलाया शांत जानवर?

अमरावती, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले से बड़ी खबर सामने आई है। यहां हाथियों के झुंड ने हमला कर 5 लोगों को मौत के घाट उतार दिया।

जिले के तालाकोना में भगवान शिव के मंदिर में महाशिवरात्रि समारोह का आयोजन था, जिसमें शिरकत करने के लिए कई श्रद्धालु जा रहे थे। इसी दौरान हाथियों के झुंड ने हमला कर दिया। इसमें 5 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसा मंगलवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे हुआ है।

एक पुलिस अफसर के मुताबिक एक श्रद्धालु ने चिल्लाकर हाथियों के झुंड को डराने की कोशिश की। इससे झुंड भड़क गया और लोगों पर हमला कर दिया।

घायलों को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए दाखिल करवाया गया है। 2 लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार मारे गए लोग रेलवे कोडुरु मंडल के उरलागड्डापडु गांव के रहने वाले थे।

बंगाल की 2 नाबालिग लड़कियों को बचाया गया

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चादरघाट पुलिस ने सोमवार रात एक बड़े ऑपरेशन में एक वेश्यालय पर छापा मारा और पश्चिम बंगाल की दो नाबालिग लड़कियों को बचाया। पुलिस ने रैकेट चलाने वाले आठ लोगों को गिरफ्तार किया और छापेमारी के दौरान एक ग्राहक को भी पकड़ा।

पुलिस के अनुसार, रजत मंडल चादरघाट के मूसानगर में एक घर में वेश्यालय चला रहा था और उप-आयोजकों के एक समूह के माध्यम से ग्राहकों को कमीशन देकर लुभाता था। उप-आयोजक, जो रजत को अवैध गतिविधियों को अंजाम देने में मदद कर रहे थे, शहर के विभिन्न इलाकों से हैं और उनमें से कुछ दिल्ली और पश्चिम बंगाल से हैं।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों नाबालिग लड़कियों को कमरुल शेख उर्फ राहुल नामक व्यक्ति कंपनियों में नौकरी दिलाने के बहाने कोलकाता से शहर लाया गया और उन्हें जबरन वेश्यावृत्ति में धकेला गया । पीड़ितों में से एक को एक कमरे से बचाया गया, जब वह एक ग्राहक के साथ थी।

पुलिस ने बीएनएस की धारा 143,144 के साथ 3(5) और पीआईटीए अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हाईकोर्ट के अधिवक्ता अफसर जहां ने कहा कि जिन मामलों में नाबालिग लड़कियों को बचाया जाता है और छापे के दौरान ग्राहक पकड़े जाते हैं, उनमें पुलिस को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो अधिनियम) के तहत मामला दर्ज करना चाहिए और एसीपी/डीएसपी रैंक के अधिकारी से जांच करानी चाहिए।

उन्होंने मांग की कि लड़की का यौन शोषण करने वाले सभी लोगों की पहचान की जानी चाहिए और उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। ऐसे कुछ मामलों में पुलिस ने बलात्कार के आरोप लगाए थे और इस मामले में भी ऐसा ही किया जाना चाहिए।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मामले में पोक्सो अधिनियम और बीएनएस की अन्य धाराओं को लागू करने के बारे में कानूनी राय लेने के लिए चदरघाट पुलिस को निर्देश दिए गए हैं।

आंध्र प्रदेश के गुंटूर में करंट लगने से 4 मजदूरों की मौत

टैंक की सफाई के दौरान हादसा

गुंटूर, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के गुंटूर में करंट लगने से चार मजदूरों की मौत हो गई। ये हादसा जिले के पेदाकाकनी स्थित काली वनाश्रमम गोशाला में हुआ। घटना स्थल पर उपस्थित लोगों के मुताबिक- मजदूर एक टैंक की सफाई कर रहे थे। मोटर से पानी नहीं आने पर एक मजदूर उसे ठीक करने गया, जहां वह करंट की चपेट में आ गया। उसे बचाने के लिए पहुंचे तीन अन्य मजदूर भी बिजली के चपेट में आ गए, जिससे चारों की मौत हो गई।

मरने वालों की पहचान गांदला मणिक्यला राव (28), ताजेश (35), बालैया (45) और काली बाबू (50) के रूप में हुई। तीन मजदूर तेनाली और एक सत्तेनपल्ली के रहने वाले थे। शवों को गुंटूर के सरकारी अस्पताल भेजा गया। एसपी सतीश कुमार ने घटनास्थल का दौरा कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

जीएचएमसी स्थायी समिति के सदस्यों को प्रमाण पत्र मिले

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)।जीएचएमसी स्थायी समिति के लिए चुने गए लोगों को मंगलवार को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। जीएचएमसी स्थायी समिति के सदस्यों के सर्वसम्मति से चुनाव के बाद सचिव सत्यनारायण के नेतृत्व में विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस वितरण कार्यक्रम में महापौर गडवाल विजयलक्ष्मी और उप महापौर श्रीलता शोभन रेड्डी ने भाग लिया। स्थायी समिति की सीटें जीतने वाले 15 लोगों में से 10 को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। प्रमाण पत्र पाने वालों में चरलापल्ली पार्षद बोंथु श्रीदेवी, हस्तिनापुरम पार्षद बनोथ सुजाता, अकबर बाग पार्षद सैयद मिन्हा जुद्दीन, चंद्रायनगुट्टा पार्षद अब्दुल वहाब, घांसी बाजार पार्षद प्रवीण सुल्ताना, दूध बौली पार्षद मोहम्मद सलीम, टोली चौकी पार्षद डॉ. आयशा हुमेरा, हिमायत नगर पार्षद महालक्ष्मी रमन गौड़ा, रहमत नगर पार्षद सी.एन. रेड्डी, रामचंद्रपुरम पार्षद बुरुगड्डा पुष्पा शामिल रही।

कलेक्ट्रेट कर्मचारियों ने खरीदे हेलमेट

कलेक्टर द्वारा 'हेलमेट नहीं तो प्रवेश नहीं' नियम लागू

मेदक, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन में एक उदाहरण स्थापित करते हुए, मेदक कलेक्टर राहुल राज ने एकीकृत जिला कार्यालय परिसर में कर्मचारियों के लिए 'हेलमेट नहीं तो प्रवेश नहीं' नियम को सख्ती से लागू किया है। कलेक्टर ने दो दिन तक प्रवेश द्वार पर खड़े होकर यह भी पता लगाया कि कितने कर्मचारी हेलमेट पहने हुए हैं। बिना हेलमेट के आने वालों को दो दिन तक चेतावनी देने के बाद, राहुल राज ने प्रवेश द्वार पर सुरक्षाकर्मियों से कहा कि जब तक वे हेलमेट नहीं पहनेंगे, उन्हें कलेक्ट्रेट में प्रवेश न दिया जाए।

राहुल राज ने बताया कि कलेक्ट्रेट के 150 कर्मचारियों ने हेलमेट खरीदा क्योंकि उन्होंने नियम का सख्ती से पालन कराया। दोपहिया वाहनों पर आने वाले 250 कर्मचारियों में से कलेक्टर ने पाया कि उनमें से 150 ने हेलमेट नहीं पहना था। राहुल राज ने बताया कि जिला प्रशासन और पुलिस हर साल जनवरी में सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान लोगों को जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रम चलाती है। इसी के तहत इस साल भी उन्होंने ट्रैफिक सिग्नल और शैक्षणिक संस्थानों में कई तरह के जागरूकता कार्यक्रम चलाए। तभी उन्हें कलेक्ट्रेट में भी इस नियम को लागू करने का विचार आया।

फुटपाथ से 8 महीने के बच्चे का अपहरण करने के आरोप में 2 गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फुटपाथ पर अपने माता-पिता के पास सो रहे आठ महीने के बच्चे का अपहरण करने वाले एक व्यक्ति को मंगलवार को सनथनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बच्चे को भी बचा लिया गया और उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। अपहृत शिशु के माता-पिता, कालीवाला गीता और राधे, उत्तर प्रदेश से हैं और कुछ महीने पहले रोजगार की तलाश में हैदराबाद चले गए थे। वे सनथनगर के फतेहनगर शिवालयम रोड पर कचरा बीनकर अपना गुजारा करते थे।

22 फरवरी की रात को वे अपने बच्चे के साथ फतेहनगर शिवालयम रोड पर विपिन इंडस्ट्रीज के सामने फुटपाथ पर सो रहे थे, तभी बिहार के छपरा जिले के सत्यनारायण राम (43) और सनी कुमार पांडे (24) ने उसका अपहरण कर लिया। सत्यनारायण गौतम नगर, बालानगर में रहते हैं और ट्रॉली ऑटो चलाते हैं।

मंगलवार को जांच का ब्यौरा देते हुए बालानगर के डीसीपी सुरेश कुमार ने बताया कि बच्चे का अपहरण सुबह 2.30 बजे हुआ था। अपहरणकर्ताओं ने बच्चे को रोने से रोकने के लिए उसे दूध का डिब्बा पिलाया था, जो वे पहले ही ला चुके थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले, जिसमें पुष्टि हुई कि दो लोगों ने बच्चे का अपहरण किया है।

सत्यनारायण राम की शादी को 20 साल हो चुके हैं, लेकिन उनके कोई संतान नहीं है।

कई प्रयासों के बावजूद, कोई संतान नहीं हुई। सत्यनारायण ने घर लौटते समय लड़के को देखा और उसे अपने बेटे की तरह पालने का फैसला किया। 23 फरवरी को शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया तथा लड़के को सुरक्षित उसके माता-पिता को सौंप दिया गया।

यूओएच छात्र संघ ने की छात्रवृत्ति जारी करने की मांग

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ ने मंगलवार को राज्य सरकार से सभी पात्र छात्रों को लंबित छात्रवृत्ति तुरंत जारी करने की मांग की। छात्रों ने गुरुवार को राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन का आह्वान किया है।

छात्र संघ के सदस्यों ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा छात्रवृत्ति जारी करने में अत्यधिक देरी से आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों, विशेषकर पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्रों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

छात्र संघ ने एक बयान में कहा कि उसने छात्रवृत्ति जारी करने के संबंध में सरकार को फिर से ज्ञापन सौंपा है। हालांकि, संघ के सभी प्रयासों के बावजूद सरकार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और अड़ियल रवैया अपनाया। संघ ने कहा कि यह अस्वीकार्य है कि बीसी श्रेणी के छात्रों को लगातार तीन वर्षों से छात्रवृत्ति नहीं मिली है, जबकि एससी और एसटी छात्र दो वर्षों से इंतजार कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप छात्रों को अपने मेस शुल्क का भुगतान करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जबकि बाहर जाने वाले छात्र अपने प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए अपने बकाया का भुगतान करने के बारे में चिंतित हैं।

मधुरा नगर में महिला ने मचाया उत्पात

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मधुरा नगर में एक युवती ने कथित तौर पर नशे की हालत में मुख्य सड़क पर सार्वजनिक रूप से उत्पात मचाया। बताया जाता है कि महिला, जो एक फिल्म जूनियर कलाकार है, नशे में थी और उसने सड़क पर पैदल चलने वालों और वाहन चालकों के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट कर उत्पात मचाया। उसने पुलिस को रोका, जिसने उसे रोकने की कोशिश की, तथा एक महिला होमगार्ड पर भी हमला किया, जिसने उसे रोकने की कोशिश की। पुलिस ने उसके पति को बुलाकर उसे उसके हवाले कर दिया। मधुरा नगर पुलिस ने महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

नाबालिग से रेप के आरोपी को 20 साल की जेल

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक स्थानीय अदालत ने मंगलवार को 2023 में चैतन्यपुरी में एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न मामले में एक व्यक्ति को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने उस पर 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। वी सुधाकर (40), जो एक निजी स्कूल में अटेंडेंट के रूप में काम करता था, ने पीड़िता को बहला-फुसलाकर स्कूल परिसर में उसके साथ बलात्कार किया। शिकायत के आधार पर चैतन्यपुरी पुलिस ने मामला दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत ने पीड़िता को 8 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया।

मुथांगी में वाहन पलटने से 4 पुलिसकर्मी घायल

संगारेड्डी, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय का एक पुलिस वाहन, जो संगारेड्डी में केंद्रीय जेल की ओर जा रहा था, मंगलवार को पटनचेरु मंडल के मुथंगी में आउटर रिंग रोड निकास पर टायर फटने के बाद पलट गया। वाहन में सवार चार पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए।

2 बाइकों की टक्कर में कूरियर बॉय की मौत

मंचेरियल, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कन्नेपल्ली मंडल के पोलमपल्ली गांव में मंगलवार को एक मोटरसाइकिल और एक अन्य दोपहिया वाहन के बीच टक्कर हो जाने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि भीमिनी मंडल के वीगांव गांव के कूरियर बॉय दुर्गम राजेश (28) को उस समय सिर में गंभीर चोटें आईं, जब गांव के पास चौराहे पर सामने से आ रही बाइक ने उसके दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। उसकी तत्काल मौत हो गई। घटना के समय वह कुछ सामान पहुंचाने के लिए वीगांव से मल्लिडी जा रहा था। लड़के के चचेरे भाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

जीएम ने वाडी-तांडूर-विकाराबाद-सिकंदराबाद सेक्शन का सुरक्षा निरीक्षण किया

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सिकंदराबाद डिवीजन के वाडी-तांडूर-विकाराबाद-लिंगमपल्ली-सिकंदराबाद सेक्शन के बीच विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ सिकंदराबाद डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर भारतेश कुमार जैन और मुख्यालय और डिवीजन दोनों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अरुण कुमार जैन ने वाडी-चित्तपुर स्टेशनों के बीच रियर विंडो निरीक्षण के साथ यात्रा शुरू की, जिसमें उन्होंने सेक्शन के ट्रैक रखरखाव और इलेक्ट्रिकल और सिग्नलिंग उपकरणों के सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा की। उन्होंने चित्तपुर रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया और यात्री सुविधाओं, सर्कुलेटिंग एरिया, फुट ओवर ब्रिज आदि की समीक्षा की। उन्होंने क्रू बुकिंग लॉबी, रनिंग रूम का निरीक्षण किया और कर्मचारियों को दिए जाने वाले भोजन की स्वच्छता की जांच की। महाप्रबंधक ने रनिंग रूम में ठहरने के दौरान लोको पायलटों और गार्डों से उन्हें प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के बारे में बातचीत की। महाप्रबंधक ने हरित पहल की दिशा में एक पौधा लगाया। महाप्रबंधक ने सेदम रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया और यात्री सुविधाओं, सर्कुलेटिंग एरिया, फुट ओवर ब्रिज आदि की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन प्रबंधक के कमरे की जांच की और सभी अभिलेखों और सुरक्षा साहित्य की जांच की और फिर प्लेटफॉर्म पर खानपान स्टॉल का निरीक्षण किया और वस्तुओं की कीमतें जांची। उन्होंने डिवीजन द्वारा हाल ही में किए गए विकासात्मक गतिविधियों को प्रस्तुत करने के लिए स्थापित स्टॉल का दौरा किया। उन्होंने गेटमैन को सुरक्षा पहलुओं पर उनके ज्ञान, सतर्कता और गंभीर परिस्थितियों में कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए बधाई दी। अरुण कुमार जैन ने तांडूर रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया और यात्री सुविधाओं, सर्कुलेटिंग एरिया, नवनिर्मित फुट ओवर ब्रिज आदि की समीक्षा की। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 24.35 करोड़ रुपये की लागत से तांडूर रेलवे स्टेशन के चल रहे पुनर्विकास कार्यों और विस्तार योजनाओं का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों को लक्ष्य तिथि के अनुसार कार्य पूरा करने की सलाह दी। उन्होंने स्टेशन के पास रनिंग रूम और ट्रैक्शन सब स्टेशन का निरीक्षण किया और सुरक्षा पहलुओं की जांच की। उन्होंने स्टेशन में ट्रैक और सिग्नलिंग से संबंधित सभी बिंदुओं और क्रॉसिंग की भी जांच की। बाद में, महाप्रबंधक ने तांडूर-विकाराबाद खंड पर धारुर और गोदामगुरा स्टेशनों के बीच कर्व नंबर 5 का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने विकाराबाद रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया तथा यात्री सुविधाओं, परिसंचारी क्षेत्र, नवनिर्मित फुट ओवर ब्रिज आदि की समीक्षा की। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 24.35 करोड़ रुपये की लागत से विकाराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। के. यादैया, विधान सभा सदस्य, चेवेल्ला ने विकाराबाद रेलवे स्टेशन पर महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन से मुलाकात की तथा अपने क्षेत्र से संबंधित रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की। तत्पश्चात, उन्होंने मूसी नदी पर बने प्रमुख पुल का निरीक्षण किया तथा रखरखाव अभिलेखों की जांच की तथा अधिकारियों को निर्धारित समय के अनुसार नियमित रखरखाव करने की सलाह दी। अरुण कुमार जैन ने लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन का भी निरीक्षण किया तथा यात्री सुविधाओं, परिसंचारी क्षेत्र, फुट ओवर ब्रिज आदि की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन प्रबंधक के कक्ष की जांच की तथा सभी अभिलेखों तथा सुरक्षा साहित्य की जांच की।

प्रयागराज से 350 से अधिक ट्रेनों को चलाने की योजना- रेलमंत्री

हैदराबाद, 25 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि महाकुम्भ 2025 के अंतिम अमृत स्नान के लिए भारतीय रेल ने व्यापक तैयारी की हैं। सभी रेलवे जोन के अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी मुस्तैदी और सेवा भाव के साथ श्रद्धालुओं की सहायता हेतु जुटे रहने का निर्देश दिया गया है। यात्रियों के लिए अतिरिक्त विशेष ट्रेनों के संचालन की व्यवस्था भी की गई है। कुल मिलाकर प्रयागराज से 350 से अधिक ट्रेनों को चलाने की योजना है।

आपराधिक इतिहास वाले युवा ड्राइवर की 3 लोगों ने की हत्या

आदिलाबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इंदिरानगर स्थित कृषि बाजार में मंगलवार सुबह कथित तौर पर तीन लोगों ने एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि इंदिरानगर निवासी कार चालक कोम्मावर रवि तेजा (30) की उसी मोहल्ले व आसपास के इलाकों के रहने वाले कार्तिक, साई कुमार और सिद्दू ने तड़के तीन बजे चाकू घोंपकर हत्या कर दी।

रवि तेजा का शव सुबह की सैर पर निकले लोगों ने मार्केट यार्ड में खून से लथपथ देखा। सैर करने वालों ने पुलिस को शव के बारे में सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच की। रवि तेजा की पत्नी प्रवल्लिका की शिकायत के आधार पर कार्तिक, साई कुमार और सिद्दू के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। प्रवल्लिका ने आरोप लगाया कि तीनों रवि तेजा से इसलिए रंजिश रखते थे क्योंकि उन्होंने उनके गुट में शामिल होने से मना कर दिया था। उसने आरोप लगाया कि कुछ पुरानी दुश्मनी के चलते उसने उसके पति की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि रवि तेजा पांच अपराधों में शामिल था, जबकि आरोपियों का आपराधिक इतिहास रहा है। तेजा के नेतृत्व वाला एक गिरोह और कार्तिक का एक अन्य गुट नियमित अंतराल पर आपस में भिड़ते रहते थे। ये गुट शहर के कुछ इलाकों में वर्चस्व कायम करने की होड़ में थे। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच पूरी होने के बाद ही अधिक जानकारी मिल सकेगी।

आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी ने की आत्महत्या

मंचेरियल, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आत्महत्या के लिए उकसाने के एक मामले में आरोपी 36 वर्षीय दैनिक वेतन भोगी की सोमवार रात यहां राजीवनगर में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली गई। पुलिस ने बताया कि भीमिनी गांव के रामतेनकी बानेश ने रात करीब 1 बजे फांसी लगा ली। परिवार के सदस्यों ने बताया कि बानेश कुछ महीने पहले पड़ोसी कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के रेबेना पुलिस में आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में दर्ज होने के बाद से उदास था । उसे गिरफ्तार किया गया था और हाल ही में जमानत पर रिहा किया गया था, और कथित तौर पर वह परेशान था।

बनेश कुछ साल पहले आजीविका की तलाश में मंचेरियल चले गए थे । अपनी पहली पत्नी से तलाक लेने के बाद वह राजीवनगर में अपनी दूसरी पत्नी के साथ रह रहे थे । उनकी मौसी पोचम्मा की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया। जांच शुरू की गई।

ईओ ने जुबली हिल्स मंदिर का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ईओ जे श्यामला राव ने जुबली हिल्स स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में 26 फरवरी से शुरू होने वाले वार्षिक ब्रह्मोत्सव के आयोजन के लिए चल रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।उन्होंने मंदिर और इंजीनियरिंग अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और विकास कार्यों का भी अवलोकन किया। एईओ रमेश और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टीम इंडिया 4 मार्च को खेलेगी सेमीफाइनल?

25000 दर्शकों की क्षमता वाले स्टेडियम में होगा मैच

खेल डेस्क,, 25 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले दो सेमीफाइनलिस्ट पर मुहर लग चुकी है. भारत और न्यूजीलैंड ने टूर्नामेंट के ग्रुप ए से सेमीफाइनल का टिकट कटाया है. अब ये तो तय है कि टीम इंडिया 4 मार्च को अपना सेमीफाइनल खेलेगी, जो कि टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल होगा. मगर उसमें उसका मुकाबला किससे होगा, बड़ा सवाल ये हैं. फिलहाल, भारतीय टीम पॉइंट्स टेबल में न्यूजीलैंड के बाद दूसरे नंबर पर है. ग्रुप स्टेज पर उसका आखिरी मुकाबला 2 मार्च को न्यूजीलैंड से है. भारत अगर उस मैच को जीतता है तो वो पॉइंट्स टेबल में

टॉप पर फिनिश करेगा. मगर उस सूरत में भी उसके सेमीफाइनल मैच की तारीख नहीं बदलेगी. भारत 4 मार्च को ही सेमीफाइनल खेलेगा.

25000 दर्शकों की क्षमता वाले स्टेडियम में सेमीफाइनल

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का पहला सेमीफाइनल मुकाबला या यूं कहें कि भारत का सेमीफाइनल मैच दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा. इस स्टेडियम की क्षमता 25000 दर्शकों की है, जिसके उस दिन खचाखच भरे रहने की संभावना जताई जा रही है. अब सवाल ये है कि सेमीफाइनल में पहुंच चुकी टीम इंडिया का मुकाबला किससे होगा?

4 मार्च को किससे सेमीफाइनल खेलेगा भारत?

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फॉर्मेट के अनुसार 4 मार्च को खेले जाने वाले पहले सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला ग्रुप बी के पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर रही टीम से होगा. फिलहाल, ग्रुप बी की बात करें तो वहां से सेमीफाइनलिस्ट अभी तय नहीं हैं. पॉइट्स टेबल में साउथ अफ्रीका टॉप पर है, ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर, इंग्लैंड तीसरे और अफगानिस्तान चौथे स्थान पर, लेकिन, अभी इन सभी टीमों ने बस 1-1 मैच खेला है. लिहाजा देखना ये है कि कौन सी टीम ग्रुप बी के पॉइंट्स टेबल में टॉप टू में फिनिश करती है. वहां जो नंबर 2 रहेगी वो 4 मार्च को टीम इंडिया से दुबई में सेमीफाइनल खेलेगी.

चैंपियंस ट्रॉफी का दूसरा सेमीफाइनल 5 मार्च को खेला जाएगा, जिसमें न्यूजीलैंड का मुकाबला ग्रुप बी के पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर रहने वाली टीम से होगा. ये मुकाबला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा.

नए सीजन के लिए चेन्नई सुपर किंग्स का बड़ा ऐलान, टीम से जुड़े श्रीधरन श्रीराम

चेन्नई , 25 फरवरी (एजेंसियां)। आईपीएल के नए सीजन की शुरुआत 22 मार्च से होने जा रही है। इस सीजन के लिए सभी टीमों ने एक बार फिर से कमर कस ली है। टूर्नामेंट की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक सीएसके ने इस बार मेगा ऑक्शन में कई बड़े खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया। रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में पिछले सीजन टीम का प्रदर्शन ठीक ठाक रहा था और पांचवें नंबर पर टूर्नामेंट खत्म किया था। नए सीजन की शुरुआत से पहले टीम में एक दिग्गज की एंट्री हुई है। आइए आपको भी बताते हैं कौन है ये दिग्गज और किस भूमिका के लिए इनको टीम से जोड़ा गया है।

श्रीधरन श्रीराम बने असिस्टेंट बॉलिंग कोच

सीएसके ने आईपीएल 2025 के लिए श्रीधरन श्रीराम को असिसटेंट बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी सौंपी है। श्रीधरन पूर्व भारतीय खिलाड़ी हैं और उन्होंने टीम इंडिया के 2000 से 2004 के बीच लिए 8 वनडे मुकाबले खेले हैं।

भले ही भारत के लिए उनको ज्यादा खेलने का मौका नहीं मिला हो लेकिन घरेलू क्रिकेट में उनका अच्छा खासा दबदबा हुआ करता था।

एक बार फिर से एक्शन में दिखेंगे माही

फ्रेंचाइजी की तरफ से हर किसी के चहेते महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर से खेलते हुए नजर आएंगे। सीएसके ने रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना और धोनी को रिटेन किया था। इस बार टीम में दिग्गज स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन की वापसी हो रही है। सीएसके की टीम इस सीजन खिताब की प्रमुख दावेदार नजर आ रही है।

इंटर यूनिवर्सिटी वुशू प्रतियोगिता के दौरान हुआ दुखद हादसा

मुकाबले के दौरान जयपुर डिस्ट्रिक्ट चैंपियन की हार्ट अटैक से मौत

जयपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। चंडीगढ़ में चल रही ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वुशू प्रतियोगिता के दौरान एक दुखद हादसा हुआ, जब मुकाबले के दौरान राजस्थान विश्वविद्यालय टीम के एक खिलाड़ी का निधन हो गया। जयपुर के डिस्ट्रिक्ट चैंपियन मोहित शर्मा (21) को मैच के दौरान हार्ट अटैक आ गया और उनकी मौत हो गई। ये टूर्नामेंट मोहाली (पंजाब) स्थित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में चल रहा था। शर्मा करीब तीन दिन पहले ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी वुशू चैम्पियनशिप में भाग लेने गए थे। राजस्थान विश्वविद्यालय खेल बोर्ड के सचिव डॉ. प्रमोद सिंह ने इसकी पुष्टि की है।

राजस्थान यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने बताया कि टूर्नामेंट के आयोजन में उनकी कोई भूमिका नहीं है। ऑर्गेनाइजर दीपक कुमार ने बताया कि मोहित

पहला राउंड जीत चुके थे। दूसरे राउंड में भी वह आगे चल रहे थे।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में चल रहे मैच के दौरान रिंग में उतरते ही तबीयत बिगड़ गई और मुंह के बल गिर गए। इस दौरान वहां मौजूद रेफरी ने उन्हें उठाने का प्रयास भी किया। इसके बाद रिंग से उसे नीचे लाया गया। मोहित की रिंग में ही मैच खेलते-खेलते मौत हो गई थी।

एसएचओ कमल तनेजा ने बताया- यूनिवर्सिटी में आयोजित टूर्नामेंट के दौरान एक खिलाड़ी की मौत हो गई थी। शव को सिविल हॉस्पिटल, खरार, मोहाली (पंजाब) की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। उनके घर वालों को इसकी सूचना दे दी गई है। शव परिवार को सौंपने से पहले पोस्टमॉर्टम किया जाएगा।

चंडीगढ़ में मोहित की फाइट का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें वह 85 किलोग्राम वर्ग में हिस्सा ले रहा है। करीब चार मिनट लम्बे इस वीडियो में मोहित अपने प्रतिद्वंद्वी का मुकाबला करते दिख रहा है। इस दौरान मोहित अचानक मैट पर ही गिर पड़ा। रैफरी के प्रयास के बावजूद भी जब मोहित नहीं उठा तो अचेत अवस्था में उसे तुरन्त अस्पताल पहुंचाया गया। प्रमोद सिंह के अनुसार टीम मैनेजर राहुल यादव और कोच हीरालाल मोहित को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

इस सबंध में जब राजस्थान विश्वविद्यालय टीम के कोच हीरालाल, राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष हीरानन्द कटारिया और राजस्थान खेल परिषद के कोच राजेश टेलर से जानकारी चाही तो बार-बार फोन करने पर भी किसी ने जवाब नहीं दिया। बताया जा रहा है कि विश्वविद्यालय टीम का चयन राजेश टेलर द्वारा किया गया।

'भारत की बी-टीम भी हरा देगी'

पाकिस्तान टीम की दुर्दशा पर सुनील गावस्कर ने लिए मजे

दुबई, 25 फरवरी (एजेंसियां)। रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में जैसे ही न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को पांच विकेट से धूल चटाई, वैसे ही मेजबान पाकिस्तान का चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बोरिया-बिस्तर बंध गया। कीवी टीम की जीत ने उसकी और भारत की सेमीफाइनल में जगह पक्की कर दी, साथ ही बांग्लादेश की टीम भी टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इस तरह से 29 साल बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा पाकिस्तान सिर्फ छह दिन में चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हो गया। टीम के इस प्रदर्शन और हालत पर भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने जमकर मजे लिए हैं।

उन्होंने पाक टीम की बेंच स्ट्रेंथ को लेकर हैरानी जताई। उन्होंने यहां तक बोल दिया कि इस पाकिस्तान टीम को भारत की बी टीम भी कड़ी चुनौती दे सकती है।

गावस्कर ने 'स्पोर्ट्स टुडे' से बात करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि भारत की बी टीम निश्चित रूप से पाकिस्तान को कड़ी टक्कर दे सकती है। हालांकि सी टीम को लेकर मैं कंफर्म नहीं हूं। लेकिन मौजूदा फॉर्म में भारत की बी टीम को हराना पाकिस्तान के लिए बहुत मुश्किल होगा।'

पाक टीम में बेंच स्ट्रेंथ की कमी है- गावस्कर

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि यह आश्चर्यजनक है कि टीम में बेंच स्ट्रेंथ की कमी है। पाकिस्तान में हमेशा से ही नेचुरल टैलेंट रहा है। नेचुरल इस मायने में कि वे हमेशा तकनीकी रूप से सही नहीं रहे होंगे, लेकिन उनके पास बल्ले और गेंद की सहज समझ थी। उदाहरण के लिए इंजमाम-उल-हक को देखें। अगर आप उनके स्टांस को देखें तो आप किसी युवा बल्लेबाज को ऐसा करने की सलाह नहीं देंगे, लेकिन उनका स्वभाव बहुत अच्छा था। इस तरह के स्वभाव के साथ उन्होंने किसी भी तकनीकी कमी को पूरा किया।'

बांग्लादेश-पाकिस्तान मैच महज औपचारिकता

पहले दो मैच गंवाने के बाद अब पाकिस्तान टीम को अगले मुकाबले में बांग्लादेश से भिड़ना है। हालांकि टीम के लिए यह मैच महज औपचारिकता है, क्योंकि दोनों टीमों के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद नतीजे से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि कप्तान मोहम्मद रिजवान इस मैच में जीत दर्ज करके शर्मिंदगी से बचना चाहेंगे।

एक अकेले 'इंडियन' ने पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी से कर दिया बाहर

घर में घुसकर दिया सबसे बड़ा जख्म

खेल डेस्क, 25 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को पाकिस्तान होस्ट कर रहा है लेकिन पाकिस्तान 5 दिन में ही इस टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है. पहले उसे न्यूजीलैंड ने शिकस्त दी. फिर भारत ने धूल चटाई. भारत के हाथों हार झेलने के साथ ही पाक की सेमीफाइनल की उमीदें खत्म हो चुकी थी. उसके लिए जो एक फीसदी से भी कम की उम्मीद थी वो एक 'इंडियन' ने खत्म कर दी है. न्यूजीलैंड की टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत के साथ पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी से पूरी तरह बाहर हो चुका है. भारत से ताल्लुक रखने वाले न्यूजीलैंड के स्टार खिलाड़ी रचिन रविंद्र के शानदार खेल के चलते पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है.

ऐसे सेमीफाइनल में पहुंच सकता था पाकिस्तान

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच हुए मैच में न्यूजीलैंड ने जीत दर्ज की. इसी के साथ पाक आईसीसी टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है. बांग्लादेश भी बाहर हो चुका है और सेमीफाइनल के लिए भारत-न्यूजीलैंड ने क्वालीफाई कर लिया है. जब पाकिस्तान की टीम भारत से हारी थी तो भी उसके पास सेमीफाइनल में पहुंचने के रास्ते थे. यहां पर बात अगर और मगर वाली थी. न्यूजीलैंड-बांग्लादेश का मैच बांग्लादेश जीतती तो पाक राहत की सांस लेता. फिर 27 मार्च को पाक-बांग्लादेश का मैच पाकिस्तान को बड़े अंतर से जीतना था. इसके बाद पाकिस्तान दुआ करता कि 2 मार्च को होने वाला भारत-न्यूजीलैंड मैच टीम इंडिया जीत जाए तब जाकर पाकिस्तान के सेमीफाइनल में पहुंचने के चांस बन सकते थे. लेकिन 24 फरवरी को रावलपिंडी में हुए न्यूजीलैंड-बांग्लादेश मैच पर कीवी टीम के कब्जे से सारे समीकरण धरे के धरे रह गए और पाक का पत्ता कट गया. रचिन रविंद्र ने शतकीय पारी खेलकर न्यूजीलैंड को बड़ा जख्म दे दिया.

रचिन के शतक ने पाकिस्तान को दिए जख्म

रचिन रविंद्र न्यूजीलैंड टीम के अहम खिलाड़ी हैं. वो मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करते हैं और गेंद से भी कमाल करते हैं. रचिन की जड़े भारत से जुड़ी हुई हैं. उनके दादा-दादी बेंगलुरु में रहते हैं. उनके पिता सालों पहले न्यूजीलैंड जाकर बस गए थे. रचिन का जन्म भी न्यूजीलैंड में ही हुआ. न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच हुए मैच में रचिन ने शानदार शतकीय पारी खेली. न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए 236 रन बनाए. जवाब में कीवी टीम ने 47वें ओवर में 240 रन बनाकर मैच जीत लिया. इस दौरान रचिन ने 105 गेंदों में 112 रनों की शनदरा पारी खेली. पाकिस्तान के पास जो थोड़ी सी उम्मीद थी उसे भी रचिन ने उसके घर में ही उसी के मैदान पर खत्म कर दी.

भारतीय महिला हॉकी टीम को प्रो लीग के मैच में मिली हार

ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड ने दी मात

भुवनेश्वर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच प्रो लीग मैच में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड से 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम को गोल करने के बेहतर मौके मिले जिसमें उसे 13 पेनल्टी कॉर्नर, जबकि नीदरलैंड को सिर्फ तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले। लेकिन भारत मौकों का फायदा नहीं उठा सका। नीदरलैंड के लिए एम्मा रीजन (सातवें मिनट), फेलिस एल्बर्स (34वें, 47वें मिनट) और फे वैन डेर एल्स्ट (40वें मिनट) ने गोल दागकर जीत हासिल की। भारत के लिए दोनों गोल उदिता (18वें और 42वें मिनट) द्वारा पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए। यह भारत की अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया का 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच था। रीजन ने सातवें ही मिनट में रिवर्स हिट से उन्हें पछाड़ते हुए गोल कर दिया। भारतीय टीम ने जल्द ही लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, पर दोनों ही बेकार गए।

भारतीयों ने दूसरे क्वार्टर में भी तेजी बनाए रखी और दो और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए जिनमें से दूसरे को उदिता ने गोल में बदला। नीदरलैंड ने 25वें मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन भारत ने मजबूती से बचाव किया। लेकिन छोर बदलने के चार

मिनट बाद एल्बर्स ने ढीली गेंद पर कुछ भारतीय डिफेंडरों को चकमा देते हुए दूसरी भारतीय गोलकीपर बीचू देवी खारीबाम को पीछे छोड़ते हुए एक बेहतरीन रिवर्स हिट के साथ गोल करके नीदरलैंड को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद वैन डेर एल्स्ट ने मैदानी गोल से नीदरलैंड की बढ़त मजबूत की। उदिता ने 42वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अंतर को कम किया। एल्बर्स ने 47वें मिनट में एक और बेहतरीन मैदानी गोल करके नीदरलैंड की जीत सुनिश्चित कर दी जो उनका दिन का दूसरा गोल था। भारत मंगलवार को रिटर्न लेग मैच में फिर से नीदरलैंड से खेलेगा और उसकी कोशिश जीत दर्ज करने की होगी।

बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को कर्नाटक हाई कोर्ट ने दिया झटका, याचिका हुई खारिज

बंगलुरू, 25 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को कर्नाटक हाई कोर्ट ने झटका दिया है। दरअसल, जन्म प्रमाण पत्र में हेराफेरी के आरोप में कर्नाटक हाई कोर्ट ने लक्ष्य, उनके परिवार और कोच विमल कुमार द्वारा याचिकाओं को खारिज कर दिया है। एम. जी. नागराज ने खिलाड़ी पर हेराफेरी कर फर्जी दस्तावेज पेश करने के आरोप लगाते हुए एक निजी शिकायत की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि लक्ष्य सेन के माता-पिता धीरेंद्र और निर्मला सेन, उनके भाई चिराग सेन, कोच यू विमल कुमार और कर्नाटक बैडमिंटन संघ के एक कर्मचारी ने जन्म रिकॉर्ड में फर्जीवाड़ा किया है।

हाई कोर्ट ने जांच के आदेश दिए

हाई कोर्ट ने कहा कि मामले

में प्रथम दृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं जो जांच की आवश्यकता को दर्शाते हैं। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर लक्ष्य और चिराग सेन के जन्म प्रमाण पत्र में करीब दो साल छह महीने की उम्र घटा दी जिससे वे आयु-सीमित बैडमिंटन टूर्नामेंट में भाग ले सकें और सरकारी लाभ प्राप्त कर सकें। नागराज ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत प्राप्त दस्तावेजों के साथ अपना दावा पेश किया और न्यायालय से भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) तथा खेल मंत्रालय से मूल रिकॉर्ड तलब करने का अनुरोध किया। हाई कोर्ट ने हाई ग्राउंड्स पुलिस थाने को मामले की जांच के आदेश दिए।

अधिक समय देने से किया इन्कार

अदालत के निर्देश के बाद, पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 468 (जालसाजी) और 471 (नकली दस्तावेजों को असली के रूप में इस्तेमाल करना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की। हालांकि, याचिकाकर्ताओं ने 2022 में कर्नाटक हाई कोर्ट का रुख किया, जिससे एक अंतरिम आदेश प्राप्त हुआ जिसने जांच को रोक दिया। न्यायमूर्ति एम. जी. उमा ने याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं के वकील को पर्याप्त अवसर दिए गए, लेकिन उन्होंने अपनी दलीलें पेश नहीं कीं। न्यायाधीश ने अधिक समय देने से भी इन्कार कर दिया।

पाकिस्तान की टीम पर नस्लीय हमला

वसीम अकरम ने कहा इतने केले तो बंदर भी नहीं खाते

दुबई, 25 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की टीम पर नस्लीय हमला हुआ है. ये हमला किसी और ने नहीं पाकिस्तान के ही पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने बोला है. पूर्व पाक पेसर ने एक शो में पाकिस्तान के खिलाड़ियों की तुलना बंदर से की है. वसीम अकरम जैसे दिग्गज खिलाड़ी की जुबां से ऑनएयर बोले गए इस तरह के अल्फाज बताने के काफी हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तानी टीम के खराब परफॉर्मेन्स को लेकर कितना गुस्सा भरा है.

पाकिस्तान की टीम चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो चुकी है. बेशक, उसे ग्रुप स्टेज पर अभी एक और मैच 27 फरवरी को जरूर खेलना है. लेकिन, वो महज एक औपचारिकता है. उससे पहले ही उसके चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने पर आधिकारिक मुहर लग चुकी है.

इतने केले तो बंदर नहीं खाते- वसीम अकरम

अब सवाल ये है कि वसीम अकरम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर नस्लीय टिप्पणी करते हुए क्या कुछ कहा. उन्होंने भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान हुए एक वाक्ये का उदाहरण देते हुए पाक खिलाड़ियों की तुलना बंदर से की. वसीम अकरम ने बताया कि पहला या दूसरा ड्रिंक्स ब्रेक था. उस दौरान देखने को मिलता है कि केले से भरी एक बड़ी सी परात मैदान पर आई. वसीम अकरम ने आगे कहा कि इतने केले तो बंदर नहीं खाते, जितने वो खा रहे हैं. वसीम अकरम के साथ शो में वकार युनूस के अलावा दो भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा और निखिल चोपड़ा भी मौजूद थे. अकरम ने बताया कि वो जब खेलते थे, और अगर इतने केले खाते हुए उन्हें इमरान खान देख लेते तो वहीं पर क्लास लगा देते.

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में नहीं खुला पाकिस्तान की जीत का खाता

वसीम अकरम के इस तरह से भड़कने की वजह चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान का बेकार प्रदर्शन है. पाकिस्तान की टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ग्रुप स्टेज पर खेले पहले दो मैच हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है. पाकिस्तान को पहले मैच में न्यूजीलैंड ने 60 रन से हराया था तो वहीं दूसरे मैच में भारत के खिलाफ उन्हें 6 विकेट से हार मिली थी.

हैदराबाद अब इलेक्ट्रिक वाहनों की राजधानी : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि हैदराबाद ने देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अग्रणी शहर के रूप में पहचान हासिल की है। उन्होंने बताया कि शहर ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की सबसे अधिक बिक्री हासिल की है, और राज्य सरकार निकट भविष्य में टीएसआरटीसी में 3,000 इलेक्ट्रिक बसें लाने की योजना बना रही है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को हैदराबाद में एचआईसीसी में आयोजित "बायो एशिया" 2025 सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान ये टिप्पणियां कीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बायोएशिया ने हैदराबाद को जीवन विज्ञान के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित किया है, जो पूरे देश और दुनिया भर से लोगों को आकर्षित करता है। रेवंत रेड्डी ने कहा, "सम्मेलन स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के भविष्य को विकास के पथ पर आकार देने में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का मार्गदर्शन भी करता है।" मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार का लक्ष्य तेलंगाना को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलना है। रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि सरकार हैदराबाद में फ्यूचर सिटी और एआई सिटी सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू कर रही है। उन्होंने बताया कि मुख्य शहर के बाहर आउटर रिंग रोड और रीजनल रिंग रोड के बीच एक विनिर्माण केंद्र स्थापित किया जाना है, जिसका लक्ष्य चीन प्लस वन रणनीति से संबंधित जरूरतों को पूरा करते हुए वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े विनिर्माण केंद्रों में से एक बनना है। उन्होंने आगे कहा, "घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह के निवेशों को आकर्षित करने के मामले में तेलंगाना भारत में पहले स्थान पर है। राज्य में सबसे कम मुद्रास्फीति दर और सबसे अधिक रोजगार सृजन दर है।"

विश्व स्तरीय जीवन विज्ञान विश्वविद्यालय स्थापित होगा : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना राज्य एक समर्पित जीवन विज्ञान विश्वविद्यालय स्थापित करने जा रहा है जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देगा।

यहां मंगलवार को बायोएशिया 2025 के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, श्रीधर बाबू ने कहा कि प्रस्तावित विश्वविद्यालय उद्योग जगत के नेताओं के साथ साझेदारी में बनाया गया है और यह वैश्विक विशेषज्ञता और नवाचार को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि जीवन विज्ञान क्षेत्र में तेलंगाना का उदय रातोंरात सफलता नहीं है और यह दूरदर्शिता, दृढ़ता और नवाचार की दो दशक लंबी यात्रा का परिणाम है। "आज, हमारा राज्य विश्व मानचित्र पर वैज्ञानिक प्रगति के एक प्रकाश स्तंभ के रूप में खड़ा है, और हम अभी शुरुआत कर रहे हैं। जीनोम वैली नवाचार का एक पावरहाउस है। यह सिर्फ एक नाम नहीं है और यह भारत में जीवन विज्ञान का केंद्र है, एक ऐसा केंद्र जिसने तेलंगाना को वैश्विक जैव प्रौद्योगिकी और दवा अनुसंधान के मामले में सबसे आगे रखा है। हम इसे और भी अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना जीवन विज्ञान क्रांति का दिल है और राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए भारी निवेश कर रही है कि यह पहले से कहीं अधिक मजबूत हो। उन्होंने कहा कि सरकार जीनोम वैली का विस्तार करने, अत्याधुनिक अनुसंधान को आकर्षित करने और अभूतपूर्व खोजों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। श्रीधर बाबू ने आगे कहा कि जीवन विज्ञान क्षेत्र आर्थिक विकास का एक स्तंभ है, जो सीधे तौर पर 51,000 लोगों को रोजगार देता है और अप्रत्यक्ष रूप से 1.5 लाख आजीविका का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, "आगामी कौशल विश्वविद्यालय के माध्यम से, हम इस गतिशील उद्योग के लिए तैयार कुशल पेशेवरों की एक नई पीढ़ी का पोषण करेंगे।" मंत्री ने आगे कहा कि तेलंगाना न केवल व्यापार के लिए खुला है बल्कि यह नेतृत्व करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, "हमारी नीतियां, बुनियादी ढांचा और नवाचार-संचालित पारिस्थितिकी तंत्र इसे दूरदर्शी निवेशकों के लिए एक आदर्श गंतव्य बनाते हैं। स्वास्थ्य सेवा और जीवन विज्ञान के भविष्य को आकार देने में हमारे साथ जुड़ें।" मंत्री ने यह भी खुलासा किया कि राज्य सरकार ने क्वींसलैंड विश्वविद्यालय (ऑस्ट्रेलिया), एनएचएस (यूके) और टी-हब के साथ रणनीतिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं और यह ग्रैन्यूल्स, भारत बायोटेक, ऐजेंट और बायोलॉजिकल ई जैसे उद्योग के नेताओं के साथ प्रमुख समझौतों को भी अंतिम रूप दे रही है, जो नवाचार और वैज्ञानिक सहयोग के केंद्र के रूप में तेलंगाना की स्थिति को मजबूत करता है। श्रीधर बाबू ने कहा, "तेलंगाना न केवल दुनिया के साथ तालमेल बनाए हुए है, बल्कि यह गति भी तय कर रहा है। जीवन विज्ञान, फार्मास्यूटिकल्स और स्वास्थ्य सेवा नवाचार का भविष्य यहीं लिखा जा रहा है। निवेशक, शोधकर्ता, उद्यमी - यह क्रांति का हिस्सा बनने का आपका निमंत्रण है। समय अभी है। जगह तेलंगाना है। भविष्य असीम है।"

क्वींसलैंड तेलंगाना में निवेश करेगा

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और आईटी एवं उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू ने मंगलवार को हैदराबाद में एचआईसीसी में क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। बैठक के दौरान, उन्होंने उद्योग, खेल विश्वविद्यालय और व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित निवेश के अवसरों और संभावित समझौता ज्ञापनों (एमओयू) की खोज की। क्वींसलैंड के प्रतिनिधियों ने तेलंगाना में निवेश के लिए समझौते स्थापित करने पर अनुकूल दृष्टिकोण व्यक्त किया। उल्लेखनीय उपस्थित लोगों में क्वींसलैंड की राज्यपाल डॉ. जीनेट और वित्त, व्यापार, रोजगार और प्रशिक्षण मंत्री माननीय रॉसलिन (रोस) बेट्स शामिल थे।

मोबाइल ऐप से टिकटों की खरीद को बढ़ावा देने के लिए कैशबैक सुविधा शुरू

हैदराबाद, 25 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे हमेशा से उपयोक्ता हितैषी और डिजिटल पहल शुरू करने में अग्रणी रही है. जोन ने वर्ष 2016 में हैदराबाद नगरद्वय शहरों के 26 उपनगरीय स्टेशनों पर 'यूटीएस' मोबाइल एप्लिकेशन शुरू किया. बाद में, इस सुविधा को जुलाई, 2018 से इस रेलवे के सभी यूटीएस स्टेशनों को कवर करते हुए प्लेटफॉर्म, यात्रा और सीजन टिकटों की बुकिंग के लिए सभी गैर-उपनगरीय स्टेशनों पर लागू किया गया।अनारक्षित यात्रियों की सुविधा के लिए एक और कदम बढ़ाते हुए, अब भारतीय रेल के सभी गंतव्यों के लिए पेपरलेस टिकटिंग की बुकिंग सक्षम की गई है. यूटीएस ऐप आधुनिक टिकटिंग प्रणाली में एक बड़ी छलांग है और भारतीय रेल के उन यात्रियों के बड़े वर्ग के लिए एक वरदान है जो अनारक्षित टिकटों पर यात्रा करते हैं। डिजिटल इंडिया पहल के अनुरूप, यह ऐप नकदी रहित लेनदेन को सक्षम बनाता है और यात्री विभिन्न डिजिटल माध्यमों जैसे आर-वॉलेट, पेटीएम, फोनपे, गूगलपे, यूपीआई ऐप या इंटरनेट बैंकिंग आदि से भुगतान कर सकते हैं। यूटीएस ऐप में

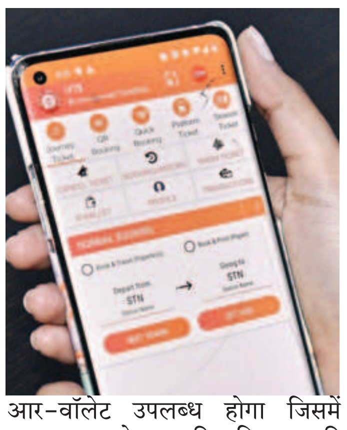

आर-वॉलेट उपलब्ध होगा जिसमें 20,000 रुपये तक की राशि जमा की जा सकेगी। प्रचार के तौर पर, आर-वॉलेट के माध्यम से खरीदी गई टिकटों पर 3% कैशबैक दिया जा रहा है। यूटीएस ऐप को शुरुआत की तारीख से ही रेल उपयोक्ताओं से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है और ऐप का उपयोग करने वाले यात्रियों की संख्या हमेशा उत्साहजनक रही है. जोन की पहल से मोबाइल ऐप के माध्यम से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों की संख्या निरंतर बढ़ रही है. अप्रैल से जनवरी 2023-24 तक एक दिन में यूटीएस मोबाइल ऐप सुविधा का लाभ उठाने वाले औसत यात्री 83,510 थे, जबकि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में प्रतिदिन लाभ उठाने वाले औसत यात्री 93,487 हैं, जो टिकट खरीदने के लिए यूटीएस ऐप के उपयोग में 12% की वृद्धि दर्शाता है। शुरू में सामान्य टिकट खरीदने के लिए दूरी की जो सीमा थी, उसमें अब ढील दी गई है तथा अब रेल उपयोक्ता किसी भी स्थान से टिकट खरीद सकते हैं. सरल शब्दों में कहें, तो यात्री अपने घर से ही अपनी टिकट (यात्रा/प्लेटफ़ॉर्म टिकट दोनों) बुक कर सकते हैं और अनारक्षित टिकट खरीदने के लिए लंबी कतारों में खड़े हुए बिना गाड़ी पर चढ़ सकते हैं। एंड्रॉइड, आईओएस और विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम वाले स्मार्ट फोन से लोग इस ऐप को मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं. यूटीएस ऐप यूजर फ्रेंडली है और इसमें कई प्रमुख विशेषताएं जैसे कि बहुभाषी समर्थन, कैशलेस लेनदेन तथा विभिन्न प्रकार की ग्राहक सहायता सहित ऐप का उपयोग कैसे करें के लिए चरण-दर-चरण मार्गदर्शन, हेल्पलाइन नंबर और अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर के लिए हेल्प टैब की सुविधा है।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 नौसेनाबाग विशाखापत्तनम
PMSHRI KENDRIYA VIDYALAYA No. 2 Nausenabaugh Visakhapatnam
साक्षात्कार (2025-26)
WALK-IN-INTERVIEW (2025-26)

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 नौसेनाबाग, विशाखापट्टनम में शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु पूर्णतया संविदा के आधार पर अनुबंध शिक्षकों पीजीटी-हिन्दी, टीजीटी-गणित, टीजीटी-हिन्दी, प्राथमिक शिक्षिक, प्राथमिक शिक्षक-संगीत, खेल प्रशिक्षक, कला प्रशिक्षक, योगा, नर्स, शैक्षिक परामर्शदाता, विशेष शिक्षक, संगणक अनुदेशक-प्राथमिक, संगणक अनुदेशक-सेकेन्डरी का पैनल तैयार करने के लिए साक्षात्कार दिनांक 28.02.2025 पंजीकरण प्रातः 08:00 AM से 09:30 AM तक होगा, साक्षात्कार सुबह 10 बजे से शुरू होंगे। अधिक जानकारी के लिए विद्यालय की वेबसाइट https://no2nausenabagh.kvs.ac.in/ या सूचना पट्ट देखें। इच्छुक अभ्यर्थी आवश्यक रूप में पंजीकरण फार्म भरकर एवं समस्त आवश्यक दस्तावेज की मूल एवं छायाप्रति साथ लेकर आएं।

स्थानः पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 नौसेनाबाग, विशाखापट्टनम।

PM SHRI Kendriya Vidyalaya No. 2 Nausenabaugh, Visakhapatnam is going to conduct walk-in-interviews for Part-time teacher PGT (Hindi), TGT (Math), TGT (Hindi), PRTs, PRT Music, Sports Coach, Art Coach, Yoga, Nurse, Education Counsellor, Special Educator, Computer Instructor Primary and Computer Instructor Secondary purely on contractual basis for the academic session 2025-26 on 28-02-2025. Registration 08:00 AM to 09:30 AM, Interviews starts at 10 AM onwards. For more information about post wise interview visit the school website https://no2nausenabagh.kvs.ac.in/ or Notice Board. Interested candidates must bring filled registration form with one Passport size photo & Photocopies of all required documents along with original.

Venue: PM SHRI Kendriya Vidyalaya No.2 Nausenabaugh, Visakhapatnam.

Sd/-
PRINCIPAL

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.